हरिभूमि
गूंजी नक्सलमुक्त बस्तर की गाथा
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

सरकार के प्रयासों और बस्तर के लोगों की सक्रिय भागीदारी से यह क्षेत्र अब विकास की नई राह पर

राष्ट्रपति बोलीं- बस्तर में हिंसा पीछे छूट रही, अब विकास की नई राह पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि सरकार के प्रयासों और बस्तर के लोगों की सक्रिय भागीदारी से यह क्षेत्र अब विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। हिंसा का माहौल पीछे छूट रहा है और लोग शिक्षा, रोजगार तथा विकास के नए अवसरों को अपना रहे हैं। यह बदलाव पूरे देश के लिए खुशी और गर्व का विषय है।

राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर पंडुम केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है। इसका उद्देश्य बस्तर की वास्तविक पहचान को राष्ट्रीय और ▶▶| शेष पेज 7 पर

राष्ट्रपति भवन में पहली बार दिखा बस्तर की जनजातीय संस्कृति का ऐसा वैभव : गृहमंत्री अमित शाह

राष्ट्रपति भवन में बस्तर के मांझी-चालकी बने खास मेहमान, राष्ट्रपति ने खुद परोसा भोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के सर्वोच्च संवैधानिक भवन 'राष्ट्रपति भवन' में आज एक नया इतिहास रचा गया। नई इबारत लिखी गई। पहली बार बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक-परंपराओं और वेशभूषा का अप्रतिम वैभव नजर आया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुँचे बस्तर के 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का न सिर्फ़ स्वयं स्वागत किया बल्कि जनजाति समुदाय को खुद अपने कर-कमलों से भोजन ▶▶| शेष पेज 7 पर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुँचे 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल

बस्तर आने का आग्रह

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्रपति से बस्तर के प्रतिनिधिमंडल की यह आत्मीय भेंट छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर अंचल के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का अवसर है। बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन को राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने का यह ऐतिहासिक अवसर रहा। आज बस्तर शांति, विकास और सांस्कृतिक ▶▶| शेष पेज 7 पर

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹108734/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹132800/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹144964/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

बैंकॉक से आए यात्री से नौ किलो गांजा जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया। उसके पास से करीब नौ किलोग्राम संदिग्ध 'हाइड्रोपोनिक वीड' जब्त किया है। हाइड्रोपोनिक वीड गांजे की एक ऐसी किस्म है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से युक्त पानी में उगाया जाता है।

18 विदेशी नागरिकों को घुसपैठ से रोका

गुवाहाटी। असम में घुसपैठ के खिलाफ जारी अभियान के तहत 18 विदेशी नागरिकों को भारत में प्रवेश करने से रोका गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, असम की सुरक्षा और पहचान को कमजोर करने के लिए घुसपैठ की अनुमति नहीं दी जाएगी। हमारी निरंतर कार्रवाई के तहत इन 18 घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। इन लोगों को किस स्थान से पकड़ा गया और वे किस देश के नागरिक हैं। हमारी कड़ी निगरानी और कार्रवाई चौबीसों घंटे जारी है।

5.8 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कोकराझार जिले से 5.8 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। इस मामले में दो संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने कहा, 'फर्जी 'ऑन ड्यूटी' स्टिकर असली मंशा नहीं छिपा सका। श्रीरामपुर नाका पर कोकराझार पुलिस ने एक वाहन को रोका।

ट्रक ने पिकअप वैन को टक्कर मारी, दो की मौत

धाराशिव। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में तेज एक रफ्तार ट्रक ने 'पिकअप वैन' को टक्कर मार दी, जिससे एक महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 17 अन्य घायल हो गए। यह घटना बुधवार रात येदशी में अलानी चौक के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वैन के दो टुकड़े हो गए। उमरगा तहसील के बोरी गांव निवासी छबू दुधभाते (40) और बाबूराव सूर्यवंशी (65) को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

उदंती नदी पर ओडिशा सरकार की ओर से बनाया जा रहा 9 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल

बारिश के चलते इंद्रावती नदी उफान पर

नदी का जलस्तर 15.600 मीटर दर्ज
खतरे के निशान से 3.10 मीटर ऊपर

बचाव दल

इंद्रावती, जगदलपुर

गरियाबंद सीमा पर पुल धड़ाम

महानदी उफनी, गांव बने टापू, ओडिशा तेलंगाना और महाराष्ट्र से संपर्क टूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/ बीजापुर/ भोपालपट्नम/ मद्देड़/ मैनपुर/ धमतरी/ नगरी / राजिम / भिलाई

हरिभूमि लाइव

लगातार हो रही बारिश बरिश से गुरुवार को तीसरे दिन भी छत्तीसगढ़ का बड़ा हिस्सा प्रभावित रहा। महानदी सहित राज्य की कई नदियां उफान पर हैं। दर्जनों गांवों से संपर्क टूट गया है। बीजापुर जिले में भारी बारिश के चलते दो दिनों शुक्रवार और शनिवार को स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। राज्य के सीमावर्ती जिलों से ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र राज्य का संपर्क भंग हो गया है। मैनपुर से लगे ओडिशा सीमा पर 9 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल ध्वस्त हो गया। वहीं धमतरी के सिहावा में महानदी पर पुल का के ऊपर से पानी चलने से रेलिंग बह गया, जिससे ओडिशा से राज्य का संपर्क नहीं रहा। महानदी ▶▶| शेष पेज 7 पर

बारिश का कहर: 9 करोड़ का निर्माणाधीन पुल भरभरा कर गिरा

गरियाबंद जिले मैनपुर क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से उदंती नदी पर ओडिशा सरकार की ओर से बनाया जा रहा 9 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल तेज बहाव और भारी बारिश के चलते भरभरा कर गिर गया। यह पुल छत्तीसगढ़ के मैनपुर विकासखण्ड और ओडिशा के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला था। पुल गिरने से छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच बनने वाला अहम संपर्क मार्ग प्रभावित हो गया है। माना जा रहा है कि लगातार हो रही बारिश और उदंती नदी के तेज बहाव के कारण निर्माणाधीन पुल का हिस्सा ▶▶| शेष पेज 7 पर

नदी किनारे स्थित गांवों में खतरा

पिछले तीन-चार दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। लगातार वर्षा से सड़क संपर्क बाधित हो गया है और कई ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। बारिश के कारण भोपालपटनम से तेलंगाना और महाराष्ट्र को जोड़ने वाले दोनों प्रमुख सड़क मार्ग ▶▶| शेष पेज 7 पर

शिवरीनारायण में बोराई महानदी

लगातार बारिश से दुर्ग की शिवनाथ नदी साढ़े 8 फीट ऊपर

शिवनाथ नदी

लगातार बारिश और चार जलाशयों से शिवनाथ नदी में पानी छोड़े जाने की वजह से शिवनाथ नदी उफान पर आ गया है। नदी का महमरा एनीकट के ऊपर साढ़े 8 फीट पानी बह रहा है। जिसकी वजह से इस पुल से आवागमन बंद हो गया है। प्रशासन ने आसपास के 12 गावों में एलर्ट जारी किया है। चारों जलाशयों से 15 हजार ▶▶| शेष पेज 7 पर

सिहावा महानदी पुल पर 4 फीट पानी, रैलिंग टूटी, आवागमन ठप

लगातार बारिश के कारण सिहावा स्थित महानदी पुल पर लगभग 4 फीट पानी बह रहा है। पानी के तेज बहाव से पुल की रैलिंग भी टूट गई है। इससे बोराई-ओडिशा-केशकाल को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। पुल के दोनों तरफ सैकड़ों वाहन और यात्री फंसे हुए हैं। दोपहिया, चारपहिया सहित एम्बुलेंस और मालवाहक वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद है। पुल पार करने की कोशिश करना जानलेवा हो ▶▶| शेष पेज 7 पर

मद्देड़ की बालक बालिका विद्यालय हुआ जलमग्न

भोपालपटनम विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मद्देड़ स्थित बालक, बालिका प्राथमिक शाला पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। स्कूल की बाउंड्री वॉल का आधा हिस्सा पूरी तरह से पानी में डूब चुकी है।क्लासरूम और भवन के रूम में घुटने तक पानी है। स्कूल के किसी भी ▶▶| शेष पेज 7 पर

नकली पनीर बेचते मिले व्यावसायिक प्रतिष्ठान तो होगी कार्रवाई

छग में एनालॉग पनीर बैन बेचा तो अब मिलेगा दंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर बैन कर दिया गया है। गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने यह घोषणा की। प्रदेश में एनालॉग पनीर के पूर्णतः बंद होने के बाद यदि कोई व्यक्ति अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठान इसकी बिक्री करते हुए पाया जाता है तो उस पर खाद्य विभाग कार्रवाई करेगा। इसमें लाइसेंस रद्द किए जाने से लेकर जुर्माने व अन्य तरह की कार्रवाई भी शामिल है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से जांच की जाएगी। एनालॉग पनीर को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। थोक में सामने आ ▶▶| शेष पेज 7 पर

एक वर्ष में 5 हजार किलो एनालॉग पनीर जब्त

जिले में एनालॉग पनीर को लेकर बीते एक वर्ष में कई बड़ी कार्रवाई हुई है। भाठागांव और बिरगांव इसका प्रमुख अड्डा बन गए है। जुलाई 2025 में बिरगांव की काशी एग्रो फूड्स फैक्ट्री से करीब 2,500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त किया गया था। इसके बाद यह फैक्ट्री सील कर दी गई थी। रायपुर के भाठागांव क्षेत्र में स्थित केएलपी फ्रेश एंड मिल्क प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई की थी। लगभग 1,060 किलो अमानक पनीर नष्ट किया गया और फैक्ट्री को सील किया गया। इसके अतिरिक्त कई अन्य स्थानों पर समय-समय पर थोक में गंदगी के बीच नकली पनीर निर्माण के मामले ▶▶| शेष पेज 7 पर

किडनी व लीवर को नुकसान, हार्ट अटैक का खतरा

एनालॉग पनीर सिंथेटिक पनीर है। यह दूध से नहीं बल्कि पॉम ऑयल, स्टॉर्च व अन्य पदार्थों से बनाया जाता है। इसके कैल्शियम व प्रोटीन के स्थान पर केवल शुगर होता है। पेट में दर्द की शिकायत इससे होती है। दीर्घकाल में यह किडनी व लीवर के खराब होने का कारण भी बनता है। एनालॉग पनीर बनाने में इस्तेमाल होने वाले सस्ते तेल में बैड कैस्ट्रॉल होता है। यह हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ा देता है। स्वास्थ्यगत दृष्टिकोण से यह पूर्णतः हानिकारक है।

-डॉ.स्मित श्रीवास्तव, हृदय रोग विशेषज्ञ

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

आरोपी की पत्नी को दस्तावेज पेश करने दिया एक सप्ताह

एजेंसी ▶▶| अयोध्या (उप्र)

अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा को यहां सादतगंज क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान के दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए बृहस्पतिवार को और एक सप्ताह का समय दिया। इस मामले को लेकर एडीए सचिव राजेश मिश्रा ने बताया कि सुप्रिया मिश्रा को यह साबित करने के लिए कि उनका ▶▶| शेष पेज 7 पर

यह है मामला

उल्लेखनीय है कि राम मंदिर चढ़ावे के गबन का मामला जून के प्रथम सप्ताह में प्रकाश में आया जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की। टीम को जांच के लिए शुरुआत में 15 दिनों का समय दिया गया।

मूणत की कथित मॉर्फ्ड सीडी मामले में ट्रायल पर लगी रोक

भूपेश को हाईकोर्ट से मिली अंतरिम राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कथित राजेश मूणत मॉर्फ्ड सीडी प्रकरण में फिलहाल बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सीबीआई की विशेष अदालत में उनके खिलाफ चल रही आगे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने यह आदेश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें बघेल ने विशेष अदालत के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें दोबारा आरोप तय करने की प्रक्रिया में शामिल करने का निर्देश दिया गया था। यह मामला वर्ष 2017 का है। आरोप है कि तत्कालीन मंत्री और भाजपा विधायक राजेश मूणत की कथित अश्लील मॉर्फ्ड सीडी तैयार कर उसे प्रसारित किया गया, ताकि उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान ▶▶| शेष पेज 7 पर

कोर्ट में दी गई ये दलील

भूपेश बघेल की ओर से कहा गया कि विशेष अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़कर आदेश पारित किया। उनका तर्क है कि पुनरीक्षण अदालत को केवल यह देखना था कि डिस्चार्ज आदेश सही था या नहीं। लेकिन उसने आरोपों की प्रकृति को प्रभावित करने वाला आदेश दे दिया। याचिका में यह भी कहा गया कि अभियोजन के रिकार्ड में ऐसा कोई ठोस आधार नहीं है जिससे उनके खिलाफ आरोप तय किए जा सकें। केवल सह-आरोपियों के साथ किसी होटल में ▶▶| शेष पेज 7 पर

200 से अधिक शिक्षाविदों ने जताई आपत्ति, वाड्रा को लिखा पत्र

'गौमूत्र ' टिप्पणी पर घिरीं प्रियंका, शिक्षाविद खफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा को दो सौ से अधिक शिक्षाविदों ने एक खुला पत्र लिखकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि को निशाना बनाते हुए की गई उनकी 'गौ मूत्र विशेषज्ञ' वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले 215 शिक्षाविदों के अनुसार किसी मुद्दे पर तर्कपूर्ण संवाद की जगह उपहास को नहीं अपनाया जा सकता। हस्ताक्षर करने वालों में कुलपति और पूर्व कुलपति भी शामिल हैं। पत्र में कहा गया, आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को 'गौमूत्र विशेषज्ञ' बताए जाने संबंधी आपकी कथित टिप्पणी पर निराशा व्यक्त करने के लिए हम यह पत्र लिख रहे हैं। चाहे यह व्यंग्य के रूप में की गई हो या राजनीतिक बयानबाजी के तौर पर, इस तरह का वर्णन चिंताएं ▶▶| शेष पेज 7 पर

देश के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों में प्रो. कामकोटि

पत्र में प्रो. कामकोटि की शैक्षणिक उपलब्धियों का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि प्रो. कामकोटि देश के अग्रणी वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में से एक आईआईटी मद्रास के प्रमुख हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से कंप्यूटर साइंस एंड ▶▶| शेष पेज 7 पर

परीक्षा सुधार कार्यबल के सदस्य

पद्म पुरस्कार से सम्मानित कामकोटि नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार की ओर से गठित छह सदस्यीय परीक्षा सुधार कार्यबल के सदस्य हैं। मंगलवार को लोकसभा में प्रियंका गांधी ने कहा था, उन्हें (प्रधानमंत्री को) यह समझने की जरूरत है कि केवल नयी समितियां गठित करने से काम नहीं चलेगा।"

वैज्ञानिक सोच और संविधान

- पत्र में कहा गया कि हर शिक्षाविद को अपने शोध, परिकल्पना और पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने का अधिकार है।
- किसी विद्वान के तर्कों पर चर्चा करने के बजाय उसे किसी विशेष पहचान से जोड़कर खारिज करना संविधान में नागरिकों से अपेक्षित वैज्ञानिक सोच की भावना के विपरीत है।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ केवल असामान्य विचारों पर संदेह करना नहीं, बल्कि किसी भी दावे को स्वीकार या अस्वीकार करने से पहले उसका निष्पक्ष मूल्यांकन करना भी है।
- पत्र में यह भी कहा गया कि इतिहास में कई ऐसे विचार रहे हैं, जिन्हें पहले असंभव माना गया, लेकिन बाद में वैज्ञानिक आधार मिला। वहीं कई स्थापित मान्यताएं समय के साथ गलत साबित हुईं।

चीन ने भारतीय सीमा के पास तैनात किए 12 एडवांस फाइटर जेट

कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा भारत के खिलाफ रची जा रही नई साजिश!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरों से भारत के खिलाफ चीन के खतरनाक इरादों का पता चला है। सैटेलाइट की तस्वीरों से पता चला है कि चीन ने भारतीय सीमा के पास दो एयरबेस पर अपने कम से कम 12 सबसे एडवांस्ड जे-20 स्टील्थ फाइटर जेट तैनात किए हैं। हाल के वर्षों में लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास पांचवीं पीढ़ी के इन लड़ाकू विमानों की यह अब तक की सबसे बड़ी तैनाती मानी जा रही है। कमर्शियल सैटेलाइट कंपनी 'वैंटोर' द्वारा ली गई इन तस्वीरों में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फ़ोर्स (पीएलएएएफ) को शिनजियांग के होटन एयरबेस और तिब्बत के डैम्सुंग एयरबेस पर इन विमानों को तैनात करते हुए देखा जा सकता है।

होटन एयरबेस पर आए नजर : तस्वीरों के मुताबिक 9 जुलाई को होटन एयरबेस पर आठ जे-20 'माइटी ड्रैगन' स्टील्थ फाइटर जेट खड़े देखे गए। चीन के शिनजियांग उइगुर ऑटोनॉमस रीजन में स्थित होटन, एक सिविल-मिलिट्री इस्तेमाल वाला बेस है। यह उत्तरी लद्दाख में भारतीय वायु सेना के दौलत बेग ओल्डी फॉरवर्ड एयरबेस से लगभग 245 किलोमीटर और लेह से करीब 389 किलोमीटर दूर है।

यह है चीन की रणनीति : रक्षा सूत्रों का कहना है कि भारत के सामने ऊंचाई वाले एयरबेस पर बार-बार जे-20 विमानों का दिखना यह बताता है कि ऐसी तैनाती अब चीन की सीमा पर सैन्य रणनीति का एक आम हिस्सा बनती जा रही है, न कि किसी खास घटना से जुड़ा कोई अस्थायी कदम। चीन के इस कदम को पीएलएएएफ को आधुनिक बनाने और शिनजियांग और तिब्बत में अपने सैन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की चीन की व्यापक कोशिश के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है।

भारतीय वायुसेना के पास कम हैं फाइटर स्क्वाड्रन : यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय वायु सेना फाइटर स्क्वाड्रन की घटती संख्या की समस्या से जूझ रही है। स्वदेशी एलसीए तेजस एमके1ए प्रोग्राम में दो साल से ज़्यादा की देरी हो चुकी है, जबकि 114 मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (जिनमें और राफेल जेट भी शामिल हैं) की प्रस्तावित खरीद की प्रक्रिया अभी भी चल रही है।

एलएसी से 245 किमी दूर ड्रैगन खेल रहा खतरनाक खेल

दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमान

चीन का जे-20 'माइटी ड्रैगन' दुनिया के सबसे उन्नत पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमानों में गिना जाता है। इसे चेंगदू एयरक्राफ्ट कारपोरेशन ने बनाया है। यह रडार से बचने वाली स्टील्थ तकनीक, लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों और अत्याधुनिक सेंसरों से लैस है। जे-20 का मुख्य उद्देश्य दुश्मन के लड़ाकू विमानों और हाई वैल्यू वाले सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना है।

ल्हासा इलाके में चार विमान तैनात

25 जून की सैटेलाइट तस्वीरों के एक अलग सेट में तिब्बत के ल्हासा इलाके में डैक्सुंग एयरबेस पर चार और जे-20 विमान तैनात दिखे। ये विमान सुरक्षात्मक कवर के नीचे खड़े किए गए थे। डैक्सुंग अरुणाचल प्रदेश के तवांग से लगभग 344 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। दोनों जगहों को मिलाकर लगभग दो हफ़्तों के अंदर कम से कम 12 जे-20 स्टील्थ फाइटर विमानों की तस्वीरें ली गई हैं। हाल के सालों में भारत के सामने मौजूद चीनी एयरबेस पर देखी गई यह ऐसी सबसे बड़ी तैनाती में से एक है।

खबर संक्षेप

देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान' 2 से शुरू

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। वर्ष 2047 तक 'नशा मुक्त भारत' और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार 2 अगस्त से देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' शुरू करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 2 अगस्त को इस महत्वाकांक्षी अभियान का शुभारंभ करेंगे। यह केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि 100 सप्ताह तक चलने वाला जनभागीदारी आधारित राष्ट्रीय आंदोलन होगा, जिसमें देशभर के एक करोड़ से अधिक युवा एक साथ नशामुक्ति की शपथ लेंगे।

कश्मीर : 5 आतंकियों की जमीन कुर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने पाकिस्तान से आतंकी गतिविधियां संचालित कर रहे रियासी जिले के पांच आतंकवादियों की 1.7 हेक्टेयर जमीन कुर्क करने का आदेश दिया है। बताया गया कि पुलिस ने पाकिस्तान से गतिविधियां चला रहे लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष आतंकी मोहम्मद कासिम के खिलाफ भगोड़ा घोषित करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। प्रवक्ता के अनुसार, कासिम की संपत्ति इस साल मार्च में कुर्क की गई थी। क

एंटी पेपर लीक बिल राज्यसभा में पारित, चर्चा के दौरान सदन में जोरदार हंगामा

बंद कमरे में गृहमंत्री छिप नहीं सकते : खड़गे
सदन में भड़के नड्डा, कहा- भावावेश में न आएं

राज्यसभा में एंटी पेपर लीक बिल पारित हो गया। गुरुवार को चर्चा के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। उनके हाथ पैर टूटे। इसका जिम्मेदार गृहमंत्री हैं। बंद कमरे में आप मेरी बात सुन रहे होंगे, लेकिन छिपकर आप बहुत दिन रह नहीं सकते। एक दिन हम बाहर खींचकर लाएंगे। इसके बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भड़क गए, उन्होंने कहा कि सदन में असंसदीय शब्द का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राज्यसभा में गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रश्न पत्र लीक मामलों को रोकने के लिए सरकार द्वारा लाए विधेयक के भविष्य में कारगर होने पर आशंका जताते हुए एक समयबद्ध वार्षिक परीक्षा कैलेंडर बनाये जाने का सुझाव दिया तथा हाल में हुए छात्र आंदोलन में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई ज्यादतियों की न्यायिक जांच कराने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर उच्च सदन में चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि सरकार ने इस विधेयक में कड़े प्रावधान किये हैं किंतु उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि फर्क इससे पड़ेगा कि आप परीक्षाएं कैसे कराते हैं और प्रश्न पत्र लीक होने से कैसे रोक पाते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से सवाल किया कि वह इस समय जो काम कर रही है उसने दो साल पहले मूल कानून बनाते समय ही इस काम को क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं के मामले को उठाते हुए इस कानून की खामियों को उजागर किया था। खड़गे ने कहा कि यह विधेयक अभी भी अधूरा है तथा इससे प्रश्न पत्र लीक होने को नहीं रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि आजकल जो माहौल चल रहा है, उसे ठंडा करने के लिए यह विधेयक लाया गया है।

खड़गे ने शाह को घेरा, पैलेट गन के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया

मनुस्मृति के उल्लेख पर सत्तापक्ष ने खड़गे पर साधा निशाना

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने पैलेट गन पर सरकार से मांगा जवाब

जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर मेटैलिक पैलेट गन के इस्तेमाल के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व स्पेशल डायरेक्टर यशोवर्धन आजाद और पैलेट लगने से घायल दो प्रदर्शनकारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर क्या है? अदालत ने यह भी कहा कि बल प्रयोग के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया रिकॉर्ड पर रखी जाए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि जंतर-मंतर प्रदर्शन में घायल छात्रों के शरीर से मेटैलिक पैलेट निकाले गए, जबकि दिल्ली पुलिस की एसओपी में रबर बुलेट और प्लास्टिक पैलेट जैसे कम घातक विकल्पों का जिक्र है।

भावावेश में न आएं : नड्डा

खड़गे की इस टिप्पणी पर जमकर हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष की ओर से जेपी नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तर्क के साथ भावावेश में न आएं, ऐसे शब्दों का प्रयोग न करें जो असंसदीय हो, अभी उन्होंने असंसदीय शब्द का प्रयोग किया, इसे कार्यवाही से निकाला जाना चाहिए। नड्डा ने कहा कि खरगे के बयान से समाज में अशांति पैदा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि खरगे जी ने जो कुछ कहा तथ्यों से परे है। इसलिए, नेता विपक्ष खड़गे जी मनुस्मृति की मूल प्रति दिखाएं। सभापति ने इस बीच खरगे से जी कहा कि आप इसे अथांटिकेट कीजिए। उन्होंने ये भी कहा कि मनुस्मृति पर जो कुछ कहा गया उसे रिकॉर्ड से हटाया जाएगा। मैं खड़गे जी से अनुरोध करता हूं कि वे अपनी टिप्पणियों को मूल पाठ से प्रमाणित करें। मनुस्मृति, जिसका आमतौर पर अनुवाद मनु की संहिता के रूप में किया जाता है, का शाब्दिक अर्थ है मनु के विचार।

सीजेपी प्रोटेस्ट में दिल्ली सरकार ने दी बड़ी राहत

प्रदर्शनकारियों पर एक्शन नहीं क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले नपेंगे!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल लोगों को बड़ी राहत देते हुए फैसला किया है कि उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस मामले को यहीं समाप्त माना जाएगा और भविष्य में इस आधार पर कोई नई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, सरकार ने यह भी साफ किया है कि यह राहत उन लोगों पर लागू नहीं होगी जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है। ऐसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई होगी।

सरकार ने यह भी कहा है कि अगर प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, तो उसके मामले की समीक्षा की जाएगी और पात्र पाए जाने पर उनकी रिहाई की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। दिल्ली सरकार के मुताबिक, प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ अब कोई आगे की प्रतिकूल कार्रवाई करने का इरादा नहीं है और इस पूरे मामले को बंद माना जाएगा।

सुप्रीम आदेश के बाद लिया गया फैसला

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। यह फैसला 28 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में शैलेंद्र मणि त्रिपाठी बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में दिए गए आदेश के बाद लिया गया है। गृह विभाग के अनुसार, 29 जुलाई 2026 की शाम 6 बजे तक नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ियों के विरोध में हुए प्रदर्शनों से जुड़े कुल 13 मामले दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज किए गए थे।

बिहार, बंगाल में भी हुआ था ऐलान

इससे पहले पश्चिम बंगाल और बिहार सरकार ने भी एक्शन न लेने ऐलान किया था। बंगाल सरकार ने कहा था कि 26 जुलाई 2026 को शाम 6 बजे तक नीट पेपर लीक से जुड़े विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मामलों में शामिल छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी।

तीन राज्यों में उपचुनाव संपन्न

दतिया में सबसे ज्यादा 72 प्रतिशत वोटिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के दतिया, बिहार के बांकीपुर और गुजरात के मंजलपुर में हुए उपचुनाव की वोटिंग खत्म हो गई है। दतिया में सबसे ज्यादा 72% वोटिंग हुई, मंजलपुर में 37.50% वोटिंग हुई और सबसे कम वोटिंग बांकीपुर में 34 प्रतिशत हुई। मतगणना तीन अगस्त को होगी। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव के तहत बृहस्पतिवार को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हो गया और शाम छह बजे तक करीब 72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी और दतिया के जिलाधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने बताया, ''मतदान पूर्णतः शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। 71.40 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

नितिन नबीन के कारण चर्चित है बांकीपुर

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में बृहस्पतिवार को शाम पांच बजे तक करीब 33.57 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के कारण खाली हुई इस सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और कांग्रेस समर्थित राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की रेखा गुप्ता के बीच मुकाबला माना जा रहा है। इधर मंजलपुर, गुजरात में 37.50% वोटिंग हुई। मंजलपुर में यह उपचुनाव भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री योगेश पटेल के निधन के बाद हो रहा है। यहां भाजपा के सतीश गोविंदभाई पटेल और कांग्रेस के भिखाभाई रबारी के बीच सीधा मुकाबला है। यहां करीब 2.19 लाख वोटर हैं।

होर्मुज संकट पर एक्शन मोड में सरकार!

जनता व किसान को नहीं हो दिक्कत पीएम मोदी ने मंत्रियों संग की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े हालात को देखते हुए केंद्र सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। इसी मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में देश की ऊर्जा सुरक्षा, खाद की उपलब्धता, भारतीय नाविकों की सुरक्षा और निर्यात पर पड़ने वाले असर जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

पीएम ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में आम लोगों और किसानों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में काम कर रहे हर भारतीय नाविक की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह भारतीय जहाज पर तैनात हैं या किसी विदेशी जहाज पर। जरूरत पड़ने पर सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी।

निर्यातकों को राहत देने पर चर्चा

होर्मुज संकट का असर भारत के निर्यात कारोबार पर भी पड़ सकता है। इसी को देखते हुए बैठक में निर्यातकों को राहत देने के संभावित उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही देश की अर्थव्यवस्था पर इस संकट के प्रभाव का भी आकलन किया गया। सरकार ने संकेत दिए कि जरूरत पड़ने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। सरकार का कहना है कि वह वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऊर्जा, कृषि, व्यापार और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े हर पहलू की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि किसी भी चुनौती का समय रहते प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

नौसेना को मिला दूसरा गोताखोरी में सहयोग देने वाला जहाज 'निपुण'

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) ने गुरुवार को स्वदेश में निर्मित गोताखोरी में सहयोग प्रदान करने वाला जहाज 'निपुण' नौसेना को सौंप दिया है। विशाखापट्टनम में आयोजित किए गए एक समारोह में इसे समुद्री बल को प्रदान किया गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, जहाज का डिजाइन सहित निर्माण भारतीय रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के नियमों के तहत किया गया है। निपुण नाम दरअसल संस्कृत भाषा से लिया गया है। जिसका अर्थ, किसी विशेष क्षेत्र या विधा में दक्ष, सक्षम और पारंगत व्यक्ति होता है।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा भड़की, छह से ज्यादा शहरों में कर्फ्यू, 3 की मौत

कांवर यात्रा के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुआ था विवाद

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

नेपाल के सुनसरी में भड़की सांप्रदायिक हिंसा अब नेपाल के कई शहरों तक फैल चुकी है। पिछले चार दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़, पथराव और पुलिस से झड़प की खबरें हैं। छह से ज्यादा शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। जारी हिंसा में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग गोली लगने सहित विभिन्न घटनाओं में घायल हुए हैं।

नेपाल के सुनसरी जिले में रविवार रात कांवर यात्रा के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद दो समुदायों के बीच कहासुनी तक सीमित था, लेकिन अब यह बड़े सांप्रदायिक तनाव में बदल गया है। देखते ही देखते कई शहरों में हिंसा फैल गई और पुलिस को हालात काबू करने के लिए गोली चलानी पड़ी है।

विवाद की वजह

बता दें, प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार देवानगंज में बोलबम यात्रा के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं और स्थानीय मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों के बीच डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ था। स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाया गया कि मंदिर की सार्वजनिक भूमि पर मुहर्रम के अवसर पर लगाया गया झंडा हटाने को लेकर पहले से विवाद चल रहा था और कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद झंडा नहीं हटाया गया। इसी मुद्दे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

यूपी के उपमुख्यमंत्री ने प्रदान किया सम्मान

बस्तर में नक्सल-मुक्त अभियान के कवरेज पर डॉ. सोमेश को मिला राष्ट्रीय सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोक सेवा प्रसारक 'प्रसार भारती' के डीडी न्यूज़ और डीडी इंडिया के वरिष्ठ संवाददाता डॉ. सोमेश कुमार पटेल को बस्तर में नक्सल-मुक्त अभियान पर उनकी विशेष, जमीनी और तथ्यपरक रिपोर्टिंग के लिए प्रतिष्ठित समाचार 4 मीडिया पत्रकारिता 40 अंडर 40 अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया है।

नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटरमें आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। यह पुरस्कार उत्कृष्ट, विश्वसनीय और जनहित आधारित पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले देश के चुनिंदा युवा पत्रकारों को दिया जाता है। डॉ. पटेल को बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से की गई निष्पक्ष, शोधपरक और जमीनी रिपोर्टिंग के लिए सम्मानित किया गया। उनकी रिपोर्टिंग में सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ स्थानीय जनजीवन, विकास कार्यों, आदिवासी समाज में आए बदलाव तथा शांति स्थापना के प्रयासों को भी प्रमुखता से स्थान मिला। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में की गई उनकी तथ्यपरक पत्रकारिता ने राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है।

एसआईडीएम द्वारा राजधानी में आयोजित की गई एक कार्यशाला में वायुसेना प्रमुख की दो टूक टिप्पणी

'ऐसी तकनीक किस काम की, जिसे बाकी देश पहले ही हासिल कर उससे आगे बढ़ चुके हों'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक स्तर पर बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने-जाने वाले वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह ने एक बार फिर से अपने इसी चिर परिचित अंदाज में गुरुवार को कहा कि 'प्रौद्योगिकी में देरी का अर्थ उससे वंचित हो जाना है। ऐसी तकनीक से कोई फायदा नहीं है। जो तब उपलब्ध हो, जब दुनिया के बाकी देश उसे पहले ही हासिल कर उससे आगे बढ़ चुके हों। उनके अनुसार, सिर्फ प्रयोगशाला में तकनीक विकसित कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। अगर ये तकनीक प्रयोगशाला की दहलीज पार कर व्यावहारिक उपयोग के साथ-साथ उत्पादन के चरण तक नहीं पहुंचती है। तो उसका कोई वास्तविक लाभ नहीं है'। यह बातें वायुसेनाप्रमुख ने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) द्वारा यहां राजधानी में आयोजित की गई एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और उसके साथ ही अन्य महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास में भारत को और अधिक आत्मनिर्भरता हासिल करने पर भी जोर दिया है।

अपने हथियार नष्ट न हों

उन्होंने यह भी कहा कि वायुसेना, नागरिक उड्डयन मंत्रालय सहित केंद्र के अन्य संबंधित मंत्रालयों के बीच इस बात को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है कि ड्रोन की भली भांति पहचान की जा सके कि वो असली है, संदिग्ध या फिर उसे आपके किसी शत्रु द्वारा भेजा गया है। एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह के मुताबिक, हमें यह भी सुनिश्चित करना पड़ेगा कि अपने ही किसी ड्रोन को मार गिराने या इसके अलावा अपने ही उपयोग के लिए भेजी गई किसी वस्तु को नष्ट करने की घटनाओं से बचा जा सके।

तेजस की डिलीवरी पर जता चुके नाराजगी

गौरतलब है कि पूर्व में वायुसेनाध्यक्ष हवाई बल में तेजी से घटती लड़ाकू विमानों की संख्या पर भी चिंता जताते हुए एचएएल द्वारा खासतौर पर स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी के मामले को लेकर भी सार्वजनिक रूप से अपनी नाराजगी जता चुके हैं। कार्यशाला में उन्होंने कहा कि एयरचीफ मार्शल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में हमें आवश्यकता के हिसाब से बदलाव करने और किसी भी जानकारी को एन्कोड, डिकोड करने की क्षमता होनी चाहिए। भारत को स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एल्गोरिदम भी विकसित करने होंगे। साइबर सुरक्षा को लेकर उनकी राय यह है कि देश के पास अपने संप्रभु प्रौद्योगिकी तंत्र, सुरक्षित नेटवर्क, डेटा भंडारण और गोपनीयता की व्यवस्था होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

भोजशाला परिसर से सटी जगह पर नमाज पढ़ने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला-कमाल मौला विवाद में अपने पहले दिए गए अंतरिम आदेश को स्पष्ट कर दिया है। कोर्ट ने मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार की नमाज के लिए भोजशाला परिसर से सटी दरगाह की जमीन खसरा नंबर 596 पर अनुमति दी है। यह परिसर के पीछे दाहिनी ओर निकलने वाले वैकल्पिक निकास मार्ग के ठीक सामने है। यहां हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक नमाज अदा की जा सकेगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस भूखंड तक पहुंचने के लिए अलग रास्ता है और यह विवादित भोजशाला परिसर के बिल्कुल पास है। इसलिए यह नमाज के लिए उपयुक्त स्थान है।

'येलो साइट' नमाज के लिए सूटेबल

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नक्शे में दिखाई गई 'येलो साइट' पर ध्यान दिलाया। कोर्ट ने कहा कि इस जगह तक अलग और स्वतंत्र रास्ता है। यह विवादित परिसर से सटी हुई है। मुस्लिम पक्ष ने भी इसी जगह पर सहमति जताई। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा, 'सिर्फ कानून-व्यवस्था की आशंका के आधार पर लोगों के धार्मिक अधिकार नहीं रोके जा सकते। कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 | श्रावण, कृष्ण पक्ष द्वितीया। वर्ष : 25, अंक : 11। पृष्ठ : 12+4+4= 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

रहाणे ने टांगा बल्ला

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कॉमनवेल्थ गेम्स में दिलीप महादु का जलवा

भावुक होकर कहा-मेरे लिए कठिन समय

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इमोशनल पोस्ट शेयर किया, नहीं खेलेंगे आईपीएल

आस्ट्रेलिया में 2020-21 दौरे पर सितारहीन भारतीय टीम को टेस्ट श्रृंखला में अपनी कप्तानी में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले भारत के सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को यह कहकर अलविदा कह दिया कि आगे बढ़ने का सही समय आ गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो संदेश में भावुक होकर कहा-मेरे लिए कठिन समय है। इस दौरान उनकी आंखों से आंसू छलक आए। भारत के लिए 2013 में पदार्पण करने ▶▶|शेष पेज 7 पर

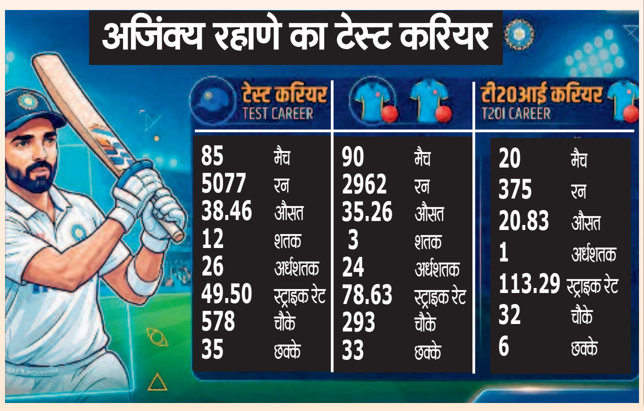

सबसे बड़ी उपलब्धि

रहाणे के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि 2021 का आस्ट्रेलिया दौरा थी, जब नियमित कप्तान विराट कोहली की गैर मौजूदगी में उन्होंने सितारों के बिना खेल रही भारतीय टीम की अगुवाई की। तमाम कयासों को धता बताते हुए आस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2.1 से हराया। एडीलेड में पहला टेस्ट बुरी तरह हारने के बाद कोहली पितृत्व अवकाश पर भारत लौट आये थे।

भारत को तीसरा गोल्ड, अब तक 15 मेडल

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

पैरा 100मीटर रेस में गावित पहले, बासिल दूसरे, लॉन्ग जंप में मुरली को सिल्वर

ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 7वें दिन भारत ने एक गोल्ड और दो सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इन तीन पदक के दम पर भारत के मेडल की कुल संख्या 15 हो गई और अब भारत 9वें से 8वें स्थान पर आ गया। दिलीप महादु गावित ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सातवें दिन भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने पुरुषों की पैरा टी47 कैटेगरी में100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। भारत के ही मोहम्मद बासिल ▶▶|शेष पेज 7 पर

मीराबाई चानू

शर्मिला धनखड़

भारत की स्वर्णिम सफलता

ग्लास्गो खेलों में यह भारत का तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोत्तोलक मीराबाई चानू (48 किग्रा) और पैरा शॉट पुटर शर्मिला धनखड़ ने देश को 'गोल्ड' दिलाया था। इन दो नए पदकों के साथ भारत कुल 3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर तालिका में 8वें स्थान पर पहुंच गया है। स्पर्धा का कांस्य इंग्लैंड के केविन सैंटोस (10.85 सेकंड) को मिला।

धान खरीदी में बड़ा बदलाव

अब मंदिर, ट्रस्ट के लिए भी एग्री-स्टैक पंजीयन अनिवार्य

पिछले वर्ष संस्थाओं को मिली छूट खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। इस बार विभिन्न संस्थाओं, न्यासों, लोक न्यास मंदिर समितियों, अन्य सोसाइटियों तथा संस्थागत किसानों को भी एग्री-स्टैक पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पिछले साल इन संस्थाओं को एग्री-स्टैक पंजीयन से छूट दी गई थी, लेकिन नई व्यवस्था में यह छूट समाप्त कर दी गई है। इसके साथ ही वन पट्टाधारी, डूबान क्षेत्र के किसान, शासकीय पट्टेदार, कोटवार तथा अधिया, रेगहा, बटाई और लीज पर खेती करने वाले किसानों को भी एग्री-स्टैक आधारित व्यवस्था में शामिल किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, जिन संस्थाओं को पिछले वर्ष एग्री-स्टैक ▶▶|शेष पेज 7 पर

संस्थागत किसानों के लिए अलग व्यवस्था

आदेश में संस्थागत पंजीयन की विस्तृत प्रक्रिया भी निर्धारित की गई है। संस्था के प्रतिनिधि का नाम, मोबाइल नंबर, आधार संख्या और पंजीयन संबंधी जानकारी विभागीय पोर्टल पर दर्ज कर एग्री-स्टैक आईडी बनाई जाएगी। इसके बाद संस्था अपने यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से एग्री-स्टैक के ऑथराइजेशन मॉड्यूल का उपयोग कर धान विक्रय की प्रक्रिया पूरी कर सकेगी। नवीन संस्थागत पंजीयन के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

पिछले साल पंजीकृत किसानों को दोबारा पंजीयन की जरूरत नहीं

सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए यह स्पष्ट किया है कि जिन किसानों का पिछले खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में एग्री-स्टैक (फार्मर आईडी) के माध्यम से पंजीयन हो चुका है और जिनके पास फार्मर आईडी तथा किसान कोड उपलब्ध है, उन्हें इस वर्ष नया पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे किसानों का पंजीयन स्वतः मान्य रहेगा।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री ने जारी किया वीडियो संदेश

संसद में बिल पर मुहर, पीएम मोदी बोले पेपर लीक गैंग को बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा के बाद राज्यसभा ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी। इस बीच, प्रधानमंत्री ने रात को सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी किया। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर माफिया, पेपर लीक करने वाला गैंग देश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली गैंग को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक परीक्षा (संशोधन) विधेयक को संसद से मंजूरी मिलने के बाद देशवासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि सरकार भरोसेमंद और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दिशा में एक के बाद एक कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस कानून को तैयार करते समय राज्यों के सुझावों का भी पूरा ध्यान रखा गया, क्योंकि पिछले कई वर्षों से लगभग सभी राज्य और केंद्र सरकार पेपर लीक जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेपर माफिया, परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोह और देश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों ▶▶|शेष पेज 7 पर

लोकसभा के बाद राज्यसभा में पारित हुआ लोक परीक्षा बिल

पेपर माफिया पर प्रधानमंत्री का सख्त संदेश

प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि पेपर माफिया, पेपर लीक कराने वाले गिरोह और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर कार्रवाई के लिए कठोर कानून की जरूरत थी। इसी उद्देश्य से सरकार विधेयक लेकर आई। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने देश से जो वादा किया था, उसे पूरा करते हुए संसद के दोनों सदनों ने सख्त प्रावधानों वाले विधेयक को पारित कर दिया है।

देशवासियों से की अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश के अंत में कहा कि देश ऐसी परिस्थितियों को लंबे समय तक चलने नहीं देगा, जिनसे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो। उन्होंने सभी देशवासियों से विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें, ताकि देश की शिक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत और भरोसेमंद बन सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो दिनों तक संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर विस्तार से चर्चा हुई और अधिकांश सांसदों ने इसमें भाग लिया। इसके बाद दोनों सदनों ने इसे पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि इससे देश में भरोसेमंद परीक्षा प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पूरा हुआ है।

इधर, लोकसभा में पारित हुआ वंदे मातरम बिल

लोकसभा में विपक्ष के शोरशराबे के बीच गुरुवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के अपमान को कानूनी अपराध बनाने वाला 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक 2026' पारित हो गया है। संसद के उच्च-सदन यानी राज्यसभा द्वारा पहले ही इस विधेयक को हरीझंडी प्रदान की जा चुकी है। जिसके बाद इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा और फिर यह कानून का रूप ले लेगा। यहां बता दें कि विधेयक को संसद की मंजूरी मिलने के बाद अब राष्ट्रीय गीत के गाए जाने के दौरान (संपूर्ण 6 छंदों के साथ) उसमें बाधा डालना या किसी को वंदे मातरम गाने से रोकना भी अपराध माना जाएगा और उसके लिए 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमरनाथ यात्रा के लिए 1,795 श्रद्धालु रवाना

जम्मू। अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 1,700 से अधिक श्रद्धालुओं का एक नया जत्था जम्मू आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अब तक 4.40 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में भगवान शिव के हिमलिंगम के दर्शन कर चुके हैं। 23वें जत्थे में 1,406 पुरुष और 389 महिलाएं सहित कुल 1,795 श्रद्धालु शामिल हैं। यह जत्था 82 वाहनों में सवार होकर तड़के 2.50 बजे भगवती नगर आधार शिविर से बालटाल के लिए रवाना हुआ।

दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

खरगोन। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में एक दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह घटना जिले के बलकवाड़ा थाना अंतर्गत खलटांका पुलिस चौकी क्षेत्र के सालिमपुरा गांव में बुधवार दोपहर में हुई। सालिमपुरा निवासी 31 वर्षीय प्रवीण और उनकी 27 वर्षीय पत्नी शीला बाई दोपहर अपने घर में मृत अवस्था में मिले जिसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची

सारनाथ के साथ ईरान का आलमूत महल भी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ, ईरान के आलमूत महल और संबंधित किला तथा जॉर्डन के अकाबा समुद्री संरक्षित क्षेत्र सहित 25 स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। इन 25 स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का फैसला दक्षिण कोरिया के बुसान में 19 से 29 जुलाई तक आयोजित विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान लिया गया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित सारनाथ को 25 जुलाई को इस सूची में शामिल किया गया।

सूची में अब 1273 स्थल

यूनेस्को ने 28 जुलाई को जारी बयान में कहा कि इन 25 नयी प्रविष्टियों के साथ अब विश्व धरोहर सूची में शामिल स्थलों की संख्या 1,273 हो गई है जो 173 देशों में अवस्थित हैं। सूची में शामिल इन स्थलों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च मान्यता और संरक्षण का लाभ मिलेगा।

6 घंटे की मशक्कत के बाद कंटेनर के लोहे की चादर काटकर निकाला कैदी का शव

पैरोल के आवेदन में पिता के हस्ताक्षर नहीं करने से परेशान था कैदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सेंट्रल जेल में दो जज व परिजन की उपस्थिति में 6 घण्टे की मशक्कत के बाद गैसकटर से 4 बाई 3 के कन्टेनर में लगी लोहे की चादर काटकर कैदी का शव बाहर निकाला गया। मृतक का शव कन्टेनर के अंदर बैठी हालत में था। वीडियोग्राफी के साथ चार डाक्टरों की टीम के द्वारा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया है। मृतक पाकशाला के गैसीफायर प्लांट में लकड़ी डालने का काम करता था। घरवालों के अनुसार, वह पैरोल ▶▶|शेष पेज 7 पर

चार दिन पहले परिजन आए थे मिलने

घरवालों ने बताया, चार दिन पहले वे मृतक कैदी से मिलने के लिए केन्द्रीय जेल आए थे। उस दौरान उसने पैरोल के संबंध में पूछताछ की थी। घरवालों ने उसे बताया, पैरोल के आवेदन में हस्ताक्षर करने सभी तैयार हैं, किन्तु उसके पिता हस्ताक्षर करने के लिए तैयार नहीं हैं। पिता के हस्ताक्षर के बगैर उसे पैरोल में जेल से छुट्टी नहीं मिल रही थी। उसने यह बात जेल में कई बंदियों से की थी और परेशान रहा करता था।

बस्तर से सरगुजा तक रेल संपर्क मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल लाइन, कई और परियोजनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को दिल्ली में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की, जिसमें छत्तीसगढ़ की रेल परियोजनाओं पर अहम मंथन हुआ। खास बात यह रही कि बैठक में कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त ▶▶|शेष पेज 7 पर

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में प्रमुख रेल परियोजनाओं को गति देने रेल मंत्री से की चर्चा

उत्तर छत्तीसगढ़ की रेल परियोजनाओं की स्वीकृति का अनुरोध

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की तीन अन्य महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) तथा अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर)- को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

■ योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अतंर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

■ योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें

FARMITRA

बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड, बजाज इंश्योरेंस हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006 । आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC015329 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 (पीएमएफबीवाय) • www.bajajgeneralinsurance.com • टोल फ्री नंबर: सेल्स - 1800 209 0144 / सर्विस - 1800 209 5858 • BGI-O-1092/06-07-2026

बिजली का लोड बढ़ने की वसूली अब दिसंबर के बिल में होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक राहत की खबर यह है कि अब उनका लोड बढ़ने पर तीन माह बाद ही अगले माह के बिजली बिल में लोड का शुल्क जुड़कर नहीं आएगा। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने फैसला किया है कि अब साल में एक बार दिसंबर के बिल में बढ़े लोड का शुल्क जोड़कर भेजा जाएगा। एक किलोवाट का शुल्क 944 रुपए लगता है। इस बार गर्मी में लोड बढ़ने पर शुल्क भी जोड़कर भेजने के कारण बिल ज्यादा आने को लेकर भारी हाहाकार मचा है।

प्रदेश भर में बिजली उपभोक्ताओं का लोड अब आवेदन दिए बिना ही बढ़ा दिया जाता है। पहले जब आवेदन देकर लोड बढ़ाने का नियम था, तब उपभोक्ता खुद से कभी भी लोड बढ़ाने के लिए आवेदन ही नहीं करते थे। इसके कारण खासकर गर्मी में बहुत परेशानी होती थी। ट्रांसफार्मरों में लोड बढ़ने के कारण अक्सर ट्रांसफार्मर ट्रिप हो जाते थे और घंटों बिजली गुल की परेशानी होती थी।

खास खबर

एक किलोवाट के लिए 944 रुपए शुल्क लगता है

तीन माह लोड की गणना

पॉवर कंपनी ने बीते कुछ साल से लोड के लिए नियम में बदलाव किया है। अब किसी भी उपभोक्ता का लोड अगर तीन माह तक बढ़ा हुआ आता है तो उसके बढ़े लोड का शुल्क बिजली बिल में जोड़कर भेज दिया जाता है। अगर किसी उपभोक्ता ने कनेक्शन लेते समय एक किलोवाट के लोड का कनेक्शन लिया है और उनका लोड बढ़कर दो या तीन किलोवाट हो जाता है तो बढ़े लोड का पैसा उनके बिजली बिल में जुड़कर आ जाता है। एक किलोवाट के लिए 800 शुल्क और 18 फीसदी जीएसटी मिलाकर 944 रुपए होते हैं। इतना शुल्क किलोवाट के हिसाब से जुड़कर आ जाता है।

दिसंबर के बिल में लेंगे

अब साल में एक बार बढ़े हुए लोड का शुल्क दिसंबर के बिल में जोड़कर लिया जाएगा। दिसंबर का बिल जब जनवरी में आएगा तो उसमें शुल्क जुड़ा रहेगा।

- भीम सिंह कंवर
एमडी, वितरण कंपनी

अब समय तय

अब तक उपभोक्ताओं का लोड बढ़ने के बाद तीन माह बाद ही बिजली बिल में लोड का शुल्क जोड़कर भेजा जा रहा था। इस बार गर्मी में खपत बढ़ने के साथ ही बढ़े लोड का शुल्क भी जुड़ने के कारण उपभोक्ताओं का बिल बहुत ज्यादा हो गया। इसी के साथ स्मार्ट मीटर के तेज चलने के आरोप के कारण भी भारी हंगामा होने पर अब पॉवर कंपनी ने तय किया है कि उपभोक्ता का लोड साल में गर्मी में बढ़े या फिर कभी भी बढ़े, उसकी वसूली तीन माह बाद न करके सीधे दिसंबर के बिल में की जाएगी। दिसंबर में ठंड का मौसम होने के कारण खपत कम रहती है तो बिल भी कम आता है। ऐसे समय में लोड की वसूली होने से भार ज्यादा नहीं पड़ेगा।

खबर संक्षेप

महतारी एक्सप्रेस कीचड़ में फंसी, 3 किमी पैदल चली शिशु को लेकर मां

मैनपुर। गरियाबंद जिले के आदिवासी बहुल विकासखंड मैनपुर अंतर्गत डुमरपड़ाव-जांगड़ा-पयलीखण्ड मार्ग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को अधूरा छोड़ दिए जाने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ठेकेदार की लापरवाही और बदहाल रास्ते का सीधा असर अब क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने लगा है। गुरुवार को महतारी एक्सप्रेस (102) अस्पताल में सुरक्षित प्रसव के बाद एक महिला और उसके नवजात शिशु को लेकर ग्राम जांगड़ा छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान डुमरपड़ाव और जांगड़ा के बीच भारी बारिश के कारण कच्ची सड़क पर फैले कीचड़ और गड्ढों में महतारी एक्सप्रेस का वाहन गहराई तक फंस गया। चालक और ग्रामीणों के काफी प्रयासों के बाद भी जब वाहन आगे नहीं बढ़ सका, तो प्रसूता महिला को मजबूरी में नवजात शिशु को गोद में लेकर बारिश के बीच करीब 3 किलोमीटर तक पैदल चलकर अपने घर पहुंचना पड़ा।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल की पहल पर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच नई दिल्ली में बैठक

सीएम ने कहा- महानदी विवाद नहीं, छत्तीसगढ़ ओडिशा की साझा समृद्धि का आधार बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महानदी जल बंटवारे से जुड़े विषयों के सौहार्द्रपूर्ण एवं स्थायी समाधान की दिशा में गुरुवार को नई दिल्ली स्थित श्रमशक्ति भवन में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों की साझा जीवनरेखा है। इसका जल किसानों की आजीविका, पेयजल व्यवस्था, औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

श्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार इस बैठक को किसी विवाद की निरंतरता नहीं, बल्कि समाधान की नई शुरुआत के रूप में देखती है। दोनों राज्यों के बीच संवाद और सहयोग का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान का मजबूत आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार ओडिशा की सिंचाई, पेयजल तथा हीराकुंड परियोजना से जुड़ी आवश्यकताओं का पूरा सम्मान करती है। उसी प्रकार छत्तीसगढ़ के किसानों, आदिवासी अंचलों, सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा राज्य की भविष्य की विकास आवश्यकताओं को भी समान संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, दोनों राज्यों के हित एक-दूसरे के विरोध में नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं और समाधान भी ऐसा होना चाहिए जिससे किसी भी पक्ष के हित प्रभावित न हों।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद सुलझाने आपसी सहमति के प्रयास

तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर व्यवस्था विकसित करें

मुख्यमंत्री ने कहा, दोनों राज्यों के विशेषज्ञ उपलब्ध जल की मात्रा तथा उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन कर चुके हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर भविष्य उन्मुख एवं व्यवहारिक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कम वर्षा वाले सालों के लिए साझा जल प्रबंधन प्रणाली तैयार की जाए, जिससे किसी भी राज्य को कठिनाई का सामना न करना पड़े।

दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री और अधिकारी थे मौजूद

बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा ओडिशा सरकार के मुख्य सचिव एवं जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दोनों राज्यों की सहमति का प्रारूप तैयार करें

मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर अधिकतम विषयों का समाधान आपसी समन्वय से किया जाए तथा केवल नीतिगत महत्व के विषयों को ही मंत्रिस्तरीय स्तर पर विचार के लिए लाया जाए। उन्होंने कहा, इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल तथा केंद्रीय जल आयोग से अनुरोध किया कि वे निष्पक्ष तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने, समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने तथा दोनों राज्यों के बीच दीर्घकालिक सहमति आधारित समझौते का प्रारूप तैयार कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

हाईकोर्ट ने जैजैपुर विधायक को राहत देने से किया इनकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू को राहत देने से इनकार करते हुए उनकी चुनाव याचिका खारिज करने की मांग वाली रिव्यू पिटीशन को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने विधायक के खिलाफ दायर दोनों चुनाव याचिकाओं को अगली सुनवाई के लिए 19 अगस्त को रखने का निर्देश दिया है।

वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में जैजैपुर सीट से निर्वाचित विधायक बालेश्वर साहू के निर्वाचन को चुनौती देते हुए सरोज कुमार चंद्रा और दिगंबर साहू ने अलग-अलग चुनाव याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाओं में विधायक पर आपराधिक रिकॉर्ड का सोशल मीडिया में प्रसार नहीं करने और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निर्वाचन निरस्त करने की मांग की गई है।

विधायक की ओर से याचिकाओं को 45 दिन की वैधानिक अवधि के बाद दायर किए जाने का तर्क देते हुए उन्हें खारिज करने का आवेदन पेश किया गया था, जिसे हाईकोर्ट पहले ही खारिज कर चुका था। इसके बाद रिव्यू पिटीशन दाखिल कर कहा गया कि चुनाव परिणाम 3 दिसंबर 2023 को घोषित हुआ था और याचिकाएं निर्धारित अवधि में वैध रूप से दाखिल नहीं हुईं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता टीके झा ने इसका विरोध करते हुए कहा कि रिव्यू के लिए रिकॉर्ड पर कोई ऐसी त्रुटि नहीं है, जो समीक्षा का आधार बन सके।

रिव्यू पिटीशन में कोई आधार नहीं पाते हुए किया खारिज

जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने सुनवाई के बाद कहा कि चुनाव याचिकाओं के साथ निर्वाचित प्रत्याशी के आपराधिक रिकॉर्ड के सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों में प्रकाशन से संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर की जानकारी तथा आरटीआई के माध्यम से प्राप्त नामांकन फॉर्म की प्रमाणित प्रति जैसे आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं। कोर्ट ने रिव्यू पिटीशन में कोई आधार नहीं पाते हुए उसे खारिज कर दिया और दोनों चुनाव याचिकाओं को 19 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

रामसर साइट पर प्रदूषण का साया अब दिल्ली की टीम करेगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट घोषित किए जा चुके कोपरा जलाशय के सामने अब प्रदूषण सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। जलाशय के कैचमेंट क्षेत्र में संचालित एक दर्जन से अधिक कोल वाशरी से निकलने वाले अपशिष्ट और दूषित पानी के जलाशय तक पहुंचने की आशंका को गंभीरता से लेते हुए अब दिल्ली से वैज्ञानिकों की विशेष टीम बिलासपुर आएगी। टीम मौके का सर्वे कर अपनी रिपोर्ट देगी, जिसके आधार पर कोल वाशरी को हटाने अथवा अन्य संरक्षणात्मक कदमों पर निर्णय लिया जाएगा। शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्मृति वाटिका के पीछे स्थित 210 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले कोपरा जलाशय को कुछ माह पहले केंद्र सरकार ने रामसर साइट घोषित किया था। जैव विविधता से समृद्ध इस आर्द्र क्षेत्र में 150 से अधिक पक्षी प्रजातियां दर्ज की गई हैं, जबकि विभिन्न सर्वे में करीब 180 प्रजातियों के पक्षियों की मौजूदगी सामने आई है। इनमें कई दुर्लभ, संकटग्रस्त और प्रवासी प्रजातियां शामिल हैं। हर वर्ष सर्दियों में साइबेरिया, यूरोप और एशिया के विभिन्न देशों से हजारों प्रवासी पक्षी यहां पहुंचते हैं। जलाशय की प्राकृतिक संरचना, मछलियों की उपलब्धता और समृद्ध वनस्पति इसे पक्षियों के लिए सुरक्षित आवास बनाती है।

प्रारंभिक सर्वे पूराः डीएफओ

वन मंडल बिलासपुर के डीएफओ नीरज कुमार ने बताया कि कोपरा जलाशय के आसपास संचालित कोल वाशरी को लेकर प्रारंभिक सर्वे पूरा हो चुका है। इस संबंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति भी गठित की गई है। अब दिल्ली से वैज्ञानिकों की टीम मौके का निरीक्षण करेगी।

जमीन पर सो रही महिला की सर्पदंश से मौत

धमतरी। जहरीले सांप के काटने से महिला को गंभीर हालत में अस्पताल लाया जा रहा था लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले महिला की मौत हो गई। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार मगरलोड थाना क्षेत्र के ग्राम मड़ेली निवासी रूपौतिन बाई कमार पति जीवनलाल उम्र 48 वर्ष खेती-किसानी का काम करती थी। मंगलवार की रात्रि महिला खाना खाकर जमीन पर सो रही थी। इसी दौरान बुधवार की सुबह लगभग 5 बजे जहरीले सांप ने जमीन पर सो रही महिला के बांये पैर की एड़ी के पास काट लिया।

78 समितियों का मिलान, 61 समिति में शार्टेज, 14 करोड़ का धान गायब!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

जिले की धान खरीदी समितियों में इन दिनों हड़कंप मचा हुआ है। धान खरीदी के आंकड़ों, परिवहन और मौके में मौजूद वास्तविक स्टॉक के बीच पिछले करीबन एक महीने से चल रहा मिलान कार्य अब अपने अंतिम चरण में है। अब तक जांच की गई 78 समितियों में से लगभग 80% समितियों में धान का शॉर्टेज यानी कमी पाई गई है। महज 17 समितियों में ही शून्य शार्टेज पाया गया है। जबकि अभी जिले की 18 समितियों की जांच होना बाकी रह गया है। इन समितियों में 45 हजार क्विंटल से अधिक धान का शार्टेज माना जा रहा है। जिसकी कीमत लगभग 14 करोड़ रुपए होती है। हालांकि इस बार जिले में शार्टेज की मात्रा कम करने के लिए कलेक्टर जितेंद्र यादव ने काफी प्रयास किए है। उन्होने दोषियो पर एफआईआर भी दर्ज कराई है। जिले की कुल 96 समितियों में मिलान का कार्य किया जाना तय हुआ था।

समितियों से होगी वसूली खामियाजा भुगतेंगे किसान

इस बीच शासन द्वारा दोषियों से व्यक्तिगत तौर पर वसूली करने के बजाय सीधे समितियों के खाते से वसूली की जा रही है। इसका सीधा असर समितियों की वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा। जिससे आम किसानों को मिलने वाली सुविधाएं और उनका लाभांश प्रभावित होगा।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हॅलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

जब दोस्त हैं साथ खुशियां हैं पास

हर बच्चे का कोई ना कोई दोस्त जरूर होता है। टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स भी दोस्त बनाने में पीछे नहीं रहते। इनकी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप की क्या इंपॉर्टेंस है? इनका अपने फ्रेड्स के साथ बिताया कोई मेमोरेबल मोमेंट कौन-सा है? इस बार ये फ्रेंडशिप-डे कैसे सेलिब्रेट करेंगे? फ्रेंडशिप-डे के मौके पर इन चाइल्ड आर्टिस्ट्स का अपने सभी फ्रेंड्स को क्या मैसेज है, बता रहे हैं **बालभूमि** को।

फ्रेंड्स खुलकर जीने का मौका देते हैं उर्वा सवालिया

सोनी सब के शो 'हस्तिनापुर के वीर' में बाल अर्जुन की भूमिका में उर्वा सवालिया दर्शकों की खूब तारीफ बटोर रहा है। अपनी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप की इंपॉर्टेंस के बारे में उर्वा बताता है, 'मेरे फ्रेंड्स मुझे बिना किसी फिल्टर के हंसने और खुलकर जीने का मौका देते हैं। मेरे लिए दोस्ती का मतलब है- बिना शर्त के एक-दूसरे का साथ देना और खूब मस्ती करना।' अपने फ्रेंड्स के साथ एक मेमोरेबल मोमेंट को याद करते हुए उर्वा बताता है, 'एक बार मेरा डांस परफॉर्मेंस था। मैं काफी नर्वस हो रहा था। मेरे पैरेंट्स के साथ मेरे फ्रेंड्स भी इस इवेंट में आए थे। उन्होंने चार्ट पेपर पर 'यू कैन डू इट!' लिखकर मेरा हौसला बढ़ाया। मैंने जमकर परफॉर्म किया। इससे मुझे फर्स्ट प्राइज मिला। उस दिन मुझे अहसास हुआ कि जब दोस्त साथ हों, तो बड़े से बड़ा डर दूर भाग जाता है।'

इस फ्रेंडशिप-डे पर अपनी खास प्लानिंग के बारे में उर्वा बताता है, 'इस बार मैंने अपने सभी क्लोज फ्रेंड्स के साथ 'नो मोबाइल, ओनली फन डे' प्लान किया है। हम सब मिलकर एक पार्क में जाएंगे, जहां कोई भी मोबाइल या आईपैड नहीं छुएगा। हम अपने पुराने खेल जैसे छुपन-छुपाई, खो-खो और पिट्ठू खेलेंगे। इसके अलावा, मैं अपने हाथों से सबके लिए कस्टमाइज्ड फ्रेंडशिप बैंड्स बना रहा हूं, जिसमें उनके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर्स होंगे।' फ्रेंडशिप-डे पर 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए उर्वा का प्यारा सा मैसेज है, 'ऐसे हर दोस्त को दिल से शुक्रिया कहो, जो बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहता है। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

सच्ची दोस्ती का मतलब है एक-दूसरे का साथ देना भूमि रामोला

सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में तितली का रोल प्ले कर रही भूमि रामोला को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। भूमि की लाइफ में उसके फ्रेंड्स बहुत इंपॉर्टेंस रखते हैं। वह कहती है, 'मेरे लिए दोस्त भगवान का दिया सबसे प्यारा उपहार है। अपने फ्रेंड्स के साथ हंसना-खेलना और नई-नई बातें सीखना मुझे बहुत अच्छा लगता है। मेरे लिए सच्ची दोस्ती का मतलब सिर्फ साथ खेलना नहीं, एक-दूसरे का साथ देना, एक-दूसरे की खुशियों में खुश होना और हमेशा अच्छे दोस्त बने रहना है।' अपना मेमोरेबल फ्रेंडशिप मोमेंट शेयर करते हुए भूमि बताती है, 'मेरी स्कूल की दोस्त (नायरा) ने फ्रेंडशिप-डे पर अपने हाथों से मेरे लिए एक प्यारा-सा कार्ड बनाया था। वो मेरा पहला फ्रेंडशिप गिफ्ट था, इसलिए वो मोमेंट आज भी मेरे दिल के बहुत करीब है।'

इस बार फ्रेंडशिप-डे की प्लानिंग के बारे में भूमि बड़े उत्साह से बताती है, 'फ्रेंडशिप-डे पर मैं अपने दोस्तों को फ्रेंडशिप बैंड दूंगी, उनके साथ खूब बातें करूंगी, गेम्स खेलूंगी और बहुत सारी मस्ती करूंगी। साथ ही मैं अपने हर दोस्त को दिल से 'थैंक यू' बोलूंगी, क्योंकि अच्छे दोस्त हर दिन को और ज्यादा खास बना देते हैं।'

फ्रेंडशिप-डे पर 'बालभूमि' के अपने सभी फ्रेंड्स के लिए भूमि का मैसेज है, 'हमेशा सच्चे दोस्त बनो, एक-दूसरे की मदद करो, दोस्तों के साथ खूब हंसो, कुछ अच्छा सीखो और कभी किसी दोस्त का दिल मत दुखाओ। अपनी दोस्ती को हमेशा दिल से निभाओ। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

अपने फ्रेंड्स के साथ हमेशा कनेक्टेड रहें अबान खान

स्टार प्लस के शो 'उड़ने की आशा' में अबान खान को लक्ष्य की भूमिका में खूब पसंद किया जा रहा है। अबान से पूछने पर कि तुम्हारी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप की क्या इंपॉर्टेंस है, वह मुस्कराते हुए जवाब देता है, 'जिंदगी में दोस्तों का होना बहुत जरूरी है। दोस्तों के साथ हम सिर्फ एंज्वॉय ही नहीं करते, अपने कामों में उनकी मदद भी लेते हैं। मेरे फ्रेंड्स तो नोट्स कंप्लीट कराने में मेरी हेल्प करते हैं। मेरे साथ क्रिकेट भी खेलते हैं। शो 'उड़ने की आशा' में मेरे साथ काम करने वाले पंखुरी और आर्या मेरे बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। हम लोग सेट पर भी खूब मस्ती करते हैं।'

अबान का अब तक का मेमोरेबल फ्रेंडशिप मोमेंट कौन-सा था, वह याद करते हुए बताता है, 'एक बार ईद के दिन मैं मम्मी को बिना बताए अकेले अपने फ्रेंड्स के घर ईद मनाने चला गया था। मैंने दोस्तों के साथ खूब एंज्वॉय किया। उधर घर वाले मुझे ढूंढ़ रहे थे, परेशान हो रहे थे। जब मैं वापस घर गया तो मुझे डांट पड़ी कि त्योहार पर दोस्तों से मिलना अच्छी बात है, लेकिन घर वालों को पता होना चाहिए कि तुम कहां जा रहे हो?'

इस बार फ्रेंडशिप-डे सेलिब्रेट करने की क्या खास प्लानिंग है, पूछने बर अबान बताता है, 'मैं फ्रेंडशिप-डे पर अपने फ्रेंड्स के साथ टाइम स्पेंड जरूर करूंगा। उनके साथ क्रिकेट खेलूंगा और मूवी देखूंगा। फ्रेंडशिप-डे पर जब अपने शो की शूटिंग पर जाऊंगा तो मैं अपने सेट वाले दोस्तों के लिए भी चॉकलेट्स लेकर जाऊंगा।'

फ्रेंडशिप-डे के मौके पर 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए अबान का मैसेज है, 'अपने फ्रेंड्स की हमेशा हेल्प करें, उनके साथ एंज्वॉय करें और हमेशा उनसे कनेक्टेड रहें। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

दोस्ती मेरी जिंदगी का बहुत खूबसूरत हिस्सा है हरिति जोशी

सन नियो के शो 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा की भूमिका निभा रही हरिति जोशी ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों का मन मोह रखा है। वह अपनी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप को बहुत इंपॉर्टेंट मानती है। हरिति कहती है, 'दोस्ती मेरी जिंदगी का बहुत खूबसूरत हिस्सा है। फ्रेंड्स के साथ मैं खुलकर बोलती हूं, हंसती हूं, खेलती हूं, उनसे नई-नई बातें सीखती हूं। अच्छे दोस्त हर खुशी को और भी खास बना देते हैं। मुश्किल समय में भी हमेशा साथ खड़े रहते हैं।'

फ्रेंड्स के साथ मेमोरेबल मोमेंट्स के बारे में पूछने पर हरिति चहकते हुए बताती है, 'वैसे तो दोस्तों के साथ का अपनी लाइफ का कोई खास मेमोरेबल मोमेंट याद नहीं आ रहा है, लेकिन मेरे लिए सबसे यादगार पल तब हो जाता है, जब 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' की शूटिंग के बीच हमें थोड़ा ब्रेक मिलता है, हम सब फ्रेंड्स मिलकर गेम खेलते हैं, खूब मस्ती करते हैं।' अबकी फ्रेंडशिप-डे पर हरिति की क्या खास प्लानिंग है, वह बताती है, 'इस बार फ्रेंडशिप-डे पर मैं अपने दोस्तों के साथ टाइम स्पेंड करूंगी। अगर शूटिंग होगी तो वहीं सेट पर अपने दोस्तों के साथ फ्रेंडशिप-डे सेलिब्रेट करूंगी। अगर छुट्टी मिली तो बाहर घूमने या साथ में कोई मजेदार एक्टिविटी करने का प्लान बनाऊंगी।' 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए हरिति का फ्रेंडशिप-डे पर स्पेशल मैसेज है, 'हमेशा अपने दोस्तों का साथ दें। दोस्ती सबसे खूबसूरत रिश्ता है, इसलिए इसे हमेशा प्यार और भरोसे के साथ निभाएं। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

प्रस्तुति : बालभूमि फीचर्स

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

मेहनत का महत्व बताती कहानियां

बच्चो, इस बार हम तुम्हें एक ऐसी पुस्तक के बारे में बता रहे हैं, जिसमें मेहनत के महत्व को समझाती चार कहानियां हैं। किशोर श्रीवास्तव द्वारा रचित इस पुस्तक का नाम है- मेहनत का फल। पुस्तक की पहली कहानी 'नाम नहीं काम बड़ा' में तुम पढ़ोगे कि बुद्धूमल के नाम को लेकर स्कूल में उसके दोस्त उसे चिढ़ाया करते थे। दोस्तों के चिढ़ाने से उसने अपनी क्लास में जाना ही छोड़ दिया। यह तो अच्छा हुआ कि उसे एक ऐसे साधु मिले, जिन्होंने नाम को लेकर उसकी आंखें खोल दी। जब बुद्धूमल अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाकर क्लास में अव्वल आया तो वह सभी का चहेता बन गया। यह कहानी हमें सिखाती है कि नाम से बड़ा और महत्वपूर्ण काम होता है।

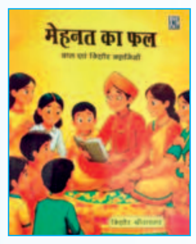

पुस्तक की शीर्षक कहानी 'मेहनत का फल' में एक घटना में अपने दोनों हाथ गंवाने वाले रोमू को बड़ी मुश्किल से स्कूल में प्रवेश मिला था, लेकिन उसने पैरों से लिखना सीखकर जब बोर्ड परीक्षा में पूरे जिले में पहला स्थान प्राप्त किया तो उसकी सफलता के आगे सब नतमस्तक हो गए। तीसरी कहानी 'अपना घर सबसे प्यारा' में सोमू से जब उसकी मां ने घर में इस्तेमाल किए गए कप धोने के लिए कहा तो यह बात उसे बहुत बुरी लगी। उसने गुस्से में घर छोड़ दिया। भूख लगने पर जब उसे होटल में जूठे बर्तन धोने के लिए मजबूर होना पड़ा तो उसे अपनी गलती का अहसास हुआ और वह वापस अपने घर की ओर चल पड़ा। किताब की अंतिम कहानी 'बुराई की हार' यह सिखाती है कि कभी भी झूठ बोलकर दूसरों के साथ धूर्तता नहीं करनी चाहिए। अगन, मगन, छगन और ठगन चारों मिलकर लोहे की मूर्ति को चांदी की बताकर लोगों को ठगा करते थे, लेकिन भोलाशंकर की चतुराई से उन सभी की पोल खुल गई और उन्हें कारावास की सजा मिली। *

किताब: मेहनत का फल (बाल कहानी संग्रह), **लेखक:** किशोर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 100 रुपए, **प्रकाशक:** के. बी. एस. प्रकाशन, दिल्ली

जीके क्विज-216

1. हाल में किस केंद्रीय मंत्री को शिक्षा मंत्रालय का भी दायित्व सौंपा गया है?
2. पिछले दिनों वाराणसी में स्थित किस धार्मिक स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया?
3. स्पेन में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में किस महिला भारोत्तोलक ने स्वर्ण पदक जीता?
4. इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
5. ऋग्वेद किस भाषा में लिखा गया है?
6. प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय किस राज्य में स्थित है?
7. ऑक्सीजन का रासायनिक प्रतीक क्या होता है?
8. पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह कौन-सा है?
9. देश के उपराष्ट्रपति संसद के किस सदन के सभापति होते हैं?
10. सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश कौन हैं?

बच्चों, जीके क्विज-216 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-215 का उत्तर : 1.स्पेन, 2.जेनिक सिनर, 3.विक्रम-1, 4.दिसपुर, 5.सी.पी. राधाकृष्णन, 6.विष्णुगुप्त/कौटिल्य, 7.मुंशी प्रेमचंद, 8.मध्य प्रदेश, 9.बाल गंगाधर तिलक, 10.26 जुलाई

जीके क्विज-215 का सही उत्तर देने वाले : जिया शिया-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, कबीर-हिसार, मिशा-रायपुर, कोमल-दुर्ग, राजन-बिलासपुर, हर्षिता-रोहतक, उत्तम-भोपाल, शिखा-महासमुंद, तनुजा-महेंद्रगढ़, सुमन-बालोद

दोस्तों की सुलह

तन्मय और मोनू बहुत अच्छे दोस्त थे। एक दिन दोनों आपस में झगड़ पड़े। बातचीत बंद कर दी। अब एक दूसरे के साथ कोई खेलने वाला नहीं था। दोनों अकेले पड़ गए। तन्मय और मोनू को अपनी दोस्ती खूब याद आती। क्या दोनों में सुलह हो पाई? दोनों फिर से दोस्त बन पाए?

कहानी
सरस्वती रमेश

एआई इमेज

तन्मय और मोनू बहुत पक्के दोस्त थे। दोनों साथ-साथ खेलते, स्कूल जाते। एक दिन दोनों क्रिकेट खेल रहे थे। तन्मय ने बैटिंग करते समय बॉल इतनी जोर से मारी कि पता नहीं किधर चली गई। दोनों दोस्तों ने इधर-उधर चारों तरफ बॉल खोजी, लेकिन बॉल नहीं मिली। बॉल मोनू की थी। वह तन्मय से झगड़ने लगा, 'तुमने मेरी बॉल जानबूझकर जोर से मारकर खो दी। तुम मुझे मेरी बॉल कहीं से भी लाकर दो, चाहे बाजार से खरीद कर दो।'

'मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं, जो मैं खरीद कर दूं।' तन्मय ने अपनी मजबूरी बताई।

'मुझे नहीं पता, कहीं से भी लाकर दो। नहीं तो मैं तुमसे कट्टी कर लूंगा।' मोनू तेज आवाज में बोला।

तन्मय भी चिढ़ गया, 'कट्टी करनी है तो कर ले।'

इस कहा-सुनी के बाद दोनों दोस्तों के बीच बोलचाल बंद हो गई। मोनू को देख तन्मय मुंह फेर लेता। मोनू का गुस्सा भी कोई कम नहीं था। वह भी तन्मय की अनदेखी करने लगा।

दोनों के बीच बातचीत बंद होने के बाद अब मोनू के साथ खेलने वाला कोई साथी ना था। शाम को पार्क में वह साइकिल अकेला ही चलाता। पहले तन्मय कभी-कभी उसकी साइकिल के पीछे-पीछे दौड़ लगाता था या फिर कभी-कभी मोनू की साइकिल के पीछे लगे कैरियर पर बैठ जाता। दोनों खूब मस्ती करते। अब अकेले साइकिल चलाने में मोनू को जरा भी मजा नहीं आता। उसे तन्मय की याद आती।

उधर तन्मय का भी मोनू के बिना मन नहीं लग रहा था। एक दिन उसने सोचा, आज जब पार्क में मोनू दिखेगा, उससे सॉरी बोलकर दोस्ती कर लेगा। तन्मय पार्क जाकर मोनू का इंतजार करने लगा। काफी देर बीत गई, लेकिन मोनू ना आया। उदास होकर तन्मय घर वापस आ गया।

असल में उस दिन मोनू के पापा रिमोट से चलने वाली नई कार लेकर लाए थे। मोनू कार पाकर बहुत खुश था, लेकिन वह कार किसके साथ चलाए, उसे समझ में नहीं आ रहा था। उसका पक्का दोस्त तन्मय तो नाराज चल रहा था। मोनू ने अपनी परेशानी पापा को बताई। पापा ने कहा, 'बेटा, हम सबका कभी-कभी आपस में झगड़ा हो जाता है, लेकिन छोटी-छोटी बातों को लेकर ज्यादा समय तक नाराज रहना अच्छा नहीं।'

'पापा गलती तो तन्मय ने की। उसने मेरी बॉल क्यों खो दी।' मोनू बोला।

'कोई बात नहीं बेटा। मैं नई बॉल लाकर तुम्हें दे दूंगा। तुम जाओ और तन्मय से सुलह कर लो।' पापा ने मोनू का समझाया।

मोनू को पापा की बात समझ में आ गई। वह अपनी रिमोट से चलने वाली कार लेकर तन्मय के घर चल दिया। रास्ते में उसने कप केक खरीद लिए। कप केक तन्मय को बहुत पसंद है। उसने सोचा, वह सॉरी बोलकर तन्मय को कप केक पकड़ा देगा। तन्मय खुश होकर उसे माफ कर देगा।

मोनू कप केक खरीद कर तन्मय के घर की ओर जा ही रहा था कि तभी दोनों दोस्त रास्ते में आमने-सामने टकरा गए। तन्मय को देखकर मोनू ने कहा, 'अरे तन्मय तुम यहां, मैं तो तुम्हारे घर जा रहा था।'

तन्मय ने खुश होकर कहा, 'मैं भी तुम्हारे घर जा रहा था, तुमसे माफी मांगने।'

'अच्छा! लेकिन अब माफी की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अब मैं तुमसे बिल्कुल नाराज नहीं हूं।' यह कहते हुए मोनू ने झट से तन्मय को कप केक पकड़ा दिया। तन्मय कप केक पाकर बहुत खुश हुआ। उसने अपने दोस्त मोनू को थैंक्स कहा। मोनू ने तन्मय को अपनी रिमोट वाली कार दिखाई और बोला, 'चलो दोस्त, हम अब साथ में कार चलाते हैं। दोबारा कभी आपस में न लड़ने का वादा करते हैं।'

तन्मय ने भी सिर हिलाकर हामी भरी। दोनों दोस्त गले मिले और एक-दूसरे से प्रॉमिस किया- 'यह दोस्ती कभी नहीं तोड़ेंगे।' *

कविता
सूर्य कुमार पांडेय

सच्चे मित्र

जिनसे अपने मन मिलते हैं
भीतर नए फूल खिलते हैं
वे ही सच्चे मित्र हमारे।
जिनके साथ खुशी से रहते
अपने मन की बातें कहते
वे ही अच्छे मित्र हमारे।
जिनके साथ करें हम चैटिंग
जिनके साथ करें हम बैटिंग
वे ही सारे दोस्त हमारे।
जिनसे हों पढ़ने की बातें
काम मुसीबत में जो आते
वे ही प्यारे दोस्त हमारे।

रंग भरो-207

रंग भरो-207 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

मोक्षित, ब्यावर

आशना, जांजगीर

सार्थक, कोरबा

देवांश, महेंद्रगढ़

कुंजल, रायपुर

दिशा, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

दिव्या-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, सान्वी-बिलासपुर, केतन-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, प्रिया-जांजगीर, रेणु-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, शौर्य-गुना, पूजा-करनाल, हंसिका-बालोद

रंग भरो 208

बच्चो, यहां बेस्ट-फ्रेंड्स टीना और मीना का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

चिंतन

विद्वानों पर टिप्पणी करने से बचें राजनेता

विद्वान और शिक्षाविद देश की अमूल्य धरोहर होते हैं। वे किसी भी दल, धर्म, जाति या दल से ऊपर होते हैं। ऐसे में राजनेताओं को विद्वानों पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हाल ही में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के नवगठित शिक्षा सुधार समिति के एक सदस्य आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को गोमूत्र विशेषज्ञ कहे जाने पर लोकसभा में हंगामा हो गया। प्रोफेसर कामकोटि गोमूत्र के कथित औषधीय गुणों पर अपनी राय के कारण पहले भी चर्चा में रहे हैं। इस मामले को लेकर 215 वर्तमान और पूर्व कुलपतियों तथा शिक्षाविदों ने प्रियंका गांधी को खुला पत्र लिखकर इसी चिंता को सामने रखा है। पत्र में कहा गया है कि किसी शिक्षाविद् से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, उनके विचारों और शोध पर सवाल भी उठाए जा सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक मंच पर उनका मजाक उड़ाना उचित नहीं है। प्रो. कामकोटि को पारंपरिक ज्ञान या किसी वैज्ञानिक परिकल्पना पर अपनी राय रखने का अधिकार है। यदि उनके किसी दावे या विचार से असहमति है तो उसके प्रमाणों और वैज्ञानिक आधार को चुनौती दी जानी चाहिए। वैज्ञानिक विमर्श की यही स्वस्थ परंपरा है। प्रो. वी. कामकोटि कंप्यूटर वैज्ञानिक और शिक्षाविद् हैं तथा आईआईटी मद्रास के निदेशक हैं। उन्होंने इसी संस्थान से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा और पीएचडी हासिल की। उनके नेतृत्व में उस टीम ने भारत के स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर 'शक्ति' के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि माना जाता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों में भी भूमिका निभा चुके हैं। ऐसे व्यक्ति की किसी एक राय को आधार बनाकर उसकी पूरी विद्वत्ता को एक उपहासपूर्ण संबोधन में सीमित कर देना निश्चित रूप से स्वस्थ बहस का तरीका नहीं हो सकता। यदि गोमूत्र के औषधीय गुणों को लेकर कोई दावा वैज्ञानिक कसौटी पर खरा नहीं उतरता, तो वैज्ञानिक समुदाय और राजनेताओं को उसके प्रमाण मांगने चाहिए। शोध को शोध से चुनौती दी जानी चाहिए, व्यक्ति का उपहास नहीं करना चाहिए। यह भी ध्यान रखना होगा कि शिक्षा और परीक्षा सुधार जैसे गंभीर विषयों पर बनी समितियों में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। पेपर लीक जैसी समस्या केवल शिक्षा विभाग की समस्या नहीं है। इसमें तकनीक, साइबर सुरक्षा, प्रशासन, खुफिया तंत्र और परीक्षा संचालन से जुड़े विशेषज्ञों की भी भूमिका हो सकती है। राजनीतिक दलों के बीच तीखी बहस लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार और जिम्मेदारी है, लेकिन व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास से बहस का स्तर गिरता है। सत्ता पक्ष के नेताओं पर भी यही कसौटी लागू होनी चाहिए। किसी वैज्ञानिक, शिक्षक, न्यायविद् या अन्य विद्वान की राजनीतिक विचारधारा से असहमति हो सकती है, लेकिन उसकी शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान बना रहना चाहिए। शिक्षाविदों की आपत्ति को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उनका संदेश स्पष्ट है कि विचारों पर कठोर बहस कीजिए, प्रमाण मांगिए, गलत दावों को तथ्यों से खारिज कीजिए, लेकिन विद्वानों का उपहास मत उड़ाइए। भारत को आज ऐसी ही संवाद संस्कृति की जरूरत है, जिसमें राजनीतिक असहमति के बावजूद ज्ञान और विद्वता के प्रति सम्मान बना रहे।

मुद्दा
रोहित कौशिक

फर्जी शिक्षण संस्थानों पर नकेल जरूरी

> देश में उच्च शिक्षा के लिए नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है। सत्र से पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने छात्रों और अभिभावकों को चेताया है कि वे प्रवेश लेने से पहले उच्च शिक्षण संस्थानों की मान्यता, संबंधित कोर्स और डिग्री की मंजूरी के बारे में सही तरीके से जांच कर लें। यूजीसी ने सभी राज्यों व विश्वविद्यालयों को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी और निजी विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों की डिग्री मान्य नहीं होगी। दरअसल, हर साल देश के अनेक युवा फर्जी शिक्षण संस्थानों के चक्कर में फंस जाते हैं। बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। इन दिनों देश में कई संदिग्ध शिक्षण संस्थान अनेक तरह की फर्जी डिग्रियां प्रदान कर रहे हैं।

देश में उच्च शिक्षा के लिए नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है। सत्र से पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने छात्रों और अभिभावकों को चेताया है कि वे प्रवेश लेने से पहले उच्च शिक्षण संस्थानों की मान्यता, संबंधित कोर्स और डिग्री की मंजूरी के बारे में सही तरीके से जांच कर लें। यूजीसी ने सभी राज्यों व विश्वविद्यालयों को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी और निजी विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों की डिग्री मान्य नहीं होगी। दरअसल, हर साल देश के अनेक युवा फर्जी शिक्षण संस्थानों के चक्कर में फंस जाते हैं। बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। इन दिनों देश में कई संदिग्ध शिक्षण संस्थान अनेक तरह की फर्जी डिग्रियां प्रदान कर रहे हैं। ऐसे अनेक मामले प्रकाश में आते भी रहते हैं। ऐसे संस्थानों के संदिग्ध क्रियाकलापों का खुलासा होने पर कार्रवाई भी होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर ऐसे संस्थान फिर शुरू हो जाते हैं।

पिछले दिनों राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित पीटीआई भर्ती में फर्जी बीपीएड डिग्रियां बांटने वाले उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय पर कार्रवाई भी की गई थी। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने एक निजी विश्वविद्यालय में चल रहे फर्जी डिग्री घोटाले का भंडाफोड़ कर बड़ी कार्रवाई की थी। एसटीएफ ने छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में फर्जी डिग्रियां, प्रोविजनल और माइग्रेशन सर्टिफिकेट समेत अन्य कई तरह की सामग्री बरामद की थीं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक तरफ फर्जी डिग्रियों के माध्यम से शिक्षा का मजाक बनाया जा रहा है तो दूसरी तरफ फर्जी विश्वविद्यालय छात्रों को ठग रहे हैं। कुछ समय पहले यूजीसी ने देश भर में खुले कई फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की थी। इन विश्वविद्यालयों को किसी भी तरह की डिग्री देने का अधिकार नहीं है। शर्मनाक यह है कि ये विश्वविद्यालय हाल ही में पैदा नहीं हुए हैं, बल्कि कई वर्षों से चल रहे हैं। सही जानकारी के अभाव में हजारों छात्र इन फर्जी विश्वविद्यालयों के भंवर में फंस जाते हैं। सवाल यह है कि कई वर्षों से चल रहे इन फर्जी विश्वविद्यालयों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? अगर इन पर पहले ही कार्रवाई हो जाती तो हजारों छात्रों के भविष्य पर मंडराते खतरे को दूर किया जा सकता था। दरअसल, ऐसे मामलों में हर कोई अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहता है। यूजीसी समय-समय पर विद्यार्थियों को जानकारी देने के लिए फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराता रहता है। सवाल यह है कि जब यूजीसी और सरकार को फर्जी विश्वविद्यालयों की जानकारी है तो उनके संचालकों की धरपकड़ कर इन अवैध विश्वविद्यालयों को बन्द क्यों नहीं कराया जाता? फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची प्रकाशित कर देने मात्र से ही यूजीसी और सरकार अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो जाते। यह विडम्बना ही है कि आज गली-गली में निजी शिक्षा संस्थानों की बाढ़ आ गई है। इनमें से कुछ शिक्षा संस्थानों के क्रियाकलाप संदिग्ध हैं। सवाल यह है कि शिक्षा को व्यापार बनाने के लिए जिम्मेदार कौन है ? नब्बे के दशक में शुरू हुई उदारीकरण की आंधी ने अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र को भी अपनी गिरफ्त में ले

लिया। हालांकि इससे पहले भी कुछ राज्यों में उच्च शिक्षा निजी हाथों में जा चुकी थी, लेकिन नब्बे के दशक में व्यापक रूप से पूरे देश में शिक्षा को निजी हाथों में सौंपने का काम किया गया। सरकार ने खुद खाओ, खुद कमाओ की नीति के तहत शिक्षा का निजीकरण करते हुए गर्व का अनुभव किया। सरकार की इस नीति से अनेक औद्योगिक घराने अपना पारम्परिक व्यापार त्याग कर शिक्षा के क्षेत्र में कूद पड़े। उनके लिए यह उपक्रम सिर्फ एक व्यापार को त्याग कर दूसरे व्यापार को अपनाना भर था। इनकी देखा देखी छोटे व्यापारी भी इस क्षेत्र की तरफ भागने लगे। हमारे देश में प्रारम्भ से ही शिक्षा प्रदान करने का प्रायोजन धर्मार्थ माना गया है। इसलिए सरकार की नई नीति के तहत शिक्षा प्रदान करते हुए इन सभी व्यापारियों को धर्म एवं समाज सेवा का आवरण अपने आप मिल गया। धर्म एवं समाजसेवा के आवरण में मुनाफा कमाने का इससे अच्छा साधन और कोई नहीं हो सकता था। इसलिए शिक्षा के निजीकरण ने एक नए किस्म के व्यापार को जन्म दिया, जिसमें मुनाफा तो पूरा था, लेकिन व्यापारी की छवि मुनाफा कमाने वाले की नहीं बल्कि उपकार करने वाले की थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक के बाद एक सरकारें इसी नीति पर चलती रहीं। सभी सरकारों द्वारा धड़ल्ले से निजी एवं डीम्ड विश्वविद्यालयों को मान्यता दी जाती रही। सरकारें बार-बार ये बताती रहीं कि हमारे देश के हालात को देखते हुए अभी और विश्वविद्यालय खोले जाने की जरूरत है। इस हड़बड़ी में शिक्षा की गुणवत्ता की तरफ किसी का ध्यान नहीं गया। कई बार जानबूझकर इन विसंगतियों को नजरअन्दाज किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में शिक्षा जगत से जुड़े अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध रहती है। अपना मुंह बन्द रखने और अवैध रूप से मान्यता देने के लिए शिक्षण संस्थाओं द्वारा इन अधिकारियों को मोटी रकम दी जाती है। स्पष्ट है कि शिक्षा जगत में फैले भ्रष्टाचार को बढ़ाने में इस क्षेत्र से जुड़े अधिकारी और विभिन्न समितियों में स्थान प्राप्त प्रोफेसर्स भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दरअसल, निजी शिक्षण संस्थानों के मालिक विभिन्न राजनेता और अन्य प्रभावशाली लोग होते हैं इसलिए इस मामले में जानबूझकर चुप्पी साध ली जाती है। ऐसे मामलों में जितने दोषी विश्वविद्यालयों के संचालक हैं, उतनी ही दोषी सरकार और उससे जुड़े अधिकारी भी हैं।

आजादी के बाद कुछ हद तक शिक्षा नीति की कमजोरी को दूर करने के प्रयास किए गए, लेकिन ये प्रयास पर्याप्त सिद्ध नहीं हुए। एक बार फिर शिक्षा नीति में परिवर्तन की कोशिशें हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हमारे नीति-निर्माता शिक्षा नीति में परिवर्तन करने की हड़बड़ाहट में अपना विवेक खोकर कुछ ऐसे निर्णय ले रहे हैं जो शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को ठेस पहुंचा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हमारा मुख्य उद्देश्य शिक्षा नीति में परिवर्तन करना है या फिर इस परिवर्तन के माध्यम से शिक्षा की कमजोरियों को दूर करना है? हमारे नीति-निर्माताओं की नीतियों एवं क्रियाकलापों को देखकर तो ऐसा लगता है कि उनका मुख्य उद्देश्य केवल शिक्षा नीति में परिवर्तन करना भर है। इस दौर में उच्च शिक्षा की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। कहने को तो शिक्षा नीति में काफी बदलाव हुए हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि हम अभी भी लीक ही पीट रहे हैं। शिक्षा जगत में मौजूद इन विसंगतियों के बीच नई शिक्षा नीति में भी एक बार फिर निजी शिक्षण संस्थानों को अनेक तौर-तरीकों से पनपने का मौका दिया गया है। सवाल यह है कि क्या ये संस्थान शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूरा करने की तरफ ध्यान देंगे? अब समय आ गया है कि सरकार निजीकरण की आड़ में पनपे संदिग्ध विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के क्रियाकलापों पर गम्भीरता से ध्यान दें ताकि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को अंधकारमय होने से बचाया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

आम आदमी की बोली के रचनाकार थे मुंशी प्रेमचंद

आज उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। ग्रामीण जन जीवन के चितेरे लेखक मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं आज भी न केवल प्रासंगिक हैं अपितु हिंदी साहित्य की अमर अजय रचनाएं हैं। प्रेमचंद ने कहानी और उपन्यास विधा में एक नई और जीवंत परंपरा की शुरुआत की। उनकी प्रत्येक रचना सच्चाई के इर्दगिर्द घूमती है। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से आम आदमी की समस्याओं और पीड़ाओं को यथार्थ रूप से चित्रित किया। यही कारण है कि वे साहित्य के अमर अजर रचनाकार के रूप में ख्यात हैं। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को बनारस के पास लमही नामक गांव में हुआ था। उनका असली नाम धनपतराय था। प्रेमचंद ने 1901 में उपन्यास लिखना शुरू किया। कहानी 1907 से लिखने लगे। उर्दू में नवाबराय नाम से लिखते थे। स्वतंत्रता संग्राम के दिनों लिखी गई उनकी कहानी सोजेवतन 1910 में जब्त की गई। उसके बाद अंग्रेजों के उत्पीड़न के कारण वे प्रेमचंद नाम से लिखने लगे। 1923 में उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना की। 1930 में हंस का प्रकाशन शुरु किया। इन्होंने मर्यादा, हंस, जागरण तथा माधुरी जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन किया। ये आधुनिक कथा साहित्य के जन्मदाता कहलाए। उन्हें कथा सम्राट की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने 300 से अधिक कहानियां लिखी हैं। इन कहानियों में आम आदमी

की घुटन, चुभन व कसक को अपनी कहानियों में उन्होंने प्रतिबिम्बित किया। उनकी कहानियों में रूढ़ियों, अंधविश्वासों, अंधपरंपराओं पर कड़ा प्रहार किया गया है वहीं दूसरी ओर मानवीय संवेदनाओं को भी उभारा गया है। ईदगाह, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नमक का दारोगा, दो बैलों की आत्म कथा जैसी कहानियां कालजयी हैं। तभी तो उन्हें कलम का सिपाही, कथा सम्राट, उपन्यास सम्राट आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। प्रेमचंद के साहित्य में समस्याओं को न केवल उठाया गया है, बल्कि उनका समाधान भी प्रस्तुत किया गया है। सेवा सदन में वेश्यावृत्ति की समस्या, गबन में नारी के आभूषण प्रेम की समस्या, कर्म भूमि में जमीदारों के अत्याचारों का पूंजीपतियों की हठधर्मिता की समस्या, निर्मला में अनमेल विवाह की समस्या आदि का चित्रण किया गया है। इस प्रकार प्रेमचंद अपने साहित्य में इन समस्याओं को उनके दुष्प्रभावों से परिचित कराते हैं तथा उन्हें दूर करने के लिए प्रेरित भी करते हैं। प्रेमचंद का साहित्य ग्रामीण जीवन की संपूर्ण झांकी को प्रस्तुत करता है। गोदान उपन्यास तो ग्रामीण जीवन का महाकाव्य कहलाता है। बड़े घर की बेटी, पंच परमेश्वर, दो बैलों की कथा आदि कहानियां भी ग्रामीण पृष्ठभूमि में लिखी गई हैं। इन रचनाओं में उन्होंने ग्रामीणों के प्रति एक नवीन व स्वस्थ दृष्टिकोण अपनाकर उनकी समस्याओं को प्रभावशाली ढंग से उठाया है। मुंशी प्रेमचंद एक महान कथाकार के साथ-साथ एक अच्छे समाज सुधारक भी रहे हैं, उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम सामाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया है। मुंशी प्रेमचंद देश के ऐसे पहले रचनाकार थे जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलस्मी और ऐयारी से बाहर निकाल कर जमीनी हकीकत से परिचय कराया। उन्होंने अपनी रचनाओं में आम लोगों विशेषकर मेहनतकश वर्ग की भावनाओं और सच्चाइयों को वर्णित किया। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से देश की वास्तविक और जमीनी समस्याओं से देशवासियों को अवगत कराया। प्रेमचंद ने साहित्य को सच्चाई के धरातल पर उतारा। वह आम भारतीय के रचनाकार थे। उनकी रचनाओं में ऐसे नायक हुए,जिसे भारतीय समाज अछूत और घृणित समझता था। उन्होंने सरल,सहज और जनसाधारण की बोल-चाल की भाषा का उपयोग किया और अपने प्रगतिशील विचारों को दृढ़ता से समाज के सामने प्रस्तुत किया। प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के युग प्रवर्तक माने गए। उनकी रचनाओं में समाज का पूरा 'परिवेश' उसकी 'कुरूपता' और 'असमानता', 'छुआछूत', 'शोषण' की विभीषिका कमजोर वर्ग और स्त्रियों का दमन आदि वास्तविकता प्रकट हुई है। उन्होंने सामान्य आदमी का जीवन अत्यंत निकट से देखा था तथा खुद उस जिंदगी को भोगा भी था। उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें उपन्यास सम्राट कहकर संबोधित किया था। प्रेमचंद ने हिन्दी कहानी और उपन्यास की एक ऐसी परंपरा का विकास किया, जिसने पूरी सदी के साहित्य का मार्गदर्शन किया। प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं में सामाजिक कुरीतियों जमकर विरोध किया और आम आदमी की कहानी उनकी बोलचाल की भाषा में चित्रित की।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कथनी और करनी में न हो कोई अंतर

संकलित
दर्शन

सभी के हित का ध्यान रखते हुए मनसा, वाचा, कर्मणा अपने दायित्वों का सम्यक रूप से निर्वाह करना कर्त्तव्य है। कर्त्तव्य का पालन यदि समुचित रूप से किया जाता है तो जीवन पूर्णतः गौरवान्वित बनता है। जो कर्त्तव्यनिष्ठ है। वह अपने करणीय कर्म के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है। वह परमार्थ पोषक एवं प्रामाणिक होता है। वह जैसा रहता है, वैसा ही करता भी है। ऐसी कथनी-करनी की एकरूपता से वह समाज में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्रत्येक उससे प्रेरणाएँ ग्रहण करता है। कर्त्तव्य परिपालन की बात करना और कर्त्तव्य परिपालन के नाम पर शोर-शराबा मचाना अलग बात है और कर्त्तव्यों के क्षेत्र में बिना किसी शोर-शराबे के समर्पित हो जाना अलग बात है। आज हम देखते हैं कि कर्त्तव्यों के परिपालन के लिए अक्सर लम्बे-चौड़े उपदेश दिये जाते हैं, पर जब कर्तव्य निर्वाह का अवसर आता है तो व्यक्ति दायें-बायें देखने लगता है। कटु सत्य तो यह है कि आज कर्त्तव्यों की चर्चा करने वाले लाखों हैं, पर कर्त्तव्यों के पावन पथ पर गतिशील होने वाले विरले ही हैं। कई बार मुझे चिंतन के क्षणों में लगता है कि आज व्यक्ति कर्त्तव्यों से विमुख हो गया है। इस विमुखता के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अराजकता और अशांति का विस्तार हुआ है। कर्त्तव्यों के पावन क्षेत्र से भटककर कोई व्यक्ति कभी भी शांति का अहसास नहीं कर सकता। जीवन का गौरव और उसकी सार्थकता कर्त्तव्य पालन में ही है।

संतान गुस्सा हो तो उसे शांत करने की कोशिश जरूर करें

संकलित
प्रेरणा

पुराने समय में एक दिन शिव जी और पार्वती जी ने विचार किया कि अब गणेश और कार्तिकेय का विवाह कर देना चाहिए। ये विचार करने के बाद उन्होंने कार्तिकेय स्वामी और गणेश जी को बुलाया और दोनों से कहा कि आप दोनों में से जो इस संसार की परिक्रमा करके पहले आएगा, हम उसका विवाह पहले कराएंगे। कार्तिकेय स्वामी तो अपने वाहन मोर पर बैठकर तुरंत उड़ गए, लेकिन गणेश जी अपने वाहन चूहे पर बैठे हुए थे। गणेश जी ने ने तुरंत ही माता-पिता की परिक्रमा कर ली और कह दिया कि आप दोनों ही मेरे लिए संसार हैं। दूसरी ओर, कार्तिकेय स्वामी को संसार की परिक्रमा करके लौटने में थोड़ा समय लग गया। जब कार्तिकेय स्वामी परिक्रमा करके लौटे तो उन्होंने देखा कि गणेश का विवाह हो गया है। गणेश जी को विवाहित देखकर कार्तिकेय स्वामी नाराज हो गए। उन्होंने शिव-पार्वती से कहा कि आपने ये सही नहीं किया है। क्रोधित होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर चले गए। ये क्रौंच पर्वत आज दक्षिण भारत में कृष्णा जिले में कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। इसे श्रीपर्वत भी कहते हैं। शिव जी और देवी पार्वती ने कार्तिकेय स्वामी को समझाने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन कार्तिकेय शांत नहीं हुए। शिव-पार्वती समझ गए कि कार्तिकेय बहुत ज्यादा गुस्से में है और ये वापस भी नहीं आएगा। तब दोनों ने तय कि वे ही कार्तिकेय से मिलने जाते रहेंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

क्या इस्तीफे लेने-देने से भ्रष्टाचार रुक जाएगा?

पेपर लीक के मामलों और अन्य गड़बड़ घोटालों के लिए शत-प्रतिशत भ्रष्टाचार जिम्मेदार है और हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हो चुकी हैं। जब तक भ्रष्टाचार की जड़ों को काटने के लिए काम नहीं किया जाएगा, तब तक देश में कोई भी गलत काम नहीं रुकेगा। सरकारों में चेहरे बदलने से भ्रष्टाचार नहीं रुकेगा, बल्कि सरकारों को धरातल पर काम करना होगा। अफसरों और अन्य सभी भ्रष्ट लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जिसके लिए सरकारें ढुलमुल रवैया अपनाए हुए हैं।

- सुरेश वर्मा, बिलासपुर

ट्रेंड

विपक्ष की भूमिका

संसद में विपक्ष की भूमिका पूरी तरह से नकारात्मक और गैर-जिम्मेदाराना रही है। सत्र शुरू होने के बाद से ही उनका एकमात्र मकसद सदन की कार्यवाही में बाधा डालना रहा है। विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है।

- **जगत प्रकाश नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

टेलीकॉम सेक्टर

टेलीकॉम सेक्टर को लेकर भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के बीच होने वाला एमओयू ग्वालियर के लिए एक बड़ी सौगात है... इस समझौते के ज़रिए देश की कई टेलीकॉम कंपनियाँ मध्य प्रदेश में निवेश करेंगी, जिससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

युवा आंदोलन

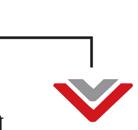

युवा आंदोलन से बड़े मीडिया घरानों के लिए भी एक अहम सबक मिलता है: मुख्यधारा की मीडिया को 'मेन स्ट्रीट मीडिया' बनना होगा। आज संकट सिर्फ़'राष्ट्रीय सरकार' के लिए ही नहीं, बल्कि तथाकथित 'राष्ट्रीय मीडिया' के लिए भी उतना ही बड़ा है।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

फास्ट-ट्रैक कोर्ट

आज सरकार फास्ट-ट्रैक कोर्ट की बात तो करती है, लेकिन 2024 के नीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी संजीव मुखिया को क्लीन चिट दे दी गई है। हालात ऐसे हैं कि पिछले 10 सालों में 152 बार पेपर लीक हुए हैं।

- **मल्लिकार्जुन खड़गे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

पाकिस्तान नहीं होगा कंगाल, सऊदी अरब से मिली 3 साल की मोहलत

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को दिए गए 5 बिलियन डॉलर के कर्ज को चुकाने की समयसीमा को 3 साल के लिए बढ़ा दिया है। यह दावा पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने किया है। सऊदी अरब का कर्ज चुकाने की समय सीमा के बढ़ने से इस वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान की कुल बाहरी फाइनेंसिंग की जरूरतें घटकर 21.5 अरब डॉलर रह गई हैं। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उसने चंद महीने पहले ही सऊदी अरब से 3 बिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज लेकर संयुक्त अरब अमीरात से लिए गए कर्ज की भरपाई की है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून से बातचीत में स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने बुधवार को कहा कि सऊदी अरब ने 5 अरब डॉलर के कर्ज को तीन साल के लिए आगे बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस कारण और पिछले वित्त वर्ष में स्थानीय बाजार से 9 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा खरीदने से पाकिस्तान के बाहरी सेक्टर पर दबाव कम हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि सऊदी अरब के 5 अरब डॉलर की नकद जमा राशि को दिसंबर 2028 तक आगे बढ़ाने की वजह से पाकिस्तान को अब कम विदेशी ऋण चुकाना होगा, जिससे देश के खजाने पर बोझ कम होगा। पाकिस्तान लंबे समय से कर्ज के बदले की नीति पर चल रहा है। वह एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेता रहता है। इस कारण यह मुल्क गंभीर आर्थिक संकट में फंसा हुआ है।

ऑफ बीट

प्रति दिन मांस खाने से कोलोरेक्टल कैंसर

प्रति दिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस के सेवन के प्रभाव पर विश्व कैंसर अनुसंधान कोष द्वारा 500 पेज के अध्ययन के सैकड़ों परिणामों में से केवल एक के बारे में खबर दी। अखबार ने पाठकों को बताया कि

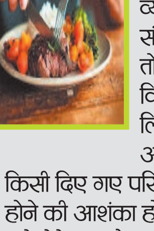

हर दिन एक बेकन सैंडविच खाने से 'कोलोरेक्टल कैंसर' का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ सकता है। यदि यह सापेक्ष जोखिम अनुपात एक से ऊपर है, तो संपर्क में आए व्यक्ति में बिना जोखिम के किसी व्यक्ति की तुलना में रोग विकसित होने की संभावना अधिक होती है। यदि यह एक से नीचे हो तो जोखिम कम हो जाता है। पूर्ण जोखिम किसी विशेष उपचार या जोखिम कारक (उदाहरण के लिए, बेकन सैंडविच खाने या न खाने) के संपर्क में आने या न आने वाले लोगों का अनुपात है, जिनसे किसी दिए गए परिणाम (उदाहरण के लिए, कैंसर) के विकसित होने की आशंका होती है। प्रति दिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस खाने से 'कोलोरेक्टल कैंसर' विकसित होने का पूर्ण जीवनकालिक जोखिम पांच से छह प्रतिशत तक बढ़ जाता है। तो यह सच है कि प्रतिदिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस खाने वालों के लिए सापेक्ष जोखिम 20 प्रतिशत बढ़ जाता है, लेकिन पूर्ण जोखिम केवल एक प्रतिशत बढ़ता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

''मिनी रत्न कम्पनी''

(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

संदर्भः एसईसीएल/भट/उ.क्षे./जग./रोजगार/भू.रा./2026/1037, **सूचना** दिनांक 13.07.2026

जगन्नाथपुर खुली खदान परियोजना हेतू भू–अधिग्रहण के एवज में नियमानुसार रोजगार देने की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया में **ग्राम जगन्नाथपुर एवं ग्राम चउरा** की भूस्वामी एवं उनके आश्रित द्वारा रोजगार हेतु प्रस्तुत किये गये दस्तावेजों में उनके स्वयं/माता पिता/आश्रितों के नाम में अंतर है तथा दस्तावेजों जैसे– बी 1, पंचशाला, ऋण पुस्तिका, योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जाति, निवास में विभिन्न नाम दर्ज है। तत्सम्बंध में भूस्वामी एवं प्रस्तावित व्यक्ति द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है:–

ग्राम - चउरा

क्र.	9 (1) के समय भू-स्वामी का नाम एवं प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार सही नाम	भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा नं.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
01	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा जाति उरांव** दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा के फौत हो जाने के कारण उनके वारिशों का नाम निम्न है– (1) हितलाल आ. स्व. दशरथ लकड़ा (2) दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की (3) प्रमिला तिर्की आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की (4) शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि राजेन्द्र कुजूर (5) सलमेन लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा (6) कुन्दिया लकड़ा बेवा स्व. दशरथ लकड़ा	1. दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा के फौत हो जाने के कारण उनके वारिस के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है:– राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा जाति उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-2018 में नाम – **हितलाल, दिनेश्वर, प्रेमिला, शीला, सलमेन आ. दशरथ, मु. कोंदिया बेवा दसरथ**	878/6 882/3 कुल 02	0.426 0.537 0.963 हे./ 2.380 एकड़	1. शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि राजेन्द्र कुजूर (अनपढ़)	नामांकन में नाम – **शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ** वंश वृक्ष में नाम – **शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नि राजेंद्र कुजूर** **(Shila Kujur W/o Rajendra Kujur)** वोटर कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नि राजेंद्र कुजूर** **(SHILA KUJUR W/O RAJENDRA KUJUR)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **शीला आ.दशरथ** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **शीला कुजूर पत्नि राजेंद्र कुजूर** बैंक पास बुक में नाम – **SHILA KUJUR W/O RAJENDRA KUJUR**
	1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **हितलाल आ. स्व. दशरथ लकड़ा**	1. वंशवृक्ष में नाम – **हितलाल आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **हितलाल आ. दशरथ** वोटर कार्ड में नाम – **हितलाल लकड़ा आ. दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **HITLAL LAKRA S/O DASHRATH LAKRA** ऋण पुस्तिका में नाम – **हितलाल आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **हितलाल आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **हितलाल आ. दशरथ**				
	2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की**	2. वंशवृक्ष में नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. दशरथ** वोटर कार्ड में नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **DINESHWAR LAKRA** ऋण पुस्तिका में नाम – **दिनेश्वर आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **दिनेश्वर आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **दिनेश्वर आ. दशरथ**				
	3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **प्रमिला तिर्की आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की**	3. वंशवृक्ष में नाम – **प्रमिला तिर्की आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **प्रमिला तिर्की पत्नि रामदेव तिर्की** वोटर कार्ड में नाम – **प्रमिला तिर्की पत्नि रामदेव तिर्की** बैंक पास बुक में नाम – **PRAMILA TIRKEY W/O RAMDEV TIRKI** ऋण पुस्तिका में नाम – **प्रमिला आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **प्रमिला आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **प्रमिला आ. दशरथ**				
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **(4) शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि राजेन्द्र कुजूर**	4. वंशवृक्ष में नाम – **शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नी राजेंद्र कुजूर** वोटर कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नी राजेंद्र कुजूर** बैंक पास बुक में नाम – **SHILA KUJUR W/O RAJENDRA KUJUR** ऋण पुस्तिका में नाम – **शिला आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **शीला आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **शीला आ. दशरथ**				
	5. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **सलमेन लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा**	5. वंशवृक्ष में नाम – **सलमेन लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **सलमेन लकड़ा आ. दशरथ लकड़ा** वोटर कार्ड में नाम – **सलमेन लकड़ा आ. दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **Salmen Lakda D/o Dashrath** ऋण पुस्तिका में नाम – **सलमेन आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **सलमेन पुत्री दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **सलमेन पुत्री दशरथ**				
	6. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **कुन्दिया लकड़ा बेवा स्व. दशरथ लकड़ा**	6. वंशवृक्ष में नाम – **कुन्दिया बेवा बेवा स्व.दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **कुन्दिया लकदा पत्नि दशरथ लकदा** वोटर कार्ड में नाम – **कुन्दिया लकड़ा पत्नि दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **KUNDIYA LAKDA W/O DASHRATH LAKDA** ऋण पुस्तिका में नाम – **कोंदिया बेवा दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **कोंदिया बेवा दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **कोंदिया बेवा दशरथ**				
2	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह**	**संतोष कुमार यादव आ. बिसाहू राम यादव** द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है:– आधार कार्ड में नाम – **संतोष कुमार यादव आ. बिसाहु राम यादव** मतदाता परिचय पत्र में नाम – **संतोष यादव आ. नेसाहू राम बरगाह** ऋण पुस्तिका में नाम – **संतोष कुमार आ. बिसाहु राम बरगाह, संतोष कुमार** बैंक पास बुक में नाम – **SANTOSH KUMAR YADAV S/O BISAHU RAM YADAV** राशन कार्ड में नाम – **संतोष यादव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2015-2016 में नाम – **संतोष कुमार आ. बेसाहु**	702/64 693/3 699/1 693/7 699/2 702/33 706/2 कुल– 7	0.031 0.036 0.128 0.073 0.090 0.062 0.121 0.541 हे./ 1.337 एकड़	1. सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव	नामांकन में नाम – **सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव** वंश वृक्ष में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव** आधार कार्ड में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव** **(Sabiya Yadav W/o Santosh Kumar Yadav)** वोटर कार्ड में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष यादव** **(SABIYA YADAV W/O SANTOSH YADAV)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **सबिया आ. प्रभु राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार** कक्षा 8वीं अंकसूची में नाम – **सबिया आ. प्रभुराम, सबिया आ. परभू राम**
03	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **बाबुलाल आ. नधिया, मु. रेंगटी बेवा नधिया, भरत, रामसाय, बलीराम वो बालकुंवर आ. पुसउ उरांव** रेंगटी पत्नी स्व. नधिया के फौत के पश्चात् वर्तमान भूमि स्वामी (1) बाबुलाल आ. स्व. नधिया एक्का (2) भारत राम आ. स्व. पुसउ राम (3) राम साय एक्का आ. स्व. पुसउ राम (4) बली एक्का आ. स्व. पुसउ (5) बाल कुंवर आ. स्व. पुसउ राम	प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है :– राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **बाबुलाल आ. नधिया, मु. रेंगटी बेवा नधिया, भरत, रामसाय, बलीराम वो बालकुंवर आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-2019 में नाम – **बाबुलाल आ. नधिया, मु. रेंगटी बेवा नधिया, भारत पिता पुसउ, रामसाय पिता पुसउ, बलीराम पिता पुसउ, बालकुंवर पिता पुसउ**	856 913 914 कुल– 3	0.101 0.259 0.206 0.566 हे./ 1.399 एकड़	1. उमेश कुमार आ. भारत राम	नामांकन में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** वंशवृक्ष में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** आधार कार्ड में नाम – **उमेश आ. भारत राम** **(Umesh S/o Bharat Ram)** वोटर कार्ड में नाम – **उमेश आ. भरत राम** **(UMESH S/O BHART RAM)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** राशन कार्ड में नाम – **उमेश आ. भारत राम** 10 वीं अंकसूची में नाम – **UMESH KUMAR S/O BHARAT RAM** 12 वीं अंकसूची में नाम – **UMESH KUMAR S/O BHARAT RAM** रोजगार पंजीयन में नाम – **UMESH KUMAR S/O BHARAT RAM**
	1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **बाबुलाल आ. स्व. नधिया एक्का**	1. वंशवृक्ष में नाम – **बाबूलाल एक्का आ. स्व. नधिया एक्का** आधार कार्ड में नाम – **बाबु लाल एक्का आ. नधिया एक्का** वोटर कार्ड में नाम – **बाबूलाल एक्का आ. नधिया एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **BABULAL S/O NADHIYA** ऋण पुस्तिका में नाम – **बाबुलाल आ. नधिया** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **बाबूलाल आ. नधिया** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **बाबूलाल आ. नधिया**				
	2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **भारत राम आ. स्व. पुसउ राम**	2. वंशवृक्ष में नाम – **भारत राम आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **भारत राम आ. पुसउ राम** वोटर कार्ड में नाम – **भारत राम आ. पुषऊ राम** बैंक पास बुक में नाम – **BHARAT** ऋण पुस्तिका में नाम – **भारत आ. पुसउ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **भरत आ. पुसउ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **भारत आ. पुसई, भारत आ. पुसउ**				
	3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **राम साय एक्का आ. स्व. पुसउ राम**	3. वंशवृक्ष में नाम – **रामयसाय एक्का आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **रामसाय एक्का आ. पसुरम एक्का** वोटर कार्ड में नाम – **रामसाय एक्का आ. पुसउराम एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **RAMSAI** ऋण पुस्तिका में नाम – **रामसाय आ. पुसऊ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **रामसाय आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **रामसाय आ. पुसई, रामसाय आ. पुसउ**				
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **बली एक्का आ. स्व. पुसउ**	4. वंशवृक्ष में नाम – **बली एक्का आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **बली एक्का आ. पुसउ राम एक्का** वोटर कार्ड में नाम – **बली एक्का आ. पुसउ राम एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **BALI RAM** ऋण पुस्तिका में नाम – **बलीराम आ. पुसउ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **बलीराम आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **बलीराम आ. पुसई, बलराम आ. पुसउ**				
	5. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **बाल कुंवर आ. स्व. पुसउ राम**	5. वंशवृक्ष में नाम – **बालकुंवर आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **बालकुंवर आ. पुसु उरांव** वोटर कार्ड में नाम – **बालकुंवर एक्का आ. पुसउ एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **BAL KUNWAR** ऋण पुस्तिका में नाम – **बालकुंवर आ. पुसऊ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **बालकुंवर आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **बालकुंवर आ. पुसई, बालकुंवर आ. पुसई**				
04	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **नारायण आ. महादेव बरगाह**	प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है :– नामांकन में नाम – **नारायण यादव आ. महादेव राम** वंशवृक्ष में नाम – **नारायण यादव आ. स्व. महादेव राम यादव** आधार कार्ड में नाम – **नारायण यादव आ. महादेव राम यादव** वोटर कार्ड में नाम – **नारायण यादव आ. महादेव यादव** बैंक पास बुक में नाम – **NARAYAN YADAV S/O MAHADEV RAM YADAV** ऋण पुस्तिका में नाम – **नारायण आ. महादेव बरगाह, नारायण आ. महादेव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **नारायण आ. महादेव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-2019 में नाम – **नारायण आ. महादेव**	1053/27 1053/32 889/107 4/6 कुल– 3	0.262 0.050 0.223 0.535 हे./ 1.322 एकड़	1. ध्रुव यादव आ. नारायण यादव	नामांकन में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** वंशवृक्ष में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** आधार कार्ड में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** **(Dhruv Yadav S/o Narayan Yadav)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** राशन कार्ड में नाम – **ध्रुव यादव** 10 वीं अंकसूची में नाम – **DHRUV YADAV S/O NARAYAN YADAV** रोजगार पंजीयन में नाम – **DHRUV YADAV S/O NARAYAN YADAV**
		ग्राम - जगन्नाथपुर				
05	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **भूलन आ. मिठल उरांव** **भूलन आ. मिठल उरांव के फौत के पश्चात् वर्तमान भूमि स्वामी** (1) धनिया बेवा स्व. भूलन राम (2) संतोष प्रसाद तिर्की आ. स्व. भूलन राम (3) कृष्णा आ. स्व. भूलन राम (4) हरकलाल आ. स्व. भूलन राम (5) तुलेश्री आ. स्व. भूलन राम, पत्नी रामचंद्र (6) मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम (7) भारती आ. स्व. भूलन राम	**भूलन आ. मिठल उरांव** के फौत हो जाने के कारण उनके वारिस के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है :– आधार कार्ड में नाम – **भूलन राम तिर्की** मतदाता परिचय पत्र में नाम – **भूलन राम तिर्की** ऋण पुस्तिका में नाम – **संतोष वगैरह आ. भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2007-2008 से 2010-11 में नाम – **भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2016-2017 में नाम – **भुलन**	1257/1 1275/1 1287/1 1289/1 1408/1 1470/17 57/1 1526/1 1694/1 कुल– 8	0.42 0.66 0.07 0.26 0.07 0.02 1.76 0.33 3.59 हे./ 8.871 एकड़	1.मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम	नामांकन मेंनाम – **मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम** वंशवृक्ष में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की** **(Mithee Lal Tirkey S/o Bhulan Ram Tirkey)** वोटर कार्ड में नाम – **मेथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की (METHI LAL TIRKI S/O BHOOLN RAM TIRKI)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** राशन कार्ड में नाम – **मिथीलाल** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** 8वीं अंकसूची में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** रोजगार पंजीयन में नाम – **MITHEE LAL TIRKEY S/O BHULAN** बैंक पासबुक में नाम – **MITHI**
	1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **धनिया बेवा स्व. भूलन राम**	1. वंशवृक्ष में नाम – **धनिया बेवा स्व. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **धनिया पत्नी भूलन** वोटर कार्ड में नाम – **धनिया तिर्की पत्नी भूलन तिर्की** बैंक पास बुक में नाम – **dhaniya** ऋण पुस्तिका में नाम – **धनियो बाई** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **मु. धनियो बाई बेवा भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **धनियो बाई बेवा भुलन**			2. करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की	नामांकन में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** वंशवृक्ष में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** आधार कार्ड में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** **(Karishma Tirkey D/o Santosh Prasad Tirkey)** वोटर कार्ड में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** **(KARISHMA TIRKI D/O SANTOSH PRASAD TIRKI)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **करिश्मा आ. संतोष प्रसाद** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** 10वीं अंकसूची में नाम – KARISHMA TIRKEY D/O SANTOSH PRASAD TIRKEY 12वीं अंकसूची में नाम – KARISHMA TIRKEY D/O SANTOSH PRASAD TIRKEY रोजगार पंजीयन में नाम – KARISHMA TIRKEY D/O SANTOSH PRASAD TIRKEY
	2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **संतोष प्रसाद तिर्की आ. स्व. भूलन राम**	2. वंशवृक्ष में नाम – **संतोष प्रसाद तिर्की आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **संतोष प्रसाद आ. भूलन राम** वोटर कार्ड में नाम – **संतोषप्रसाद तिर्की आ. भूलन तिर्की** बैंक पास बुक में नाम – **Santosh** ऋण पुस्तिका में नाम – **संतोष** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **संतोष आ. भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **संतोष आ. भुलन**				
	3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **कृष्णा आ. स्व. भूलन राम**	3. वंशवृक्ष में नाम – **कृष्णा आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **कृष्णा आ. भूलन राम** वोटर कार्ड में नाम – **कृष्णा आ. भुलन राम** बैंक पास बुक में नाम – **Krishana** ऋण पुस्तिका में नाम – **कृष्णा राम** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **कृष्णा राम आ. भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **कृष्णा राम आ. भुलन**			3. बिनेश कुमार तिर्की आ. हरकलाल	नामांकन में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरकलाल** वंशवृक्ष में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरकलाल** आधार कार्ड में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरक लाल** **(Binesh Kumar Tirkey S/o Harak Lal)** वोटर कार्ड में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरक लाल** **(Binesh Kumar Tirkey S/o Harak Lal)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **बिनेश कुमार आ. हरक लाल** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **बिनेश कुमार आ. हरक लाल** राशन कार्ड में नाम – **विनय आ. हरकलाल** 8वीं अंकसूची में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरक लाल** रोजगार पंजीयन में नाम – BINESH KUMAR TIRKEY S/O HARAK LAAL
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **हरकलाल आ. स्व. भूलन राम**	4. वंशवृक्ष में नाम – **हरकलाल आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **हरकलाल आ. भूलन राम** वोटर कार्ड में नाम – **हरकलाल आ. भूलन राम** बैंक पास बुक में नाम – **harak** ऋण पुस्तिका में नाम – **हरकलाल** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **हरक लाल आ. भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **हरकलाल आ. भुलन**				
	5. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **तुलेश्री आ. स्व. भूलन राम, पत्नी रामचंद्र**	5. वंशवृक्ष में नाम – **तुलेश्री आ. स्व. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **तुलेश्री पत्नी रामचंद्र** वोटर कार्ड में नाम – **तुलेसरी केरकेट्टा पत्नी रामचंद्र केरकेट्टा** पेन कार्ड में नाम – **TULESHRI D/O BHULAN**			4. रामदीप आ. कृष्णा	नामांकन में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** वंशवृक्ष में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा तिर्की** आधार कार्ड में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा तिर्की** **(Ramdeep S/o Krishna Tirkey)** वोटर कार्ड में नाम – **रामदीप तिर्की आ. कृष्णा तिर्की** **(RAMDIP TIRKI S/O KRISHNA TIRKI)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** राशन कार्ड में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** 5वीं अंकसूची में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** रोजगार पंजीयन में नाम – RAMDEEP S/O KRISHNA TIRKEY
	6. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम**	6. वंशवृक्ष में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की** वोटर कार्ड में नाम – **मेथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** राशन कार्ड में नाम – **मिथीलाल** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** 8वीं अंकसूची में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** रोजगार पंजीयन में नाम – **MITHEE LAL TIRKEY S/O BHULAN** बैंक पासबुक में नाम – **MITHI**				
	7. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **भारती आ. स्व. भूलन राम**	7. वंशवृक्ष में नाम – **भारती आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **भारती पत्नी रामसाय एक्का** वोटर कार्ड मेंनाम – **भारती एक्का पत्नी राम साय एक्का** पेन कार्ड में नाम – **BHARTI D/O BHULAN RAM**				

उपरोक्त दर्शाये गये भूमि खसरा नम्बर के सामने दर्शाये गये व्यक्तियों को रोजगार दिया जाना है। जिसमें यदि किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति है, तो समाचार पत्र में प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर निम्न पते पर लिखित शिकायत दर्ज कर सूचित करें:–

पता:- उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, कार्यालय–जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, एसईसीएल भटगॉव क्षेत्र, धरमपुर, तहसील–प्रतापपुर, जिला–सुरजपुर (छ.ग.)।

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र

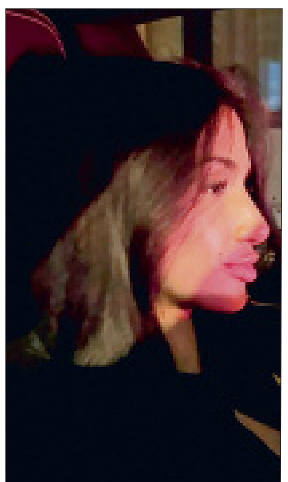

मिस्ट्री गर्ल संग नजर आए शाहरुख के बेटे आर्यन

नई दिल्ली। आर्यन खान अपनी किसी मूवी या सीरीज को लेकर नहीं, बल्कि लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। असल में आर्यन खान की कुछ तस्वीरें और वीडियोज इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं, जिनमें वो किसी मिस्ट्री गर्ल के साथ दिखाई दे रहे हैं। आर्यन की ये तस्वीरें लंदन की सड़कों से वायरल हुईं हैं। ऐसे में हर कोई ये जानने के लिए बेताब है कि आखिर आर्यन की ये मिस्ट्री गर्ल है, जिसने उनका दिल चुरा लिया है। दरअसल, आर्यन खान इन दिनों विदेश में अपना वेकेशन एंजॉय कर रहे हैं। ऐसे में आर्यन अपनी फैमिली नहीं, बल्कि अपने दोस्तों के साथ लंदन में छुट्टियां बिता रहे हैं। आर्यन के लंदन वेकेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर जंगल में लगी आग की तरफ वायरल हो रही हैं।

लाइफ Style

महिमा

प्रीति मेरे कॅरियर का सबसे यादगार किरदार रहेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं।

'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।' महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।' जिंदगी और कॅरियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है।

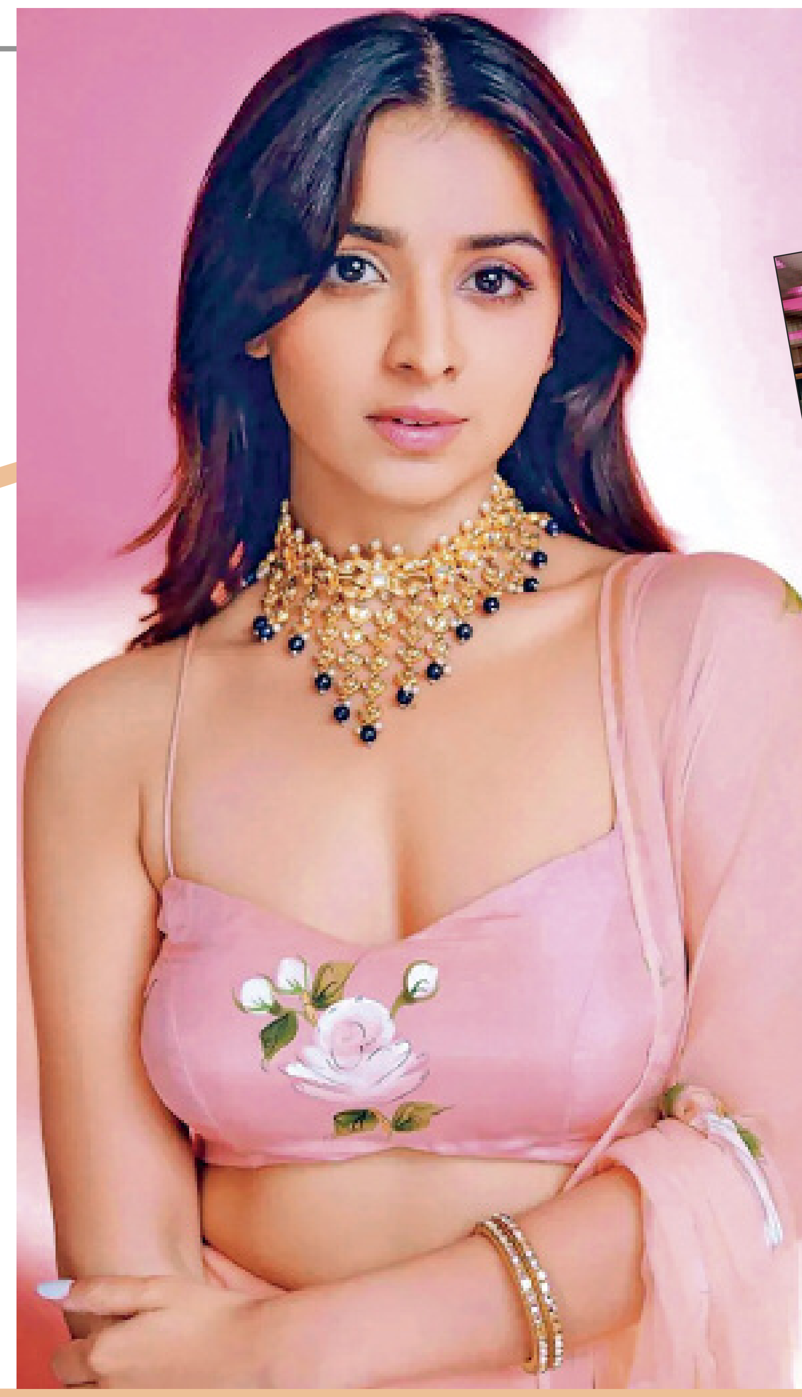

हॉलीवुड मसाला

निजी पलों की तस्वीरें वायरल

लॉस एंजिल्स। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और सिंगर कैटी पेरी रिश्ते में हैं। उनके डेटिंग की अफवाहें 2025 के बीच में शुरू हुई थीं और बाद में, पब्लिक अपीयरेंस और इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दोनों ने कन्फर्म किया कि वे साथ हैं। अब, सोशल मीडिया पर उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें जस्टिन, कैटी की बॉडी पर सनस्क्रीन लोशन लगाते हुए दिख रहे हैं। खबरों के मुताबिक, दोनों फ्रांस में छुट्टियां मना रहे हैं और वायरल तस्वीरें चर्चा का विषय बन गई हैं।

रावण बनकर छाए यश, साई-रवि की मिली पहली झलक

मुंबई। फिल्म 'रामायण' के ट्रेलर में यश को रावण के रूप में देखने के लिए फैंस काफी वक्त से इंतजार कर रहे थे। मेकर्स ने इस मौके को बखूबी भुनाया और आखिरकार 30 जुलाई की तड़के सुबह 'रामायण'का ट्रेलर लॉन्च कर दिया।लगभग चार मिनट के इस ट्रेलर में यश, रणबीर कपूर, साई पल्लवी, रवि दुबे, अरुण गोविल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह और विवेक ओबेरॉय समेत अधिकतर कलाकार नजर आए। मेकर्स ने एक धमाकेदार इंट्रो के साथ साउथ सुपरस्टार यश को रावण के किरदार में पेश किया है। ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया कि रावण तीनों लोकों का स्वामी बन चुका है। इस किरदार में यश भारी-भरकम, जटाधारी लुक में बड़ी-बड़ी सेनाओं से अकेले ही युद्ध करते दिखे। अब रावण का अहंकार मिटाने और पृथ्वी पर बढ़ते पाप का बोझ कम करने के लिए भगवान विष्णु, श्रीराम के रूप में जन्म लेने वाले हैं। यश के इंट्रो के बाद बारी आती है रणबीर के इंट्रो की। राम के रूप में रणबीर कपूर का लुक तो पहले ही रिलीज हो चुका था पर इस ट्रेलर में उनका किरदार और बेहतर निखर कर सामने आया है। आमतौर पर जल्दी-जल्दी डायलॉग बोलने वाले रणबीर, राम के किरदार में ढलते ही शांत हो गए।

फिल्म के उन्हें युवा अवस्था में भी दिखाया है और हर रूप में उनको बढ़े ही सलीके से पेश किया गया। ट्रेलर में पहली बार सीता माता के रोल में साई पल्लवी और लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे की झलक मिली है। हालांकि, हिंदी में जो एकमात्र डायलॉग साई पल्लवी ने ट्रेलर में बोला है, वो थोड़ा सा खटकता है। मेकर्स को जरूरत है कि वो उनकी हिंदी किसी बेहतरीन वॉइस ओवर आर्टिस्ट से डब करवाएं। शूर्पणखा बनीं रकुल प्रीत की भी झलक मिली और लक्ष्मण के किरदार में रवि दुबे उनकी नाक काटते भी नजर आए। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। जहां 'रामायणः पार्ट 1' दिवाली 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं इसका दूसरा भाग 'रामायणः पार्ट 2' ठीक एक साल बाद दिवाली 2027 में रिलीज करने की योजना है।

भूमि हुईं भगवान शिव की आराधना में लीन

मुंबई। सावन का महीना शुरू हो गया है और बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आ रही हैं। दरअसल, गुरुवार के दिन उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो और कुछ फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वे शिवलिंग पर जल अर्पित करती दिख रही हैं। हालांकि, उनके लुक ने लोगों को खफा कर दिया और वे अब उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। सामने आए वीडियो में भूमि पेडनेकर ब्लैक टॉप और ब्लू डेनिम

जीन्स पहनकर पूजा करती नजर आ रही हैं। हालांकि, लोगों को इससे कोई समस्या नहीं है। वे कह रहे हैं कि शिवलिंग पर जल चढ़ाते वक्त भूमि ने काला चश्मा क्यों पहना है। उन्हें लग रहा है कि भूमि पूजा करने नहीं बल्कि फोटोशूट कराने गई हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में अपनी नाराजगी जाहिर की। एक यूजर ने लिखा, 'कोई जरूरत है ऐसे चश्मा लगा के पूजा करने की हद है।' दूसरे यूजर ने कहा, 'महादेव की भक्ति से ज्यादा तो ये फोटोशूट लग रहा है... कृपया ऐसी चीजें पोस्ट न करें।'

तेरा साईं का पोस्टर रिलीज संजय निभाएंगे लीड रोल

मुंबई। संजय मिश्रा पर्दे पर साईं बाबा की भूमिका में नजर आएंगे। वे फिल्म 'तेरा साईं' में यह रोल करने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन पलाश मुछाल करेंगे। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें संजय मिश्रा को साईं बाबा के रूप में देखा जा सकता है। पलाश मुछाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का पोस्टर साझा किया ह साथ उन्होंने लिखा है, 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे

नमः' ॥ बता दें कि संजय मिश्रा के अलावा इस फिल्म में सयाजी शिंदे, मनोज जोशी, ओंकारदास मानिकपुरी, अविकागोर और रोहन मेहरा भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'तेरा साईं' हिंदी, मराठी, तेलगु और तमिल भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

यह फिल्म अगले साल यानी 2027 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, अभी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है। इस साल अप्रैल में पलाश ने इस फिल्म का ऐलान किया था।

कातिल अदाओं से कहर ढाती हैं 'बबीता जी'

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ने 18 साल पूरे कर लिए है। शो सालों से फैंस को एंटरटेन कर रहा है। शो की स्टारकास्ट को भी काफी पसंद किया जाता है। हर कैरेक्टर की अपनी एक अलग पहचान बन गई है। एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता को भी बहुत पसंद किया जाता है। वो शो में बबीता जी के रोल में हैं। मुनमुन शो में एक मॉडर्न और फैशनेबल महिला के रोल में हैं। जो अपनी फिटनेस का बहुत ख्याल रखती है।

अलायंस के सेट पर पहुंचे सलमान, सोहेल से की बातचीत

नई दिल्ली। सलमान खान हाल ही में रियलिटी शो 'अलायंस' के सेट पर एक खास मेहमान के तौर पर पहुंचे। बॉलीवुड सुपरस्टार अपने छोटे भाई सोहेल खान से मिलने आए थे। सोहेल खान इस कॉम्पिटिशन में वाइल्ड-कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुए थे। सलमान शो में सोहेल का हौसला बढ़ाने और फिनाले के करीब आने पर उन्हें गाइड करने के लिए आए। 'अलायंस' के सेट पर पहुंचे सलमान खान पैपराजी का अभिवादन किया। उन्होंने कैजुअल डेनिम आउटफिट में तस्वीरें खिंचवाईं, जिसके साथ उन्होंने काउबॉय हैट पहनी थी। खबरों के मुताबिक, सलमान ने सेट पर सोहेल के साथ बातचीत करते हुए लगभग एक घंटा बिताया। इस दौरान, उन्होंने अपने भाई को गेमप्ले बेहतर बनाने के लिए टिप्स और गाइडेंस दी, क्योंकि कॉम्पिटिशन अब अपने आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ रहा है। सोहेल की एक्स-वाइफ सीमा सजदेह भी 'अलायंस' में वाइल्ड-कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुई थीं, लेकिन हाल ही में शो से एलिमिनेट हो गईं। शो से बाहर होने से पहले, उन्होंने साथी कंटेस्टेंट कुशल टंडन से उन्हें बाहर करने का अनुरोध किया था। उनके फैसले का सम्मान करते हुए, कुशल ने सीमा को एलिमिनेट करने और डेजी शाह को बचाने का फैसला किया।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment
आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेढ़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019.(आरो-891)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- डोर टू डोर मार्केटिंग कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 10,000 से 12,000/- तक पता:- सुंदर नगर एक्सिस बैंक के पास रायपुरा चौक, रायपुर Mob. 7247508331, 8435887784. (आरो-610)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व हेल्पर तथा कम्प्युटर में बिल बनाने हेतु कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। 10-15 लड़के चाहिए। मिलने का समय: दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30, प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी, रायपुर, संपर्क: 9425506658, 9424200658, 9977252503.(RO-7272)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

शिक्षिक

आवश्यकता है- अध्यापन कार्य हेतु कक्षा पहली से दसवीं तक हिंदी माध्यम में सभी विषयों हेतु शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। पता- देव्यानी पब्लिक स्कूल, डूण्डा बाजार चौक, रायपुर मोबाइल- 9303013584. (आरो-404)

Wanted- Teachers Requirements For Ashwani Nagar / Sattibazar Raipur Convent Hr.Sec. School- 1st to 5th - EVS, Computer, 6th to 10th- English, Computer, Science, Clerk, Computer Operator & 11th-12th Physics, Chemistry. Principal For Interview 03-08-2026, 10.00AM in Ashwani Nagar, Raipur PH: 0771-2241548. (आरो-160)

कारीगर

आवश्यकता है- जेंट्स टेलरिंग शॉप में पेंट सिलाई कार्य के लिए अनुभवी पेंट मेन कारीगर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसा, संपर्क करें- नेशनल टेलर्स छोटापारा 8109669000, 07712223107. (आरो-216)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु 10-12 लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसा । संपर्क करें- लाईट एन लाईट, जवाहर नगर चौक, एमजी रोड, रायपुर (आरो-16579)

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन 11,000 रूपये प्रतिमाह, अपने परिचय पत्र के साथ मिले- श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार, रायपुर, फोनः 7224926767. (आरो-044)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- रिसर्च बेस आयुर्वेदिक दवाईयों के प्रमोशन हेतु छत्तीसगढ़ के सभी तहसील स्तर मे डाक्टर्स, नर्स, मेडिकल प्रोफेशनल की आवश्यकता है :- सेलरी + कमीशन २००००/- से- ५००००/- 91657-33916, 97135-17535. (आरो-418)

फील्ड/अकाउंटेन्ट

आवश्यकता है- ऑफिस एवं फील्ड कार्य हेतु युवक युवती चाहिए- 02 पोस्ट। एकाउंटेंट-01 पोस्ट।वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा सहित मिले सम्पर्क सी-115 हर्षित निर्यो सिटीअमलेश्वर दुर्ग मोबाइल 9479249000. (आरो-398)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- होलसेल रेडीमेड कपड़ो की दुकान में कार्य हेतु सेल्समैन,पुरूष एंव महिलाकर्मी संपर्क करें राजेश होजियरी रेमंड शॉप के पीछे मेन रोड पंडरी रायपुर 9407923601, 9826908201. (आरो-249)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट हेतु योग्य अभ्यर्थियों की आवश्यकता है- लेखा सहायक (पुरुष) -01 पद, रिसेप्शनिस्ट (महिला) - 01 पद, बिल्डिंग सुपरवाइजर (पुरुष) -01 पद, असिस्टेंट बिल्डिंग सुपरवाइजर (पुरुष) -01 पद, योग्यताः संबंधित कार्य का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता संपर्क करें:- न्यू कचना रोड, अवंति विहार, रायपुर 8319536251, 7838508429.(आरो-051)

आवश्यकता है- कार्य करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता है। रामनगर गुढ़ियारी के निवासी को प्राथमिकता दी जाएगी कार्य का समय सुबह 11:30 से शाम 6:30 तक वेतन 400/- प्रतिदिन संपर्क 6260088185. (आरो-108)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35)की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरो-208)

Finance
फायनेंस

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। संपर्क:- 7988465321, 7988465321. (आरो-049)

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
-CMA Data -Balance Sheet -प्रोजेक्ट रिपोर्ट
-फूड लाइसेंस -Income Tax Audit -TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1 आदर्श विद्यालय के पीछे, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनाएं 9300755544, 8878655544

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

जैकेट के शेष

राष्ट्रपति बोलीं- बस्तर में ....

अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में परगना मांझी और चालकी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वे समाज और प्रशासन के बीच एक प्रभावी सेतु हैं। उनके नेतृत्व से समाज में शांति, समृद्धि और खुशहाली को नई मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रपति भवन में ....

परोस कर खिलाया। उनसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा भी जताई। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने बस्तर की 300 साल पुरानी 'झिटकू-मिटकी' प्रसिद्ध जनजाति कलाकृति भेंट की, जिसे देखकर राष्ट्रपति अभिभूत नजर आईं।

मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल में गृहमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागी, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधि, पद्मश्री सम्मानित विभूतियाँ, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर आत्मीयता का परिचय दिया।राष्ट्रपति ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से आत्मीय एवं अनौपचारिक चर्चा करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था तथा बस्तर पंडुम के आयोजन से जुड़े अनुभवों की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव श्री राहुल भगत, विशेष सचिव व जनसम्पर्क आयुक्त रजत बंसल, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ एस भारतीदासन, बस्तर संभाग के आयुक्त डोमन सिंह, संस्कृति एवं राजभाषा के संचालक संजय कन्नौजे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी साथ थे।

शाह ने कहा-प्रसन्नता हो रही : इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वे कई बार राष्ट्रपति भवन आए हैं, लेकिन पहली बार राष्ट्रपति भवन में बस्तर की पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में इतने बड़े प्रतिनिधिमंडल को देखकर उन्हें विशेष प्रसन्नता हुई।

बस्तर आने का आग्रह ....

पुनर्जागरण की नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों ने हमारी जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा दिलाई है।

गरियाबंद सीमा पर ....

का पानी नवापार में घुसने से करीब ढाई सौ लोगों को घर छोड़ना पड़ा है। यहां के चार वार्ड बारिश से प्रभावित हैं।

बीजापुर जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते इंद्रावती नदी उफान पर है। गुरुवार शाम 5 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार नदी का जलस्तर 15.600 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 3.10 मीटर ऊपर है। जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने नदी तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है।

बारिश का कहर: 9 ....

अचानक ढह गया हालांकि घटना की तकनीकी कारणों की अधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। पुल गिरने से अमली गांव सहित आसपास के ग्रामीणो की परेशानी बढ़ गई है। यह पुल छत्तीसगढ़ और ओड़िशा के बीच आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला था। अब निर्माण कार्य पर भी बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग की नजर पूरे मामले पर है। पुल गिरने के कारणों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि हादसा केवल प्राकृतिक आपदा का परिणाम है या निर्माण गुणवत्ता मे भी कोई कमी रही।

मद्देड़ की बालक ....

कमरे में खड़े होने लायक जगह नहीं बची है। इस स्कूल में कुल 14 छात्र-छात्राएं दर्ज हैं। सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी वेंकटेश्वर दुद्दी ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने शाला के संचालन को अस्थायी रूप से ग्राम पंचायत भवन में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए।

लगातार बारिश से ....

803 क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में आ रहा है। इसके अलावा पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से पानी शिवनाथ नदी में लगातार आ रहा है। जलसंसाधन विभाग के हिसाब से मोंगरा जलाशय से 7860 क्यूसेक, घूमरिया जलाशय से 1650 क्यूसेक,सूखा नाला जलाशय से 2200 क्यूसेक और खातूटोला जलाशय से 2093 क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में छोड़ा गया है।

सिहावा महानदी पुल ....

सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह से ही पुल पर पानी का स्तर तेजी से बढ़ रहा था। दबाव के कारण एक तरफ की रैलिंग टूटकर नदी में बह गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पुल के दोनों ओर तुरंत बैरिकेडिंग कर आवागमन रोका जाए ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। राहत और बचाव दल को मौके पर भेजकर स्थिति का जायजा लिया जाए। पानी कम होने के बाद पुल की मरम्मत युद्ध स्तर पर कराई जाए।

नदी किनारे स्थित ....

फिलहाल बंद हो गए हैं। कई स्थानों पर पानी भर जाने और पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने के कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। इससे आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और लोगों के आवागमन पर भी असर पड़ा है।

बारेगुड़ा और वरदल्ली मार्ग पर बनी पुलिया के ऊपर बाढ़ का पानी बहने के कारण कई गांवों का संपर्क ब्लॉक मुख्यालय भोपालपट्नम से टूट गया है। कुछ स्थानों पर लोगों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है, जबकि कई क्षेत्रों में आवागमन पूरी तरह बंद है।

आरोपी की पत्नी .....

निर्माणाधीन मकान वैध है, उस मकान के दस्तावेज जमा करने के लिए 29 जुलाई तक का समय दिया गया था, लेकिन बृहस्पतिवार को उन्होंने और मोहलत मांगी। सचिव ने बताया कि सुप्रिया मिश्रा को और एक सप्ताह का समय दिया गया है। एडीए ने सुप्रिया के नाम पर एक मकान के कथित अनाधिकृत निर्माण को लेकर दो जुलाई को उन्हें नोटिस जारी किया था। एडीए सूत्रों के मुताबिक, निर्माणाधीन मकान सोहावल तहसील के बनवीरपुर गांव में स्थित है। वह जमीन लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर खरीदी गई थी और विकास प्राधिकरण से आवश्यक मंजूर लिए बगैर निर्माण कार्य शुरू कराया गया।

भूपेश को हाईकोर्ट ....

पहुंचाया जा सकें। जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद एजेंसी ने भूपेश बघेल सहित अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश, जालसाजी और कथित आपत्तिजनक इलेक्ट्रानिक सामग्री के प्रसारण जैसी धाराओं में आरोप पत्र दाखिल किया। मार्च 2025 में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट ने यह कहते हुए भूपेश बघेल को आरोपमुक्त कर दिया था कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य नहीं है। लेकिन जनवरी 2026 में सीबीआई की विशेष अदालत ने उस आदेश को पलटते हुए उनके खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया। इसी आदेश को भूपेश बघेल ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद सीबीआई की विशेष अदालत में चल रही आगे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई में हाईकोर्ट यह तय करेगा कि विशेष अदालत का आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ है या नहीं।

कोर्ट में दी ....

ठहरना आपराधिक साजिश का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही उनके खिलाफ जालसाजी या कथित सीडी के प्रसार में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष भूमिका का भी कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं है। भूपेश के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में कहा कि गवाहों के बयान सिर्फ यह बताते हैं कि उन्होंने सह-आरोपी विनोद वर्मा की गिरफ्तारी के विरोध में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की थी। याचिका में दावा किया गया कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो कि उन्होंने स्वयं उस प्रेस कांफ्रेंस में कथित आपत्तिजनक सीडी का वितरण किया था।

छग में एनालॉग पनीर ....

रहे नकली पनीर निर्माण और इससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। शादी-ब्याह सहित बड़े आयोजनों में थोक में इसका इस्तेमाल होता है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग नियमित रूप से तय मापदंडों के आधार पर एनालॉग पनीर ना बनाने वालों पर कार्रवाई कर रहा था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार ना होता देख अब अंततः इसे पूर्ण रूप से बैन कर दिया गया है।

एक वर्ष में 5 हजार ....

सामने आते रहे हैं। बीते एक वर्ष में केवल रायपुर में ही पांच हजार से अधिक का एनालॉग पनीर जब्त कर नष्ट किया जा चुका है, इनमें से अधिकतर गंदगी के बीच खतरनाक पदार्थों के निर्माण से बन रहे थे।

'गौमूत्र ' टिप्पणी पर ....

पैदा करता है। प्रोफेसर कामकोटि भारत के प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में से एक के प्रमुख हैं। पत्र में कहा गया, हर शिक्षाविद की तरह उन्हें भी परिकल्पनाएं पेश करने, पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने और वैज्ञानिक संवाद में भाग लेने का अधिकार है। पत्र में कहा गया, किसी विद्वान के विचारों के सार पर चर्चा करने के बजाय केवल एक ठप्पा लगाकर उसे खारिज करना उस वैज्ञानिक दृष्टिकोण को कमजोर करने का खतरा पैदा करता है, जिसे विकसित करना संविधान प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताता है। पत्र में कहा गया, ''वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मतलब केवल असामान्य विचारों के प्रति संदेह रखना नहीं है, बल्कि किसी दावे को स्वीकार करने या खारिज करने से पहले उसका निष्पक्ष रूप से परीक्षण करने की इच्छाशक्ति भी है।

देश के शीर्ष ....

इंजीनियरिंग में एम.एस. और पीएच.डी. की डिग्री ली है। उनके नाम 150 से अधिक शोध पत्र और 50 से अधिक आर एंड डी प्रोजेक्ट्स हैं।

70 हजार रुपए लेकर दी नकली मार्कशीट-डिग्री

पुणे यूनिवर्सिटी का कर्मचारी फर्जी डिग्री बेचते पकड़ाया

पुणे। महाराष्ट्र की सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी (एसपीपीयू) ने फर्जी डिग्री और मार्कशीट बनाने के आरोप में अपने एक कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया है। आरोपी कर्मचारी की पहचान रमेश मुखेकर के रूप में हुई है, जो यूनिवर्सिटी के अकाउंट्स विभाग में तैनात था। यूनिवर्सिटी ने मामले की शिकायत पुलिस से भी की है। यूनिवर्सिटी के मुताबिक, मुखेकर ने एक छात्र से 70 हजार रुपए लेकर असली डिग्री और मार्कशीट दिलाने का वादा किया था।

बाद में उसने छात्र को व्हाट्सऐप पर बीकॉम की डिग्री और मार्कशीट की तस्वीरें भेजीं, लेकिन जांच में पता चला कि दोनों दस्तावेज फर्जी थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ने परीक्षा प्रणाली की जानकारी का इस्तेमाल कर नकली दस्तावेज तैयार किए। मामले की गंभीरता को देखते हुए परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड के निदेशक डॉ. राजेंद्र तलवारे ने चतुर्शृंगी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब यह जांच करेगी कि इस फर्जीवाड़े में कोई और व्यक्ति या पूरा गिरोह शामिल था या नहीं।

// त्रुटि सुधार //

हरिभूमि के रायपुर संस्करण में दिनांक 28.07.2026 को प्रकाशित कार्यालय नगर पंचायत मगरलोड भैंसमुण्डी जिला धमतरी (छ.ग.) के सरल क्र. 07 में वार्ड क्र. 04 मे दिनेश दुकान से लुगे रोड तक पेवर ब्लॉक स्थापना कार्य के स्थान पर **वार्ड क्र. 04 मे दिनेश दुकान से लगे रोड** तक पेवर ब्लॉक स्थापना कार्य त्रुटिवश प्रकाशित हो गया है। जिसे सुधार कर लगे रोड के जगह लुगे रोड पढ़ा जाये।

प्रबंधक

कार्यालय नगर पंचायत गीदम, जिला द.ब. दंतेवाड़ा (छ.ग.)

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 1159 /लो.नि.वि./न.पं./2026–27 गीदम, दिनांक 24/07/2026

नगर पंचायत गीदम द्वारा छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था–ई रजिस्ट्रेशन में "डी" एवं ऊपर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ई-टेंडर क्रमांक	कार्य का विवरण	निविदा राशि	धरोहर राशि
1	196146	मुक्ति धाम मे आवश्यक मूलभूत सुविधाओ हेतु निर्माण कार्य।	49.07	37000.00

निविदा प्रपत्र पर ऑनलाईन वेबसाईट Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27/07/2026 को सांय 8:00 बजे से देखे / क्रय एवं निविदा की कार्यवाही किये जा सकते हैं। अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा विवरण उपरोक्त वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती है। धरोहर (अमानत) राशि एवं निविदा प्रोसेसिंग फीस हेतु निर्धारित राशि को ऑन लाईन जमा कर पावती को सिस्टम टेण्डर में अपलोड करना अनिवार्य है। किसी प्रकार की संशोधन किये जाने पर पृथक से सूचना प्रकाशित नहीं की जायेगी, कृप्या वेबसाईट का अवलोकन कर निविदा की कार्यवाही करें।

टीप:- निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने हेतु सक्षम श्रेणी पंजीकृत ठेकेदारों को उक्त वेबसाईट में पंजीकरण अनिवार्य है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत गीदम
जिला द.ब. दंतेवाड़ा (छ.ग.)

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. CAOCRSPBBS-38-2026

कार्य का नाम: खोरधा रोड मण्डल के अधीन हावड़ा-विशाखापट्टनम मेन लाइन में गोलन्था-सुरला रोड स्टेशन के बीच कि.मी. 614/21-23 पर स्थित समपार सं. 322 के बदले में रेलवे के हिस्से के लिए (1 X 36.0 M + 1 X 18.0 M) कम्पोजिट गर्डर (ब्रिज प्रॉपर) एवं कि.मी. 614/23-25 पर राज्य के हिस्से में गोलन्था / NH-16 पर 5 X 18 M RCC गर्डर और 13 X 18.0 RCC गर्डर के रोड ओवर ब्रिज का निर्माण (केवल रेलवे हिस्सा)।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 20,76,07,724.55, EMD (रुपये में) : 41,52,200/-, पूरा होने की अवधि: 18 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 18.08.2026, **निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 01.09.2026 को 1200 बजे।**

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/ RSP/भुवनेश्वर

PR-156/CJ/26-27

कार्यालय नगर पंचायत बारसूर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

EmailId barsoorcmo@gmail.com

क्रमांक / 646 / लो. नि.शा./ न.पं. / 2026-27 बारसूर, दिनांक 29/07/2026

ई-प्रोक्युरमेंट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

Main Portal : (https://eproc.cgstate.gov.in)

नगर पंचायत बारसूर द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	196357	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and Construction of Compost Plant in Municipal Areas of Barsur, Chhattisgarh.	26.67	14.08.2026

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के मेन पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है साथ ही अन्य विवरण एवं विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से संपर्क की जा सकती है अथवा कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बारसूर, जिला- द.ब. दंतेवाड़ा (छ.ग.)

-: नियुक्ति :-

जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर

सेवावर्धिनी वन-जन विकास फेलोशिप -2026

छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में **PESA**, वनाधिकार अधिनियम (**FRA**) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्राम सभा को सशक्त बनाने हेतु जिला फेलो एवं फेलोशिप समन्वयक के पदों पर आवेदन आमंत्रित हैं।

कार्यक्षेत्र: सुकमा, कबीरधाम एवं नारायणपुर **अवधि:** 12 माह

मानदेय: जिला फेलो-₹27,000 प्रतिमाह (यात्रा एवं संचार सहायता सहित)

फेलोशिप समन्वयक- ₹30,000 प्रतिमाह तथा स्वीकृत आधिकारिक यात्रा व्यय

न्यूनतम योग्यता: जिला फेलो/सामाजिक कार्य/ग्रामीण विकास/समाजशास्त्र/जनजातीय अध्ययन/वानिकी/विधि आदि में स्नातक।

फेलोशिप समन्वयक- संबंधित विषय में स्नातकोत्तर तथा न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव।

विशेष वरीयता: PESA, FRA, ग्राम सभा, परियोजना प्रबंधन एवं सामुदायिक विकास का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को।

आवेदन की अंतिम तिथि: विज्ञापन प्रकाशन से 15 दिवस के भीतर आवेदन भेंजे

सेवावर्धिनी छत्तीसगढ़- शबरी कन्या आश्रम परिसर, द्वारा वनवासी विकास समिति,कल्याण आश्रम, रोहिणीपुरम, रायपुर- 492010

विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रारूप हेतु:

E-mail:sevavardhini3612@ gmail.com

अथवा मो. न.9425567769, 9826184197, 9893961200 पर संपर्क करें

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ओगेश्वर सिन्हा, पुत्रः पुनाराम सिन्हा, प्रोपराइटर ऑफ मेसर्स राज कृषि केंद्र, निवासीः मकान नंबर–104, बाजार चौक, वार्ड नंबर–3, इंदौरी इंदोरी कबीरधाम इंदोरी, छत्तीसगढ़–491336 और जय कॉम्प्लेक्स, नवीन बाजार, कवर्धा तहसील–कवर्धा कबीरधाम, छत्तीसगढ़–491995** ने **CC No: 5148/18, U/s: 138 NI Act, पुलिस थाना प्रशांत विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ओगेश्वर सिन्हा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ओगेश्वर सिन्हा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना प्रशांत विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **ओगेश्वर सिन्हा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.11.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अमरदीप कौर
एलडी. एसीजेएम (उत्तर), कमरा नंबर 117, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10056/RD/2026

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक / लो.क.वि./2026/940 रिसाली दिनाँक 28/07/26

नगर पालिक निगम रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्रं.	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1.	वार्ड क्र. 22 मैत्री कुंज, वार्ड क्र. 23 एवं डुण्डेरा में जल आपूर्ति हेतु ओवर हैड टैंक का निर्माण कार्य।	196260	299.82	18.08.2026

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन डी.डी, धरोहर राशि एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदाकार की निविदा अमान्य किया जावेगा तथा दर को नहीं खोला जावेगा।)

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रिसाली

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN: L65910KL1992PLC006623, **Registered Office :** W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 17/08/2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

धमतरी, बस्तर रोड धमतरी, 0134150700013132, 3535, 3747, 4529, 0134150730014568, 5918, 5940, 5961, 6025, 6819, 6930, 0878, 0879, 0880, 0882, 0890, सदर बाजार धमतरी, 0131990700012428, 0131990730008120, दुर्ग, चारोदा स्क्वेयर भिलाई, 0134110700018976, 9136, 9425, 9543, 0210, 0328, 0501, 0531, 0599, 0846, 0933, 0982, 1022, 1158, 1241, 1242, 1322, 1405, 1450, 1465, 0134110730026309, 8614, 8954, 9948, 0370, 0557, 1002, 1720, 2623, 2696, 3122, 3146, 3182, 3388, 0696, 0701, 0702, 0704, चौहान एस्टेट, 0115880700025127, 5403, 6388, 6396, 6643, 6727, 6920, 6955, 7038, 7091, 7362, 7379, 7415, 0115880730029580, 2261, 2678, 2885, 3061, 3819, 3836, 3837, 3838, 4059, 4596, 6642, 2544, 2551, 2552, 2555, 2556, 2557, 2560, 2563, गुरुद्वारा स्टेशन रोड, 0112310700022113, 3341, 5643, 5671, 5680, 5733, 5825, 5848, 5850, 6016, 6038, 6048, 6113, 6258, 6274, 6393, 0112310730041690, 3167, 3580, 4013, 5600, 5909, 6023, 6560, 7898, 8004, 1851, 1853, 1854, 1856, कृष्णा थियेटर रोड, 0125930700023676, 3906, 4249, 4382, 5062, 5078, 5177, 5200, 5225, 5343, 5346, 5431, 5481, 5646, 5764, 5780, 6450, 0125930730021496, 1779, 1783, 3588, 4047, 4077, 4187, 5195, 5617, 9111, 9115, 9118, 9119, 9121, 9122, महाराजा चौक, 0116770700016603, 6764, 6804, 6880, 7048, 7110, 7117, 7216, 7272, 7333, 7387, 8217, 8221, 0116770730020857, 0884, 1760, 1855, 1992, 2449, 2500, 2603, 4618, 4680, 4706, 4707, 4709, 0100, 0101, 0103, 0109, 0110, 0113, 0115, मालवीय नगर चौराहा, 0116610700018874, 8888, 0116610730034356, 0483, नेहरू नगर भिलाई, 0125780700020885, 1431, 2066, 2172, 2254, 2354, 2436, 2640, 2688, 0125780730023983, 5344, 5545, 6232, 3386, 3395, 3396, न्यू बस स्टैंड दुर्ग, 0126220700016944, 7066, 7546, 8035, 8061, 0126220730016739, 7078, 7716, 7807, 7853, 8244, 9388, 9661, 4648, 4649, 4656, पावर हाउस चौक भिलाई, 0134030700034043, 5045, 5063, 5100, 5134, 5330, 5471, 5625, [illegible] 2801, 2834, 3277, 3307, 3375, 3478, 2043, 2053, 2054, 2062, 2068, 2070, 2073, 2075, 2077, 2083, तेलीबांधा रायपुर, 0123840700026964, 7028, 7376, 7494, 7678, 8143, 8375, 8391, 8420, 8673, 8764, 8786, 8864, 8970, 9107, 9173, 9181, 0123840730021929, 5112, 5781, 5844, 6000, 6337, 6421, 6451, 6775, 6929, 7237, 7608, 8577, 8614, 4285, 4299, 4300, 4305, राजनांदगांव, डोंगरगढ़ राजनांदगांव 0133670700011542, 2298, 2465, 2935, 0133670730087120, 3877, 3880, लालबाग राजनांदगांव, 0133880700018624, 8677, 8736, 8849, 9296, 9757, 9932, 9952, 0022, 0117, 0533, 0542, 0133880730042434, 3576, 5426, 3350, 3357, 3358, 3359, 3365,

ऊपर बताई गई नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्तियों को नीचे दी गई बातों का पालन करना होगा: इच्छुक बोली लगाने वालों को नीलामी के दिन ही एनईएफटी/आरटीजीएस के ज़रिए 10,000/– रुपये ईएमडी (जो बोली हारने वालों को वापस कर दिया जाएगा) जमा करना होगा। बोली लगाने वालों के पास वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड होना चाहिए। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया 9072607147 पर संपर्क करें।

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु

पेज एक के शेष

भावुक होकर कहा-मेरे लिए ...

वाले 38 वर्ष के रहाणे ने 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 खेले हैं। वह 2023 में वेस्टइंडीज में टेस्ट श्रृंखला के बाद भारत के लिये नहीं खेले हैं । उन्होंने इस साल आईपीएल के दौरान भी हालांकि कहा था कि उन्होंने वापसी की उम्मीद छोड़ी नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो संदेश में कहा, जीवन का सत्य यही है कि हर शुरूआत का एक अंक होता है। जब समय आ जाये तो आपको उसका सम्मान करके आगे बढ़ जाना चाहिये। मैंने बल्लेबाजी में हमेशा टाइमिंग पर भरोसा किया है और मुझे इसका महत्व पता है। उन्होंने कहा, मुझे आज लग रहा है कि आगे बढ़ने का सही समय है, इसलिए मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से विदा ले रहा हूं।

भारत को तीसरा गोल्ड, अब ...

ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के केविन सैंटोस ने 10.85 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया।

अब मंदिर, ट्रस्ट के लिए भी एग्री-स्टैक ...

पंजीयन से छूट प्राप्त थी, उन्हें अब निर्धारित प्रारूप में आवेदन भरकर पंजीयन कराना होगा। यह प्रारूप संबंधित तहसीलदार कार्यालय, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अथवा जिला खाद्य शाखा से प्राप्त किया जा सकता है। आवश्यक जानकारी जमा करने के बाद ही ऐसी संस्थाएं समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए पात्र होंगी।

संसद में बिल पर मुहर, पीएम मोदी बोले..

पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून की जरूरत थी। इसी उद्देश्य से सरकार संसद में यह विधेयक लेकर आई। उन्होंने आगे कहा कि जैसा उन्होंने देश से वादा किया था, वैसे ही पिछले दो दिनों में संसद के दोनों सदनों में बड़ी संख्या में सांसदों ने इस विधेयक पर विस्तार से चर्चा की और आज दोनों सदनों ने सख्त प्रावधानों वाले इस विधेयक को पारित कर दिया।

6 घंटे की मशक्कत ...

के आवेदन पर पिता के द्वारा हस्ताक्षर नहीं करने से परेशान था। 30 जुलाई की सुबह 9 बजे दो जज, सिविल लाइन पुलिस, एसडीआरएफ की टीम केन्द्रीय जेल पाकशाला पहुंच गए। जज व परिजन की उपस्थिति में एसडीआरएफ की टीम सीढ़ी, कुर्सी, जैक, तार काटने के कटर से कन्टेनर से शव बाहर निकालने में लग गए। अथक प्रयास के बाद भी एसडीआरएफ की टीम कन्टेनर के लोहे का चादर नहीं तोड़ पाई।

कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल लाइन, ...

उपक्रम के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज़ व्हीकल का गठन किया जाएगा।

यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव के साथ केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे भी इस अवसर पर उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक, खनिज एवं कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात सुविधा का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, व्यापार, पर्यटन, कृषि विपणन, जनजातीय अंचलों के विकास तथा क्षेत्रीय संतुलित प्रगति से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल अधोसंरचना के अभूतपूर्व विस्तार का लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र सरकार के साथ पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर रही है।

रावघाट परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कार्रवाई पूरी : बैठक में रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 140 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है तथा रेलवे द्वारा निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

इन रेल मार्गों का सर्वे : बैठक के दौरान किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किलोमीटर) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया, जिससे बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो सके तथा विकास एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को गति मिले।

रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे : मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा, केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, नई रेल परियोजनाएं प्रदेश के औद्योगिक विकास, खनिज परिवहन, कृषि उत्पादों की सुगम आवाजाही, पर्यटन संवर्धन और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ का रेल नेटवर्क आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत होगा तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई गति मिलेगी।

शब्द पहेली - 6303

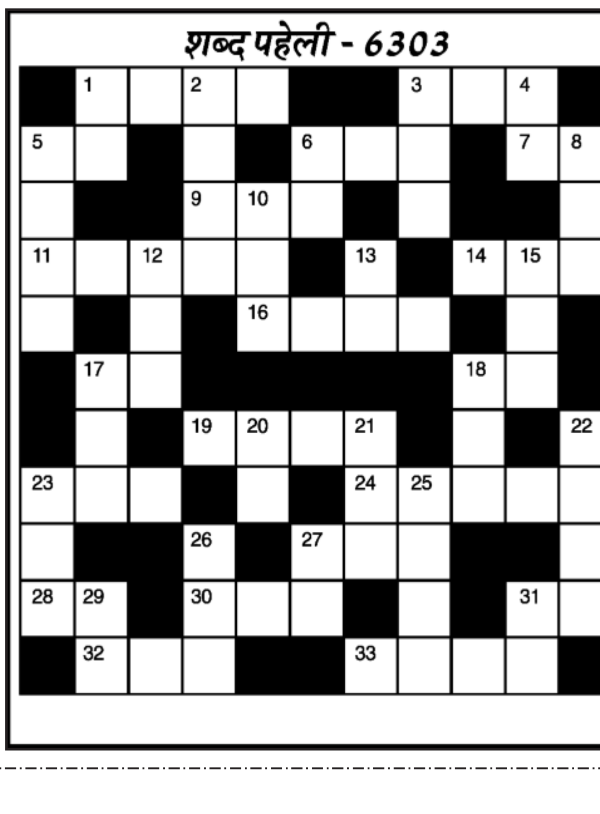

बाएँ से दाए
1. मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश,खानदान-2
6. आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी,इच्छा,चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास,नौकर,सेवक-5
14. अग्नि,आग-3
16. चयनित,स्वीकृत-4
17. जाति,संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत,व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश,अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान,माइन-2
32. आश्रय,पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे
1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में,अधर में-2,2
3. आफत,आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति,चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम ,आसक्ति-3
13. नीर,जल-2
15. भाग्य,तकदीर-3
17. जंबुल,जांब-3
18. टेंशन,परेशानी-3
20. काया,बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी,रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा,चोंचला-3
27. पूड़ी,गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली- 6302 का हल

सूडोकु नवताल- 6313

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल- 6312 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

बिजनेस साइट

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज का रायपुर में सिटी ऑफिस शुरू

रायपुर। श्री शंकराचार्य ग्रुप द्वारा संचालित भिलाई के दो प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में अभिभावकों और विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रायपुर के करेंसी टावर, राम मंदिर में एडमिशन काउंसिल के नए सिटी ऑफिस का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन सोसाइटी के चेयरमैन आई.पी. मिश्रा ने किया।

ग्रुप के अंतर्गत संचालित श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसएसआईएमएस) में एमबीबीएस की 250 तथा अभिषेक मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में 200 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। आई.पी. मिश्रा ने कहा कि रायपुर में सिटी ऑफिस शुरू होने से राजधानी और आसपास के जिलों के विद्यार्थियों व अभिभावकों को प्रवेश प्रक्रिया, काउंसलिंग और पाठ्यक्रम संबंधी सभी जानकारियां एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। इससे उन्हें भिलाई जाने की आवश्यकता भी कम होगी।

कार्यक्रम में डॉ. गुरजीत सिंह, निशांत त्रिपाठी, प्रिंसिपल डॉ. आलोक जैन, प्रिंसिपल डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. आर.के. मिश्रा, डॉ. धीरेन्द्र, डॉ. योगेश, डॉ. अभिषेक, डॉ. प्रेमिशा सहित शिक्षाविद, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

सोलर एंड स्टोरेज एक्सपो में आइकॉन सोलर की अत्याधुनिक सौर तकनीक का प्रदर्शन

रायपुर। मध्य भारत की अग्रणी सोलर पैनल निर्माता कंपनी आइकॉन सोलर ने रायपुर के सायाजी होटल में आयोजित सोलर एंड स्टोरेज एक्सपो 2026 में अपनी नवीनतम सौर ऊर्जा तकनीकों का प्रदर्शन किया। कंपनी एक्सपो में बूथ नंबर 31 एवं 32 पर एन-टाइप टॉपकॉन, जी ट्वेल्व आर, सिक्स टू फाइव वॉट-पीक, डीसीआर तथा नॉन डीसीआर उच्च दक्षता वाले सोलर मॉड्यूल प्रदर्शित कर उद्योग जगत को अत्याधुनिक सौर समाधान उपलब्ध करा रही है। करीब 3.2 गीगावॉट वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ आइकॉन सोलर देश के तेजी से उभरते सौर विनिर्माताओं में शामिल है। कंपनी अत्याधुनिक स्वचालित विनिर्माण प्रक्रिया, 100 प्रतिशत गुणवत्ता परीक्षण, 12 वर्ष की प्रोडक्ट वारंटी और 27 वर्ष की परफॉर्मेंस वारंटी के माध्यम से विश्वसनीय एवं उच्च गुणवत्ता वाले सोलर मॉड्यूल उपलब्ध करा रही है। कंपनी का उद्देश्य भारत को स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाना है। इसी लक्ष्य के अनुरूप एक्सपो में प्रदर्शित उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के साथ दीर्घकालिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं।

विशेषज्ञों ने विशेष रूचि दिखाई

एक्सपो के दौरान ईपीसी कंपनियों, सोलर डेवलपर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, डीलर्स तथा ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने आइकॉन सोलर के उत्पादों और तकनीकी समाधानों में विशेष रुचि दिखाई। कंपनी के प्रतिनिधियों ने आगंतुकों को नवीनतम तकनीकों, उत्पादों की विशेषताओं और उनके व्यावसायिक उपयोग से संबंधित विस्तृत जानकारी भी प्रदान की।

विदेशी पूंजी के प्रवाह से सेंसेक्स 274 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ के साथ बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली और विदेशी पूंजी के प्रवाह से बीएसई सेंसेक्स 274 अंक चढ़ा एनएसई निफ्टी में 67 अंक का लाभ रहा। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद अंतिम घंटे में लिवाली से तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 273.55 अंक की बढ़त के साथ 77,928.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 566.18 अंक का उतार-चढ़ाव आया।

लोहिया कॉर्प का शेयर आठ प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। औद्योगिक मशीनरी विनिर्माता लोहिया कॉर्प लिमिटेड का शेयर अपने 425 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले आठ प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, वि./यां. ला. म. नलकूप एवं गेट संभाग सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 186236 निविदा सूचना क्र. 08/ व.ले.लि. / 2026-27 दिनांक - 29.07.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **17.08.2026 17:30** बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है -

कार्य का नाम - जिला - मुंगेली अंतर्गत निर्मित एनीकट / स्टापडेम के जलद्वारो का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य ।

अनुमानित लागत - रू. 145.51 लाख जी.एस.टी. छोड़कर

(निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. 22.08.2022 एवं संशोधित 23.04.2026 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 05.08.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोटः- 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2025 में जारी किए गये Pre Bid Qualification certificate (Valid up to 30.09.2026) का उपयोग अनिवार्य है।
निविदा पूर्व अर्हता के संबंध में निविदा प्रपत्र फार्म बी. के कंडिका 2.1.1 (स.क्र. 4 एवं 5) एवं एनेक्चर । (पूर्व अर्हता एवं फार्म बी. दस्तावेज) में वर्णित अनुसार प्रमाण पत्र संलग्न करें।
4. निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में जी.एस.टी. छोडकर निविदा भरा जाना है ।

कार्यपालन अभियंता
वि./यां. ला. म. नलकूप एवं गेट संभाग सकरी, बिलासपुर (छ.ग.)

G- 262702444/2

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ी

- जून तिमाही में 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिकी अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून तिमाही में आयात में तेज वृद्धि के दबाव के बीच धीमी होकर 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी। बृहस्पतिवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

वाणिज्य विभाग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में यह वृद्धि जनवरी-मार्च तिमाही की 2.1 प्रतिशत दर और अनुमान से भी नीचे रही। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में करीब 70 प्रतिशत हिस्सा रखने वाला उपभोक्ता व्यय जून तिमाही में मजबूत बना रहा और 3.2 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा। यह जनवरी-मार्च की 0.5 प्रतिशत वृद्धि से काफी अधिक है। जून तिमाही के दौरान व्यापार निवेश में भी मजबूती दिखी और यह 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जिसमें कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े निवेश का प्रमुख योगदान रहा। दूसरी तरफ, एआई गतिविधियों से जुड़े उत्पादों की मांग बढ़ने से आयात 11.5 प्रतिशत बढ़ा जिससे जीडीपी वृद्धि में करीब 1.5 प्रतिशत अंक की गिरावट आई। इस बीच, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के पसंदीदा मुद्रास्फीति सूचकांक पीसीई में जून में 3.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई।

बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन बढ़े

अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने वालों की संख्या पिछले सप्ताह बढ़ी है। हालांकि, छंटनी अब भी ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर बनी हुई है। श्रम विभाग ने बृहस्पतिवार को बताया कि 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी सहायता के लिए नए आवेदन 9,000 बढ़कर 1.97 लाख हो गए। इससे पिछले सप्ताह के आंकड़े को भी संशोधित कर 1,000 बढ़ाकर 1.88 लाख कर दिया गया है, जो अब भी 50 साल से अधिक समय में सबसे निचले स्तर में से एक है।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

:: मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना प्रथम बार (क्र.-07) ::

क्रमांक / 828 / निविदा/ग्रा.यां.सेवा / 2026-27 दन्तेवाड़ा दिनांक- 29/07/2026

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल आमंत्रण निविदा दिनांक **21/08/2026** तक आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. लाख में)	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा-जनपद पंचायत **गीदम** अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यों में	40.00 लाख	दिनांक 21/08/2026 शाम 5.00 बजे तक
2	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा-जनपद पंचायत **दन्तेवाड़ा** अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यों में	40.00 लाख	
3	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा-जनपद पंचायत **कुआकोंडा** अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यों में	40.00 लाख	
4	**आंतरिक विद्युतीकरण कार्य** जोनल निविदा-जनपद पंचायत **कटेकल्याण** अंतर्गत (सभी ग्राम पंचायत हेतु) विभिन्न मदों में स्वीकृत राशि 30.00 लाख से कम लागत के भवन निर्माण कार्यों में	40.00 लाख	

2. उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट **http://res.cg.gov.in** में दिनांक **05/08/2026** से **19/08/2026** तक देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

G-262702453/3

महिंद्रा एंड महिंद्रा के लाभ में 34 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 34 प्रतिशत बढ़कर 5,455 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी ने 4,083 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। मएंडएम ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका राजस्व 28 प्रतिशत बढ़कर 58,188 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 45,529 करोड़ रुपये था।

CGHIDB छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त - बिलासपुर

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना वि.क्र.-40

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल वृत्त-बिलासपुर अन्तर्गत संभाग कोरबा में निक्षेप कार्य के तहत (1) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरदा, ब्लॉक पाली, जिला कोरबा में आवासीय भवन का शेष निर्माण कार्य (2) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रंजना, ब्लॉक कटघोरा, जिला कोरबा में आवासीय भवन का शेष निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग कोरबा के मो.नं. 9907285405 पर संपर्क करें ।

S-48599/1 **उपायुक्त**

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 95.67 प्रति डॉलर पर

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में मजबूती और विदेशी पूंजी के प्रवाह के बीच रुपयाबृहस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ नौ पैसे मजबूत होकर 95.67 प्रति डॉलर पर रहा। डॉलर में नरमी से भी रुपये को समर्थन मिला। कारण कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से इसकी तेजी

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT JANAKPUR, DIST. - M.C.B. (C.G.)

E-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
NIT No./422/P.W.D./N.P./2026-27/ Janakpur, Dated: 29/07/2026

System Tender No.	Name of Work	Probable Amount Of Contract	Bid Submission Due Date	Tender Status
196406	Construction Of Aspirational Toilet 10 Seater Under SBM 2.0 At Ward No. 13.	26.67 Lacs	Dated 18/08/2026 Time 17.30 Hour	1st Call

The Details Can Be Viewed And Downloaded Online Directly From The Government Of Chhattisgarh E-Procurement And Urban Administration And Development Department Portal http://eproc.cgstate.gov.in On 29/07/2026, 19:30 Hours (IST) On Wards. For More Details On The Tender And Bidding Process You May Please Visit The Above-Mentioned Portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT JANAKPUR
DIST. M.C.B. (C.G.)

ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने पांचवीं बार ब्याज दर स्थिर रखी

लंदन। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को इस साल पांचवीं बार अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.75 प्रतिशत पर स्थिर रखने की घोषणा की। बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक नीति समिति ने 6-3 के बहुमत से नीतिगत दर को यथावत रखने का फैसला किया। हालांकि, तीन सदस्यों ने ऊर्जा कीमतों में हाल की तेजी को देखते हुए दर को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर चार प्रतिशत करने की बात कही थी। ब्रिटिश केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऊर्जा कीमतों के झटके का असर अभी अनिश्चित है और आगे की नीति इसी पर निर्भर करेगी कि यह प्रभाव कितना व्यापक और लंबा रहता है। जून में ब्रिटेन की मुद्रास्फीति दर घटकर 2.6 प्रतिशत पर आ गई, जो मई में 2.8 प्रतिशत थी। हालांकि, यह अब भी बैंक ऑफ इंग्लैंड के दो प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर है। इस बीच, अमेरिका-ईरान तनाव के कारण वैश्विक तेल कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
Phone No.:- 07749-222370,
Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना
द्वितीय बार

क्रमांक / 10 /व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2026-27 बालोद, दिनांक 29.07.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में "सी"-वर्ग एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों निम्न दर्शित कार्य हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग द्वारा सिविल कार्य हेतु दर अनुसूची दिनांक 01.01.2015 एवं विद्युत हेतु दिनांक 01.06.2020 तथा प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जारी दर अनुसूची दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर ऑनलाईन निविदा दिनांक 10.08.2026 तक आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत लाख रू. में	धरोहर राशि रू. लाख में
1	2	3	4
1	इण्डोर स्टेडियम निर्माण कार्य बालोद सिस्टम टेण्डर न. 196342	186.69	140500/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 29.07.2026 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
बालोद जिला-बालोद (छ.ग.)

G-262702438/5

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 **REGD. NO. D.L.-33004/99**

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-सी.जी.-अ.-24072026-274784
CG-CG-E-24072026-274784
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II - Section 3- Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3812] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 21, 2026/आषाढ 30, 1948
No. 3812] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 21, 2026/ASHADHA 30, 1948

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 18 जुलाई, 2026
रेल अधिनियम 1989 की धारा 20क के अंतर्गत अधिसूचना

का. आ. 3982 (अ). - रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क की उपधारा (1) जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक उद्देश्य के लिऐ संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का जिसका संक्षिप्त वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो कि विशेष रेल परियोजना खरसिया- नया रायपुर- परमलकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निष्पादन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बलौदा बाजार में आवश्यक है एतद् द्वारा अधिग्रहण करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के अर्जन एव उपयोग के संबंध पर आक्षेप कर सकेगा। ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/ पलारी जिला- बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़ को लिखित में किया जायेगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेगें तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से विधी व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, तो करने के पश्चात जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझें आदेश द्वारा आक्षेपों को या तो अनुज्ञात या अनअनुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा, इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि या रेखांकन एवं अन्य ब्यौरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

"खरसिया - नया रायपुर - परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.)" परियोजना के निर्माण के लिए, बलौदा बाजार-भाटापारा जिले के अंतर्गत, अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना सहित या उनके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण-

जिले का नामः बलौदा बाजार- भाटापारा (छत्तीसगढ़ राज्य)

क्र. संख्या	तहसील	गांव का नाम	खसरा/प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	पलारी	खपरी	128/4	0.044
2			132/1	0.01
3			133/1	0.11
4			132/8	0.026
5			155/3	0.054
6			162/2	0.196
7			164/7	0.051
8			166/12	0.015
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.506**
9	पलारी	परसवानी	53/3	0.026
10			63/5	0.003
11			48	0.055
12			93/6	0.046
13			106/1	0.04
14			125/3	0.06
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.230**
15	पलारी	गितकेरा	232	0.043
16			67	0.032
17			102	0.001
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.076**
18	पलारी	रेंगाडीह	297/10	0.008
19			297/11	0.002
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.010**
20	पलारी	सरकीपार	282/22	0.56
21			439	0.087
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.647**
22	पलारी	अमलीडीह	30	0.004
23			64/1	0.242
24			147/5	0.001
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.247**
25	पलारी	गाड़ाभाठा	149/3	0.078
26			121	0.001
27			672/8	0.142
28			672/10	0.18
29			672/11	0.027
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.428**
30	पलारी	छिराही	1515/6	0.1210
31			1457	0.0081
32			1571/2	0.0530
33			1339/51283	0.002
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.1841**
34	पलारी	चुचरूंगपुर	698/3	0.1741
35			701/4	0.1053
36			672/4	0.1538
			कुल क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**0.4332**
			सम्पूर्ण क्षेत्रफल हेक्टेयर में =	**2.7613**

[फा. सं.- डीसीई/सी/बीएसपी/5वीं एवं 6 वीं/केएचएस-पीएमएस/20/क]

मुदित भटनागर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

सीपीआर/10/314

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार
:: सूचना ::

यह आम जनता की जानकारी के लिए है कि **प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार** के लिए आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (**https://awards.gov.in**) पर 01.04.2026 से प्रारम्भ हो चुकी है। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जिन्होंने **बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी** के क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धि का प्रदर्शन किया है।

5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी बच्चा (31 जुलाई, 2026 तक), जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है, पुरस्कार के लिए पात्र है। किसी भी नागरिक से खुले नामांकन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (**https://awards.gov.in**) के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। पुरस्कारों के लिए स्व-नामांकन और सिफारिशों, दोनों पर विचार किया जाएगा।

ऑनलाइन नॉमिनेशन जमा करने की अंतिम तिथि, जो पूर्व में 31.07.2026 नियत की गई थी, उसे बढ़ाकर 15.08.2026 कर दी गयी है। अधिक जानकारी के लिए कृपया राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल **https://awards.gov.in** पर जाएं।

अखिलेश कुमार सिंह AKHILESH KUMAR SINGH
अवर सचिव / Under Secretary
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय / Ministry of Women & Child Development भारत सरकार / Government of India
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001/
Shastri Bhawan, New Delhi-110001

CBC 46101/11/0012/2627

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

कार्यालय परियोजना निदेशक, परियोजना कार्यान्वयन ईकाई, बिलासपुर
डी.-61, एच.आई.जी.-1, अभिलाषा परिसर, नया बस स्टैण्ड के पीछे तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.)

शुद्धिपत्र जनसूचना

लहपात्रा कि.मी. 205.200 टोल प्लाजा पर दिनांक 28/07/2026 से 31/03/2027 तक लागू उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दर हेतु जारी सूचना

आम जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.07.2026 को हरिभूमि में प्रकाशित टोल संग्रहण की जनसूचना के स्थान पर आज जारी **शुद्धिपत्र जनसूचना** भा.रा.रा.प्रा. की क्षेत्रीय अधिकारी, रायपुर द्वारा उपयोगकर्ता शुल्क दरों के अनुमोदन के अनुसरण मे छत्तीसगढ राज्य में शिवनगर-अंबिकापुर खण्ड के रा.रा. 111 (नया रा.रा. 130) के कि.मी. 163.400 से कि.मी. 215.800 तक के वर्ष 2026-27 शुल्क संग्रहण के संबंध में अनुमोदित उपयोगकर्ता शुल्क दरें निम्नानुसार है :- (रुपये में)

वाहन का प्रकार	तकतरफा यात्रा शुल्क	एक दिवस में वापसी यात्रा शुल्क	मासिक पास एकतरफा 50 यात्राओं के लिये	एकतरफा यात्रा के लिये जिले में पंजीकृत स्थानीय वाणिज्यिक वाहन के लिए शुल्क
कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहन	50	75	1705	25
हल्के वाणिज्यिक वाहन, हल्के माल वाहक वाहन अथवा मिनी बस	85	125	2755	40
बस या ट्रक	175	260	5770	85
तीन धुरी वाले वाणिज्यिक वाहन	190	285	6295	95
एच.सी.एम./ई.एम.ई./एम.ए.वी./(चार से छः धुरी वाले)	270	405	9045	135
बडे आकार वाले वाहन (सात या अधिक धुरी वाले)	330	495	11015	165

टोल प्लाजा से 20 कि.मी. के अंदर स्थानीय रहवासियों के लिये गैर वाणिज्यिक वाहनों के लिये वर्ष 2026-27 के लिये मासिक पास की दर रू. 360/- रहेगी। सभी निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन (गैर-वाणिज्यिक) के लिए सालाना पास की दर, जो 01 साल या 200 प्लाजा क्रॉसिंग के लिए वैध हो, जो भी पहले हो, सिर्फ रू. 3075/- रहेगी।

महत्वपर्णू सचूना :- दिनांक 15/02/2021 से उपयोगकर्ता शुल्क का भुगतान केवल FasTAG के माध्यम से करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, 15/11/2025 से जिन वाहनों पर वैध एवं कार्यशील FASTag उपलब्ध नहीं होगा, उन्हें UPI के माध्यम से भुगतान करने की स्थिति में लागू टोल शुल्क का 1.25 गुना उपयोगकर्ता शुल्क देय होगा। साथ ही, वापसी यात्रा रियायत एवं स्थानीय यात्रा रियायत केवल FASTag द्वारा किए गए भुगतान पर ही लागू होगी।

सड़के ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

मारुति के हंसलपुर संयंत्र की इकाई में उत्पादन शुरू

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को गुजरात के हंसलपुर स्थित अपने संयंत्र की चौथी इकाई में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि 2.5 लाख वाहनों के उत्पादन की वार्षिक क्षमता वाली इस नई इकाई के शुरू होने से हंसलपुर संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता 7.5 लाख वाहन से बढ़कर 10 लाख वाहन प्रति वर्ष हो गई है।

हंसलपुर देश का सबसे बड़ा उत्पादन केंद्र बना

एमएसआईएल ने कहा, /"यह पहली बार है जब सुजुकी के इतिहास में किसी एक विनिर्माण स्थल की वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 लाख वाहन तक पहुंच गई है। इसके साथ ही हंसलपुर संयंत्र किसी एक जगह पर यात्री वाहन उत्पादन का देश का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। ताकेउची ने यह भी कहा कि गुजरात में हंसलपुर और प्रस्तावित साणंद संयंत्र एक साथ मिलकर भारत में सालाना 40 लाख इकाइयों के उत्पादन के दीर्घकालिक लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मारुति सुजुकी ने हंसलपुर परियोजना में अब तक कुल 25,288.7 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.)
पता :- पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग, कक्ष क्र. 18, कलेक्टोरेट के सामने,
Phone No. 07752-250593, Email ID - eebil-phe-cg @gov.in

ई प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन बिलासपुर की ओर कार्यपालन अभियंता एवं सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन बिलासपुर द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु प्रपत्र "अ" (प्रतिशत दर) ऑन लाईन निविदा आंमत्रित की जाती है :-

कार्य का नामः- बिलासपुर जिले के जल जीवन मिशन में स्वीकृत एकल ग्राम योजना अंतर्गत पाईप लाईन विस्तार, उच्चस्तरीय जलागार, घरेलू नल कनेक्शन एवं योजनांतर्गत शेष संपूर्ण कार्य (संलग्न शेड्यूल अनुसार)

क्र.	निविदा क्र. / दिनांक / सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रू. में)
1	01/29.07.2026/196159	ग्राम डिपरापारा एवं हथफोडवा (बरतोरी) विकासखण्ड बिल्हा	54.99	41500.00
2	02/29.07.2026/196160	ग्राम भिलाई विकासखण्ड मस्तूरी	162.93	122500.00
3	03/29.07.2026/196162	ग्राम भिलौनी विकासखण्ड तखतपुर	57.05	43000.00
4	04/29.07.2026/196163	ग्राम बिनौरी विकासखण्ड तखतपुर	76.87	58000.00
5	05/29.07.2026/196164	ग्राम चुलघट विकासखण्ड तखतपुर	20.64	15500.00
6	06/29.07.2026/196167	ग्राम मंगला (पा.) विकासखण्ड बिल्हा	29.12	22000.00

ऑनलाईन निविदा की अन्य विवरण एवं विस्तृत जानकारी छ.ग. शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https:\\eproc.cgstate.gov.in दिनांक 07.08.2026 सुबह 11:00 बजे से तथा दिनांक 18.08.2026 समय 17:30 बजे तक बीड डाले जा सकते हैं एवं अन्य विवरण कार्यालायीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.) में देखे जा सकते हैं ।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
बिलासपुर (छ.ग.)

G-262702459/3

राष्ट्रमंडल खेल : नीरज, रोहित और यशवीर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के साथ दो अन्य भारतीय बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों में क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष 12 में जगह बनाकर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गए। चोपड़ा ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण करते हुए भाला फेंक स्पर्धा का खिताब जीता था। वह बृहस्पतिवार को क्वालीफिकेशन राउंड में 79.61 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे। रोहित यादव (78.37 मीटर) और यशवीर सिंह (78.36 मीटर) क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर रहे। इससे इस स्पर्धा में हिस्सा लेने वाला पूरा भारतीय दल पदक दौर में पहुंचा। प्रत्येक राउंड में आखिरी थ्रोअर रहने वाले चोपड़ा ने अपना तीसरा और आखिरी प्रयास नहीं किया क्योंकि तब तक वह पदक दौर में जगह बना चुके थे।

नीरज ने अपनाई संयमित रणनीति

हालांकि कठिन परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने संयमित रणनीति अपनाई। पूर्व विश्व चैंपियन चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 76.28 मीटर का थ्रो किया जिससे वह पहले दौर के बाद छठे स्थान पर रहे। दूसरे प्रयास में उन्होंने 79.61 मीटर का थ्रो कर पांचवें स्थान पर जगह बना ली। इसके बाद उन्होंने अपना तीसरा और अंतिम प्रयास नहीं किया।

श्रीलंका के रूमेश प्रथम व ग्रेनाडा के पीटर्स द्वितीय

इस सत्र में दोहा और रोम डायमंड लीग जीतने वाले शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने पहले ही प्रयास में 82.84 मीटर का थ्रो कर क्वालीफिकेशन राउंड में पहला स्थान हासिल किया। पिछले चरण के रजत पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 81.29 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

यशवीर-रोहित का शानदार रहा प्रदर्शन

यशवीर का इस सत्र और करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर है और उन्होंने भी प्रतियोगिता के दौरान लगातार सुधार किया। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले प्रयास में 73.89 मीटर, दूसरे में 74.45 मीटर और अंतिम प्रयास में 78.36 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। रोहित का इस सत्र और करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.05 मीटर है। उन्होंने पहले प्रयास में 77.04 मीटर और दूसरे प्रयास में 78.37 मीटर का थ्रो किया। उन्होंने भी अपना अंतिम प्रयास नहीं किया।

चोट से उबरे मुरली ने लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल में जीता रजत

भारत के लिए खेलकर काफी खुशी हुई : मुरली

श्रीशंकर ने कहा ," मैं बहुत खुश हूं कि इन खेलों में भाग ले रहा हूं। विश्व स्तर पर फिर भारत के लिये खेलकर काफी खुशी महसूस कर रहा हूं। दो साल पहले मुझे लगा नहीं था कि ग्लास्गो में खेल पाऊंगा।" स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने की निराशा हालांकि उनकी बातों में नजर आई। उन्होंने कहा ," मैं बर्मिंघम के रजत को स्वर्ण में बदलना चाहता था।

मुरली श्रीशंकर ने भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में एक और अध्याय जोड़ दिया जब वह राष्ट्रमंडल खेलों में लंबी कूद स्पर्धा में रजत पदक के साथ लगातार दो पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए और घुटने की चोट से दो साल जूझने के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। बर्मिंघम 2022 में रजत पदक जीतने वाले 27 वर्षीय श्रीशंकर ने इस बार 8.09 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद लगाकर एक और रजत पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि उनके लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि पिछले साल गंभीर घुटने की चोट के बाद उनके करियर पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। श्रीशंकर से पहले इस स्पर्धा में भारत के लिए केवल सुरेश बाबू (पुरुष कांस्य, 1978), अंजू बॉबी जॉर्ज (महिला कांस्य, 2002) और एम प्रजुषा (महिला रजत, 2010) ही पदक जीत पाए थे। जमैका के पूर्व विश्व चैंपियन ताजे गेले ने 8.15 मीटर की कूद के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि मेजबान स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी ने 8.08 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

टेबल टेनिस में भारत का दबदबा पुरुष और महिला टीम ने जीते खिताब

नई दिल्ली। भारत ने 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों टीम वर्गों के खिताब अपने नाम कर लिए। मानुष शाह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय पुरुष टीम ने बृहस्पतिवार को खेले गए फाइनल में मलेशिया को 3-2 से हराकर खिताब जीता। इससे पहले महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर त्यागराज स्टेडियम में खिताब अपने नाम किया। भारत की दोनों टीम को उनके प्रदर्शन के लिए 10,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

खबर संक्षेप

चित्रावेल और प्रभु त्रिकूद फाइनल में

ग्लास्गो। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष त्रिकूद स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। चित्रावेल ने अपने पहले और एकमात्र प्रयास में 16.41 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 17.37 मीटर है जबकि इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.08 मीटर रहा है। दूसरी ओर प्रभु ने पहले दो प्रयास फाउल कर दिए, लेकिन अंतिम प्रयास में 16.26 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कभी टेस्ट नहीं हारी भारतीय टीम, शानदार रहा उनका नेतृत्व

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आखिरकार अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले ही लिया। लगभग डेढ़ दशक तक देश का प्रतिनिधित्व करने वाले रहाणे ने 2023 में अपना आखिरी मैच खेला।

अपने शानदार टेस्ट करियर में उन्होंने 38.46 की औसत के साथ 5,077 रन बनाए थे। उन्होंने भारतीय टीम की कप्तानी भी की। दिलचस्प रूप से रहाणे के नेतृत्व में भारतीय टीम कभी मैच नहीं हारी। उनकी कप्तानी में टीम के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

रहाणे की कप्तानी में भारत ने जीते 4 टेस्ट

रहाणे ने पहली बार 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट में कप्तानी की थी, जो भारत ने 8 विकेट से जीता था। कोहली की गैरमौजूदगी में रहाणे को कप्तानी का मौका मिला था। 2018 में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम पारी और 262 रन से जीती थी। 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेलबर्न और ब्रिसबेन टेस्ट में टीम जीती, जबकि सिडनी टेस्ट ड्रॉ रहा। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ (कानपुर) टेस्ट में भी भारतीय टीम जीती थी।

बतौर कप्तान बल्लेबाजी

रहाणे ने कप्तानी करते हुए 11 पारियों में 39.88 की औसत के साथ 359 रन बनाए थे। उन्होंने एक शतक भी लगाया था। भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए रहाणे ने अपना इकलौता शतक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेलबर्न टेस्ट में लगाया था और टीम को जीत दिलाई थी।

इन कप्तानों की सूची में शामिल हुए रहाणे

भारत के 38 टेस्ट कप्तानों में से सिर्फ 4 ही ऐसे हैं जो कभी हारे नहीं। इनमें क्रिस श्रीकांत शामिल हैं, जिन्होंने भारत की कप्तानी 4 टेस्ट मैचों में की और एक भी मैच नहीं हारे। साथ ही हेमू अधिकारी और रवि शास्त्री भी हैं, जिन्होंने एक-एक बार टीम की कप्तानी की और कोई मैच नहीं हारे। रहाणे इनमें इकलौते ऐसे कप्तान हैं जिनकी कप्तानी में भारत ने विदेश में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीती है।

शानदार रहा था रहाणे का अंतरराष्ट्रीय करियर

रहाणे ने भारत की ओर से जुलाई 2023 में अपना आखिरी टेस्ट वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने भारत के लिए 85 टेस्ट की 144 पारियों में 38.46 की औसत से 5,077 रन बनाए। इसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 90 वनडे में 35.26 की औसत के साथ 2,962 रन बनाए थे। टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 20 पारियों में 20.83 की औसत के साथ 375 रन बनाए थे।

ई-नीलामी सूचना

ऋणवसूली अधिकरण, भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवायें विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर-(मप्र) 482001

प्रकरण संख्या: RC 113/2023 / ओ.ए. संख्या 666/2019

ई-नीलामी संख्या 154/2026

State Bank of India वि. SHRI SOMARU KASHYAP एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक RC No. RC 113/2023 / O.A. No. 666/2019 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र Rs. 26,71,559.68 (Rupees Twenty Six Lakh Seventy One Thousand Five Hundred Fifty Nine and Sixty Eight Paise only) तथा उस पर 12.00 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दिनांक 03.05.2019 से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाईन ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत वेबसाईट https://www.baanknet.com के माध्यम से की जायेगीं।

ई- नीलामी की तिथि एवं समय- 03/09/2026 दोपहर 12.00 से 01.00 बजे तक

संपत्ति की अनुसूची

क्र. सं.	विक्रय हेतु प्रस्तावित संपत्ति का विवरण	आरक्षित / न्यूनतम मूल्य	ई.एम.डी. राशि
1.	Agricultural Land bearing Survey No.- 509, 511, 522, 531, 532, 533, 534, 671, 674, PC No.-46, situated at Village- Kosmi, Block Bakawand, Tehsil & District- Bastar (C.G.); Area- 9.130 hectare; property jointly in the name of Shri Somaru Kashyap S/o Shri Lok Nath, Shri Bali Kashyap S/o Shri Lok Nath and Smt. Hiramani Kashyap W/o Shri Lok Nath.	Rs. 44,30,000.00 (Rupees Forty Four Lakh Thirty Thousand only)	Rs.4,43,000.00 (Rupees Four Lakh Forty Three Thousand only)

विक्रय की शर्ते एवं नियम

1. विक्रय की सभी शर्तें ऋणों की वसूली एवं दिवालियापन अधिनियम 1993 के प्रावधानों तथा आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय एवं तृतीय अनुसूचियों, आयकर (प्रमाणपत्र कार्यवाही) नियम, 1962 के साथ पठित प्रावधानों द्वारा शासित होंगी तथा समय-समय पर यथा संशोधित सूचना प्रौद्योगि की अधिनियम, 2000 के प्रावधानों से भी निर्देशित होंगी।
2. इच्छुक बोलीदाता निम्न सेवा प्रदाता से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

नीलामी एजेंसी	Bank Asset Auction Network (BAANKNET)
हेल्पलाइन नं.	+91-82912 20220
हेल्पलाइन ईमेल	support.baanknet@psballiance.com
बैंक अधिकारी	Shri Sajan Joseph Mathew, Chief Manager, Mo.-8889375554
संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	20-08-2026 दोपहर 12:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

3. इच्छुक बोलीदाता बोली प्रपत्र विस्तृत विवरण एवं विक्रय की शर्तों हेतु वेबसाइट **https://baanknet.com** का अवलोकन करें। **4.** बोलियाँ (bids) केवल ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत की जाएँगी। प्रत्येक बोली के साथ पैन कार्ड की प्रति, पते का प्रमाण, पहचान-पत्र, ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर की प्रतिलिपि संलग्न करना अनिवार्य होगा। कंपनी के मामले में, कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा पारित बोर्ड प्रस्ताव (Board Resolution) की प्रमाणित प्रति अथवा कंपनी की ओर से प्रतिनिधित्व / अधिकार-पत्र (Power of Attorney / Authorization) को प्रमाणित करने वाला कोई अन्य वैध दस्तावेज बोली प्रपत्र के साथ संलग्न किया जाएगा। बोलीदाता संपत्ति के विवरण, क्षेत्रफल / माप, प्रभारों (Encumbrances), दायित्वों तथा अन्य संबंधित तथ्यों की शुद्धता एवं सत्यता के संबंध में स्वयं अपने स्तर पर संबंधित सरकारी कार्यालयों अथवा अन्य सक्षम स्रोतों से जांच-पड़ताल कर पूर्णतः संतुष्ट हो लें। इस संबंध में भविष्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी त्रुटि,विसंगति, कमी अथवा विवाद के लिए ऋण वसूली अधिकरण (DRT) उत्तरदायी नहीं होगा। **5.** आरक्षित मूल्य का 10% अर्थात् रु. **Rs. 4,43,000.00 (Rupees Four Lakh Forty Three Thousand only)** ईएमडी के रूप में BAANKNET वॉलेट में जमा करना होगा तथा उसका विवरण बोली प्रपत्र में अंकित करना होगा। **6. ऑनलाइन बोली दिनांक 01-09-2026 को सायं 5:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकेगी।** **7.** ऑनलाइन प्रस्तुत बोली प्रपत्र एवं संलग्नकों की प्रति वसूली अधिकारी, डीआरटी, जबलपुर, द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (बीएसएनएल भवन), रेजीडेंसी रोड, मुख्य डाकघर के निकट, दक्षिण सिविल लाइन्स, जबलपुर को यथा शीघ्र प्रेषित की जाएगी। **8.** ऑनलाइन बोली प्रक्रिया प्राप्त उच्चतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक अगली बोली में न्यूनतम वृद्धि रु. **Rs. 50,000.00 (Rupees Fifty Thousand only)** होगी। नीलामी समाप्ति से पूर्व कोई बोली प्राप्त होने पर प्रणाली द्वारा नीलामी समय स्वतः 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाएगा। **9.** असफल बोलीदाताओं की ईएमडी उसी खाते में वापस की जाएगी जिससे भुगतान किया गया था। इस संबंध में कोई पत्राचार स्वीकार नहीं किया जाएगा। ईएमडी जमा करने के पश्चात बोलीदाता उसे वापस नहीं ले सकेगा अन्यथा राशि जब्त कर ली जाएगी। **10.** स्थावर संपत्ति के मामले में सफल उच्चतम बोलीदाता को घोषणा के अगले दिन अपनी बोली स्वीकृत होने पर, बोली राशि का 25% (ईएमडी घटाकर) **CENTRAL BANK OF INDIA, DHOBIGHAT BRANCH, JABALPUR.** में वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, डीआरटी जबलपुर, **खाता संख्या 5692799461, आईएफएससी कोड CBIN0281618** में RTGS/NEFT द्वारा जमा करना होगा। चूक होने पर संपत्ति पुनः विक्रय हेतु प्रस्तुत की जाएगी तथा ईएमडी जब्त कर ली जाएगी। **11.** सफल बोलीदाता को शेष 75% राशि तथा विक्रय राशि का 1% पाउंडेज शुल्क एवं प्रत्येक संपत्ति पर अतिरिक्त रु.10/- नीलामी की तिथि से 15 दिनों के भीतर, क्रम संख्या 10 में उल्लिखित **खाता संख्या 5692799461** में आरटीजीएस (RTGS) / एनईएफटी (NEFT) / मनी ट्रांसफर के माध्यम से जमा करना होगा। यदि पंद्रहवाँ दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश का दिन हो, तो भुगतान उसके पश्चात् आने वाले प्रथम कार्य दिवस पर किया जा सकेगा। निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान न किए जाने की स्थिति में.संपत्ति के विक्रय हेतु नवीन विक्रय उद्घोषणा (Fresh Proclamation of Sale) जारी कर पुनः नीलामी की जाएगी। ऐसी स्थिति में जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त (Forfeited) कर ली जाएगी तथा चूक करने वाला क्रेता (Defaulting Purchaser) उक्त संपत्ति अथवा उसके पुनर्विक्रय से प्राप्त किसी भी राशि पर अपना समस्त दावा एवं अधिकार खो देगा। **12.** संपत्ति का विक्रय "जैसी है जहाँ है तथा बिना किसी शिकायत के आधार पर (As is Where is and No Complaint Basis) किया जाएगा। **13.** संपत्ति का विक्रय आरक्षित मूल्य से कम पर नहीं किया जाएगा। **14.** वसूली अधिकारी को बिना कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने अथवा विक्रय स्थगित / निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। **15.** इच्छुक बोलीदाता बैंक के पास उपलब्ध स्वामित्व अभिलेखों का अवलोकन करें तथा संपत्ति की पहचान.विवरण एवं भार आदि की स्वयं जांच करें। इसकी शुद्धता के लिए डीआरटी उत्तरदायी नहीं होगा। **16.** बोलीदाता अपनी इच्छानुसार किसी भी स्थान से ई-नीलामी में भाग ले सकते हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना उनकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। इंटरनेट, नेटवर्क, सिस्टम क्रॅश या विद्युत व्यवधान केलिए डीआरटी / बैंक/ सेवा प्रदाता उत्तरदायी नहीं होंगे। **17.** उच्चतम बोली अनुमोदन के अधीन अस्थायी रूप से स्वीकार की जाएगी। विक्रय की पुष्टि होने तक बोलीदाता को संपत्ति पर कोई अधिकार या स्वामित्व प्राप्त नहीं होगा। **18.** विक्रय पर लागू स्टाम्प शुल्क, पंजीयन शुल्क एवं अन्य वैधानिक शुल्क सफल क्रेता द्वारा वहन किए जाएंगे। **19.** विक्रय प्रमाणपत्र केवल उन्हीं व्यक्ति/यक्तियों के नाम जारी किया जाएगा जिनके नाम बोली प्रपत्र में उल्लिखित हैं। **20.** विक्रय प्रमाणपत्र में बोली प्रपत्र में उल्लिखित नामों के अतिरिक्त किसी अन्य नाम को जोड़ने या प्रतिस्थापित करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा **21.** बोलीदाता अपने यूजर आईडी, पासवर्ड एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी को भी प्रकट न करें **22.** बोलीदाताओं को समय विलंब, अधिक ट्रैफिक, सिस्टम / विद्युत विफलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः अंतिम समय तक प्रतीक्षा न करने की सलाह दी जाती है। **23.** ई-नीलामी सेवा प्रदाता, बैंक के अधिकारी, उनके प्रतिनिधि, कर्मचारी एवं एजेंट ई-नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाताओं के विवरणों की पूर्ण गोपनीयता बनाए रखेंगे।

स्थान- जबलपुर,
दिनांक- 15/07/2026

(प्रीति देसाई)
वसूली अधिकारी।

पाकिस्तान को हराया

वेस्टइंडीज की जीत के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में 90 रन से शिकस्त मिली। जीत के लिए मिले 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी सिर्फ 120 रन पर ही सिमट गई। ब्रायन लारा स्टेडियम में हुए मैच का परिणाम चौथे दिन पर निकल गया। वेस्टइंडीज को जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में फायदा पहुंचा है।

ऐसी है भारत की स्थिति

भारतीय टीम 48.15 प्रतिशत अंक के साथ 5वें स्थान पर मौजूद है। इस चक्र में भारत ने 4 मैच जीते हैं और इतने ही मैचों में हार झेली है। इसके अलावा एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारत से ऊपर बांग्लादेश की टीम चौथे स्थान पर है। वहीं, भारत से नीचे श्रीलंका छठे और इंग्लैंड सातवें स्थान पर है। श्रीलंकाई टीम ने एक मैच जीता है और एक ड्रॉ खेला है, जबकि इंग्लैंड ने 4 मैच जीते (हार-8) हुए हैं।

रूट फिर बने इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को फिर से टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बेन स्टोक्स के संन्यास लेने के बाद बोर्ड ने रूट को ये जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ-साथ ईसीबी ने स्टीफन फ्लेमिंग को अपनी टेस्ट टीम का नया कोच बनाया है। वह ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेने के लिए तैयार हैं। ईसीबी ने गुरुवार 30 जुलाई को आधिकारिक तौर पर ये ऐलान किया है। ईसीबी ने कहा कि फ्लेमिंग का कोचिंग अनुभव टीम के काम आएगा। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, फ्लेमिंग दुनिया के सबसे सम्मानित क्रिकेट कोच में से एक हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका 18 साल का जुड़ाव रहा है। एक खिलाड़ी के तौर पर 111 मैचों के करियर में वे न्यूजीलैंड के सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे।

एफसी रेंगदाई और समलेश्वरी स्पोर्टिंग जीते

इंफाल। एफसी रेंगदाई ने बृहस्पतिवार को यहां अपने पहले ही डूरंड कप मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछले चरण के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली इंडियन नेवी फुटबॉल टीम को ग्रुप डी मुकाबले में 1-0 से हरा दिया। एफसी रेंगदाई की ओर से स्थानापन्न खिलाड़ी खैदेम अमरजीत सिंह ने 58वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। वहीं कोलकाता में हुए एक अन्य मैच में समलेश्वरी स्पोर्टिंग ने बागपत एफसी को 4-1 से हराकर अगले दौर में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखीं।

अंडर-17 विश्व कुश्ती : निकिता ने जीता रजत, कामना और गरिमा को कांस्य

बाकू। भारतीय पहलवान निकिता सहरावत ने बृहस्पतिवार को यहां अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता जबकि कामना बाबल और गरिमा ने अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए। निकिता ने 57 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में उनका सामना अमेरिका की अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता एपेनेसा एलिसन से हुआ। निकिता ने कड़ा संघर्ष किया लेकिन उन्हें 0-6 से हार का सामना और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कामना ने 49 किग्रा वर्ग में जापान की सायका

उचिदा से सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक के मुकाबले में रूस की इरीना त्सिदेयेवा को 3-2 से हराकर पोडियम पर जगह बनाई। गरिमा ने 73 किग्रा वर्ग के मुकाबले में स्पेन की पाउला बेनाइक्सा पेरेज को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारतीय पुरुष लॉन बॉल्स पेयर ने टाई-ब्रेकर में बोत्सवाना को हराया

ग्लास्गो। भारतीय पुरुष लॉन बॉल्स जोड़ी नवनीत सिंह और दिनेश कुमार ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को राष्ट्रमंडल खेलों के सेक्शन बी के राउंड तीन के दूसरे मैच में बोत्सवाना को टाई-ब्रेकर में हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। पहला सेट भारत ने 9-2 से तथा दूसरा सेट बोत्सवाना ने 4-3 से जीतकर मुकाबले को टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया। हालांकि निर्णायक टाई-ब्रेकर में नवनीत और दिनेश ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नीले से केसरिया रंग पर हॉकी इंडिया ने दिया जवाब

नीली जर्सी, नीला पिच, होती थी परेशानी, इसलिए केसरिया रंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने हॉकी विश्व कप 2026 के लिए हाल ही में भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी जारी की, जो कि केसरिया रंग की है। अब तक नीले रंग की जर्सी भारतीय टीम की पहचान रही है और नई केसरिया जर्सी की प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर खूब आलोचना की।

पूर्व भारतीय कप्तान विरेन रास्क्विन्हा ने भी जर्सी के रंग बदलने को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। अब हॉकी इंडिया से इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक जैसा रंग होने से खिलाड़ियों को दिक्कत

आलोचना का जवाब देते हुए हॉकी इंडिया ने कहा कि यह फैसला खिलाड़ियों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ के साथ बातचीत करने के बाद लिया गया था। हॉकी इंडिया ने बयान में कहा, मुख्य वजह तकनीकी थी। नीले रंग की प्लेइंग यूनिफॉर्म, नीली सिंथेटिक प्लेइंग सतह के साथ घुल-मिल जाती थी। नीली रंग की सतह अब इंटरनेशनल हॉकी पिचों का आदर्श रंग है। इस तरह एक जैसा रंग होने से खिलाड़ियों को मैदान पर देखने में दिक्कत होती थी।

पीली जर्सी भी पहन चुकी है टीम इंडिया : टिर्की

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 2014 विश्व कप में टीम ने पीली जर्सी पहनी थी। जर्सी को लेकर यह बहस ऐसे समय में हो रही है जब भारत 2026 एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप की तैयारियों के अहम पड़ाव पर है।कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में एफआईएच प्रो लीग के आखिरी दौर में अच्छे प्रदर्शन के बाद भारत अपनी पूरी मजबूत टीम के साथ विश्व कप में उतरेगा।

स्पेन और फ्रांस में कुदरत का तांडव, आखिर क्यों जंगलों की आग में जल रहा है यूरोप?

पेरिस। यूरोप का दिल कहे जाने वाले स्पेन और फ्रांस इस वक्त आग की भयंकर लपटों में झुलस रहे हैं। हरे-भरे जंगल, लहलहाते खेत और खूबसूरत गांव पल भर में राख के ढेर में तब्दील हो रहे हैं। अब तक 15 लोगों की जान जा चुकी है और करीब 3 लाख लोगों को अपना घर-बार छोड़कर भागना पड़ा है। आसमान में धुएं का गुबार है और जमीन पर सिर्फ तबाही का मंजर। आखिर क्यों बेकाबू हुई यह आग? क्या यह प्रकृति का कोई नया इशारा है? आइए समझते हैं इस महाविनाश के पीछे की पूरी कहानी।

स्पेन और फ्रांस में तबाही का मंजर

स्पेन और फ्रांस के जंगलों में लगी भीषण आग ने इस वक्त पूरे यूरोप में हाहाकार मचा रखा है। इतिहास के सबसे बड़े रेस्क्यू ऑपरेशन्स में से एक चलाया जा रहा है। अब तक 13 नागरिकों और फ्रांस के 2 दमकलकर्मियों समेत 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। आग की भयावहता को देखते हुए 3,00,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

क्यों हार मान रहे हैं फायरफाइटर्स?

हजारों फायरफाइटर्स, सेना के जवान, हेलीकॉप्टर और वाटर-बॉम्बिंग विमान दिन-रात आग बुझाने में लगे हैं। इसके बावजूद सफलता नहीं मिल पा रही है। घना धुआं पायलटों की दृश्यता को प्रभावित कर रहा है, वहीं तेज हवाएं पानी के छिड़काव के सटीक निशाने को बिगाड़ रही हैं। दुर्गम रास्तों के कारण जमीनी टीमें मौके पर नहीं पहुंच पा रही हैं।

तेज हवाओं ने बढ़ाई मुश्किल

आग को बेकाबू करने में तेज और बदलती हवाओं का सबसे बड़ा हाथ है। हवाएं आग की लपटों को तेजी से आगे बढ़ाती हैं और जलते हुए अंगारों को दूर-दूर तक फेंक देती हैं। इससे नए-नए इलाकों में आग सुलग उठती है। ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों की वजह से दमकलकर्मियों के लिए आग की सही दिशा का अनुमान लगाना बेहद मुश्किल हो रहा है।

आगे और बढ़ सकती है आफत

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी यूरोप में तापमान और बढ़ सकता है। ऐसे में मौजूदा आग और विकराल रूप ले सकती है। प्रशासन का मानना है कि आने वाले दिन बेहद चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं, क्योंकि प्रकृति के इस रूप के आगे इंसानी कोशिशें कमजोर साबित हो रही हैं।

नकली सूरज बनाने के करीब पहुंचा चीन दुनिया का सबसे बड़ा चुंबक किया तैयार

बीजिंग। चीन ने धरती पर आर्टिफिशियल सूरज बनाने के और करीब पहुंच गया है। इसने न्यूक्लियर फ्यूजन के जरिए साफ और असीमित ऊर्जा पैदा करने के लिए दुनिया के सबसे बड़े सुपरकंडक्टिंग फ्यूजन मैग्नेट को बनाकर उसका सफल टेस्ट किया है। यह उपलब्धि साल 2030 तक फ्यूजन पावर से बिजली पैदा करने की चीन की महत्वाकांक्षी योजना में एक अहम पड़ाव है। इसके साथ ही चीन कार्बन-मुक्त ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत हासिल करने की कोशिश करने वाले अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। इस सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट को चाइनीज एकेमडी ऑफ साइंसेज के तहत इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा फिजिक्स ने विकसित किया है। यह डी अक्षर के आकार का एक विशाल ढांचा है, जो 21 मीटर लंबा, 12 मीटर चौड़ा है। इस विशालकाय ढांचे का वजन 582 टन है।

मैग्नेट कैसे करता है काम?

यह मैग्नेट एक बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बनाता है, जो प्लाज्मा को रिएक्टर के अंदर ही रोककर रखता है और उसे दीवारों को छूने से रोकता है। यह प्लाज्मा 10 करोड़ डिग्री सेल्सियस तक गर्म गैस होती है। चीन का कहना है कि इस टेक्नोलॉजी को पूरी तरह घरेलू मैटेरियल और उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल करके बनाया गया है। इस तरह फ्यूजन के लिए बीजिंग की विदेशी सप्लायर्स पर निर्भरता खत्म हो गई है।

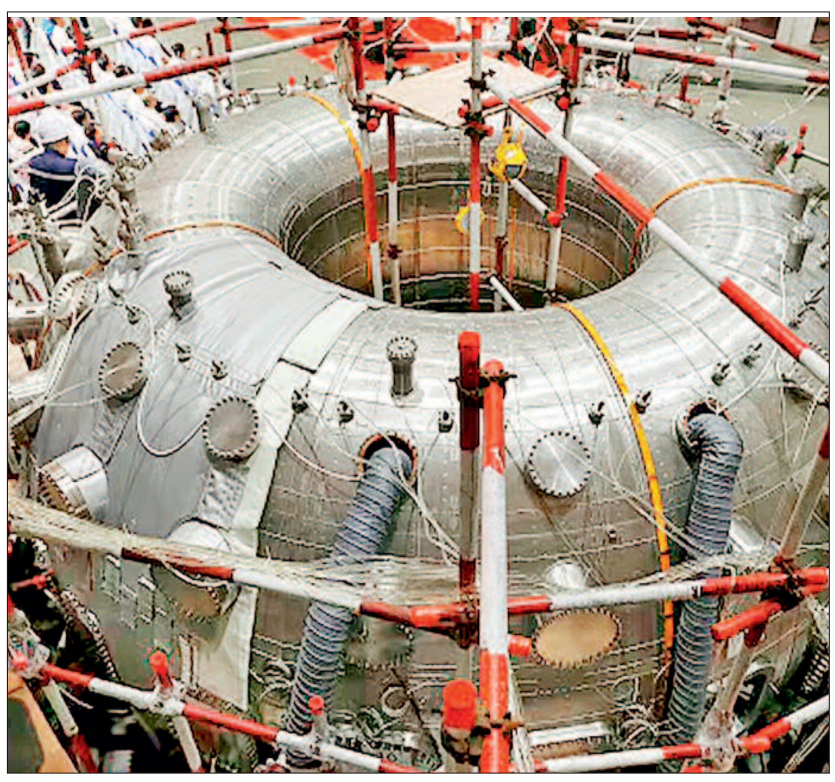

दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग फ्यूजन रिएक्टर मैग्नेट है। इसका वॉल्यूम इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटर रिएक्टर के लिए बनाए गए इसी तरह के मैग्नेट से 1.3 गुना बड़ा है। इसमें स्टोर होने वाली ऊर्जा भी तीन गुना ज्यादा है। आईटीईआर को अब तक दुनिया का सबसे बड़ा फ्यूजन प्रोजेक्ट कहा जाता है।

क्या है नकली सूरज?

नकली या कृत्रिय सूर्य एक न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर है, जो उसी प्रक्रिया को दोहराता है जिससे सूर्य में विशाल ऊर्जा उत्पन्न होती है। यह 10 करोड़ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान पर हाइड्रोजन परमाणुओं को जोड़ता है। इस प्रक्रिया में कॉर्बन डाइऑक्साइड पैदा हुए बिना भारी मात्रा में ऊर्जा निकलती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में यह तकनीक असीमित ऊर्जा का स्रोत साबित होगी। विशाल मैग्नेट के साथ ही चीनी शोधकर्ताओं ने हाई-टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग सेंट्रल सोलेनॉइड कॉइन का भी सफल टेस्ट किया है। इसे फ्यूजन रिएक्टर का दिल कहा जाता है। यह गाड़ियों के इंजन में स्पार्क प्लग की तरह काम करता है। फ्यूजन रिएक्टर में यह हिस्सा रिएक्शन के लिए जरूरी प्लाज्मा को शुरू करने और बनाए रखने में मदद करता है।

अब नहीं पड़ेगा सूखा?

वैज्ञानिकों ने बताया समुद्री नमक और सफेद बादलों से अल नीनो रोकने का फॉर्मूला!

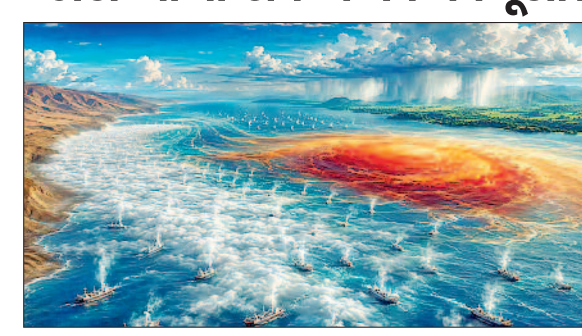

वॉशिंगटन। इस साल आने वाले अल नीनो को लेकर वैज्ञानिकों ने पहले ही लोगों को सावधान कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सितंबर तक प्रशांत महासागर में बनने वाला अल नीनो अपना प्रभाव दिखा सकता है। लेकिन जरा सोचिए, अगर हम अपनी मर्जी से अल नीनो को रोक सकें और बिना किसी डर के फसलों को सूखने से बचा सकें, तो क्या होगा? सुनने में भले यह चौंकाने वाला हो, लेकिन वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसा ही दावा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ समुद्र का खारा पानी और थोड़े से बादलों को सफेद करने की कला से हम दुनिया के मौसम का पूरा चक्र बदल सकते हैं और अल नीनो के खतरे को दूर कर सकते हैं।

दुनिया भर के मौसम का गणित बिगाड़ देता अल नीनो

प्रशांत महासागर में उठने वाला अल नीनो दुनिया भर के मौसम का गणित बिगाड़ देता है। खासकर भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए, जहां मजबूत अल नीनो का सीधा मतलब कमजोर मानसून और सूखा होता है। साइंस एडवांसेज में पब्लिश एक नई रिसर्च के मुताबिक, वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र के ऊपर जहाजों से समुद्री नमक का छिड़काव करके अल नीनो जैसी भीषण प्राकृतिक घटना को होने से पहले ही कमजोर किया जा सकता है।

भारत पर इसका क्या असर पड़ेगा?

भारत में आधे से ज्यादा कृषि भूमि मानसून के पानी पर निर्भर है। लेकिन, जब-जब सुपर अल नीनो आया है 1997, 2009 और 2015 तो भारत को सूखे और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा है। कंप्यूटर मॉडल के मुताबिक, अगर अल नीनो को बनने से पहले ही रोक दिया जाए, तो दक्षिण एशिया और भारत में सूखा और अत्यधिक गर्मी का खतरा काफी कम हो सकता है।

तुर्की में पानी के नीचे अजूबा, दिखा 2400 साल पहले डूबा प्राचीन शहर

अंकारा। पानी की गहराई हमेशा से ही अपने भीतर अनगिनत रहस्य छुपाए रखती है। इस बार तुर्कीये के दक्षिण-पूर्व में स्थित डिकले बांध के जलाशय के नीचे से एक ऐसा चमत्कार सामने आया है, जिसने पूरी वैज्ञानिक बिरादरी को हैरत में डाल दिया है। जलाशय का पानी कम होने पर पानी के नीचे से कोई एक-आध खंडहर नहीं, बल्कि 2400 साल पुराना एक पूरा का पूरा शहर बाहर निकल आया है। ताज्जुब की बात यह है कि सदियों तक पानी में डूबे रहने के बावजूद यहाँ की इमारतें आज भी सही-सलामत खड़ी हैं। तुर्कीये के एगिल जिले में 1990 के दशक के उत्तरार्ध में डिकले बांध का निर्माण किया गया था, जिसके बाद यह पूरा इलाका पानी में डूब गया था। हाल ही में भारी बारिश के बाद बांध के एक गेट में आई तकनीकी खराबी के कारण अचानक पानी का स्तर नीचे गिर गया। जैसे ही पानी घटा, वैज्ञानिकों और स्थानीय लोगों के सामने 2400 साल पुरानी एक ऐसी सभ्यता आ गई, जो दशकों से पानी के नीचे शांत छिपी हुई थी।

घर, मस्जिदें और स्कूल आज भी खड़े हैं वैसे के वैसे

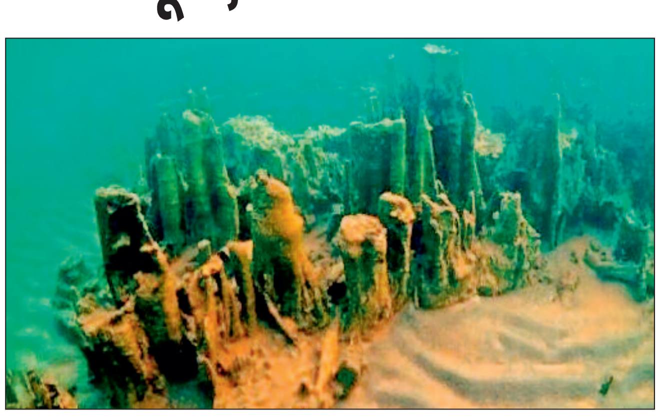

कई सभ्यताओं का संगम रहा है यह क्षेत्र

बांध बनने से पहले एगिल का यह इलाका इतिहास में कई महान साम्राज्यों और संस्कृतियों का चौराहे की तरह केंद्र रहा है। सदियों से अलग-अलग सभ्यताओं ने यहाँ अपनी छाप छोड़ी है। पानी के नीचे से मिले ये अवशेष वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर रहे हैं कि ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी से लेकर बाद के दौर तक इस क्षेत्र में मानव बस्ती का विकास किस तरह हुआ था।

इन ऐतिहासिक संरचनाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा

डिकले यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने जब इस इलाके का निरीक्षण किया, तो वे हैरान रह गए। अध्ययन में सामने आया कि पानी के नीचे पूरा का पूरा मोहल्ला बसा हुआ है। शोधकर्ता इरफान यिल्डिज के अनुसार, पानी के शांत रहने और मानवीय हस्तक्षेप न होने की वजह से इन ऐतिहासिक संरचनाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व से जुड़ी ये इमारतें आज भी अपनी जगह पर मजबूती से खड़ी हैं।

78 मकानों के साथ मिला समृद्ध इतिहास

पुरातत्वविदों ने अब तक यहाँ 78 मकानों के अवशेषों की पहचान की है, जो यह दर्शाते हैं कि उस दौर में यहां एक बड़ी आबादी निवास करती थी। टाइगरिस (दजला) नदी के किनारे उपजाऊ कृषि क्षेत्र होने के कारण यहाँ का मुख्य आधार खेती-बारी था। आवासीय मकानों के अलावा पानी के नीचे मस्जिद, मदरसा और कई कब्रिस्तान भी मिले हैं, जो उस समय के सामाजिक और धार्मिक जीवन की झलक दिखाते हैं।

पुरातत्वविदों के सामने नई और बड़ी चुनौती

पानी के ऊपर आने के बाद अब इन ऐतिहासिक अवशेषों को बचाना शोधकर्ताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। पानी का बदलता स्तर, मिट्टी का बहाव और कटाव इन दुर्लभ खंडहरों को हमेशा के लिए नष्ट कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब इस साइट की मैपिंग करने और भविष्य के लिए इसे सुरक्षित रखने के लिए तुरंत विशेष अंडरवाटर आर्कियोलॉजिकल (जलमग्न पुरातत्व) अध्ययन शुरू करने की आवश्यकता है।

धरती पर आया परमाणु खतरा तो पड़ेगी जरूरत

समुद्र में 1945 के पहले डूबे जहाजों का लोहा क्यों चुरा रहे वैज्ञानिक

वॉशिंगटन। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से बने लगभग हर संवेदनशील रेडिएशन डिटेक्टर के लिए ऐसे स्टील का इस्तेमाल किया जाता है, जो पहले परमाणु परीक्षण से पहले डूबे जहाजों से निकाला गया हो। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वैज्ञानिकों का मानना है 1945 के बाद पिघलाई गई हर चीज की बनावट में परमाणु युग के हल्के निशान रह जाते हैं और युद्ध से पहले के मलबे की सप्लाई सीमित है। दरअसल, यह पूरा मामला 'लो-बैकग्राउंड स्टील' से जुड़ा हुआ है। ये ज्ञान-विज्ञान की दुनिया में यह एक बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक विषय है।

दरअसल, जब पहला परमाणु बम का परीक्षण हुआ और फिर उसका इस्तेमाल किया गया तो उसने सिर्फ न्यूक्लियर युग की ही शुरुआत नहीं की, बल्कि वैज्ञानिकों का कहना है कि इसने वातावरण में एक स्थायी रेडियोएक्टिव निशान छोड़ दिया जो उसके बाद बने स्टील के हर बैच में शामिल हो गया।

समंदर में स्टील खोजते वैज्ञानिक

16 जुलाई 1945 को दुनिया का पहला परमाणु परीक्षण हुआ था, जिसे ट्रिनिटी टेस्ट कहा जाता है। उसके बाद हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए गए। 1940 और 1950 के दशकों में अमेरिका, सोवियत संघ और अन्य देशों ने सैकड़ों परमाणु परीक्षण खुले आसमान में किए। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन धमाकों की वजह से वातावरण में कोबाल्ट-60 और सीज़ियम-137 जैसे रेडियोधर्मी तत्व पूरी दुनिया की हवा में फैल गए। पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लैबोरेटरी की लो-बैकग्राउंड स्टील के बारे में एक रिपोर्ट बताती है कि यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी की कई सुविधाओं ने दूसरे विश्व युद्ध से पहले के मेटल से काउंटिंग-रूम शील्ड बनाई थीं। इन कमरों का इस्तेमाल ऐसी माप के लिए किया जाता था।

इस देश में 54 प्रतिशत हो गई है महिलाओं की जनसंख्या

रीगा। दुनिया के अलग-अलग देशों में जनसंख्या से जुड़े आंकड़े समय-समय पर नई तस्वीर पेश करते हैं। कहीं बढ़ती आबादी चिंता का कारण बनती है तो कहीं घटती जनसंख्या सरकारों के लिए चुनौती बन जाती है।

उपलब्ध जनसांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, लातविया उन देशों में शामिल है जहां महिलाओं की आबादी पुरुषों की तुलना में अधिक है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया गया है कि देश की कुल आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 54 प्रतिशत के आसपास है, जबकि पुरुषों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। यह अंतर अचानक पैदा नहीं हुआ, बल्कि कई वर्षों में विकसित हुआ है। जनसंख्या विशेषज्ञों का कहना है कि इसके पीछे कई सामाजिक, स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय कारण जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस असंतुलन का सबसे प्रमुख कारण पुरुषों की महिलाओं की तुलना में कम जीवन प्रत्याशा है। औसतन महिलाएं पुरुषों से अधिक समय तक जीवित रहती हैं। इसके अलावा हृदय रोग, दुर्घटनाएं, धूम्रपान, शराब का अधिक सेवन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी पुरुषों की औसत आयु को प्रभावित करते हैं।

शख्स ने बॉडी में गुदवाया 3 करोड़ 40 लाख का टैटू

ओटावा। दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो अपने शौक और जुनून के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। कोई दुर्लभ चीजों का संग्रह करता है, कोई महंगी कारों का शौकीन होता है, तो कोई अपने शरीर को अनोखा रूप देने के लिए लाखों-करोड़ों रुपएखर्च कर देता है। इन दिनों कनाडा के एक ऐसे ही शख्स की कहानी सोशल मीडिया और विदेशी मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने अपने शरीर पर टैटू बनवाने के जुनून में अब तक करीब 5 लाख कनाडाई डॉलर (लगभग 3 करोड़ 40 लाख रुपए) खर्च कर दिए हैं।

अब तक खर्च कर चुके हैं करोड़ों रुपए : रेमी स्कोफील्ड ने बताया कि उन्होंने अब तक अपने टैटू सफर पर लगभग 5 लाख कनाडाई डॉलर खर्च किए हैं, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 3 करोड़ 40 लाख रुपए के बराबर है।

साल 2001 से शुरू हुआ बदलाव

रेमी स्कोफील्ड ने बताया कि उनके शरीर में बदलाव की शुरुआत साल 2001 में हुई थी। उस समय उन्होंने सबसे पहले अपने चेहरे पर पियर्सिंग करवाई थी। इसके बाद धीरे-धीरे उन्हें बॉडी मॉडिफिकेशन में दिलचस्पी बढ़ने लगी। हालांकि, टैटू बनवाने का सफर साल 2009 में शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने बेटे के नाम का पहला टैटू अपने शरीर पर बनवाया था। यही वह पल था जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी. इसके बाद उन्होंने लगातार नए-नए टैटू बनवाने शुरू कर दिए।

आइब्रो, मूंछ दाड़ी के बालों का प्रत्यारोपण
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
गुर्दे की पथरी का दर्द
सबसे भयानक दर्दों में से एक है। जिसे कोई भी व्यक्ति अनुभव कर सकता है।
इसके लक्षण कारण और उपाय जानने के लिए संपर्क करें
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
- नॉर्मल/सिजेरियन डिलीवरी एवं हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी केयर
- मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) क्लीनिक (Pap Smear, Sonography, Colposcopy एवं BSE)
- Adolescent Clinic (माहवारी में तकलीफ/बंद होना)
- बच्चेदानी में गांठ या रसौली, बच्चेदानी के मुंह के कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर, स्तन कैंसर आदि की सर्जरी

सभी कार्पोरेट, शासकीय योजनाओं एवं इंश्योरेंस से मान्यता प्राप्त
परामर्श हेतु - सोमवार से शनिवार, समय : 10.00 से 5.00 बजे तक
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com